THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 178 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद अमावस्या 2080 गुरुवार, 14 सितंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

2 साइड ओपन कोठी और फ्लैट्स | 60 एमेनिटीज

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

1350 Sq Ft वाला 2 BHK फ्लैट
सिर्फ 47.25 लाख में !

1900 Sq Ft वाला 3 BHK फ्लैट
सिर्फ 52.50 लाख में !

2000 Sq Ft वाली
3 BHK BIG कोठी
सिर्फ 63 लाख में !

2325 Sq Ft वाली
4 BHK BIGGER कोठी
सिर्फ 73.50 लाख में !

3200 Sq Ft वाली
4 BHK BIGGEST कोठी
सिर्फ 1.05 करोड़ में !

60 AMENITIES

OUTDOOR
1. Entrance Plaza
2. Sezasthan Bazaar
3. Lotus Canopy
4. Chaupati
5. Linear Fountain
6. Temple
7. Rashi Garden
8. Open Air Theatre
9. Wetland Park
10. Plant Nursery
11. Kid's play Area
12. Sandpit
13. Open Gym
14. Herb Garden
15. Interactive Fountain
16. Lap Pool
17. Kid's Pool
18. Roof Top Wall
19. Multi Purpose Lawn
20. Meditation Zone
21. South End Park
22. Vocational Workshop Space
23. Viewing Deck
24. Sensory Walk
25. Nature Trail
26. Savanna Elevated Trail
27. Picnic Points
28. Adventure Play Area
29. Interactive Seating With Gazebo
30. Seating With Trellis

INDOOR AMENITIES
31. Tuition Rooms
32. Library
33. Art Area
34. Kid's Workshop and Play Area
35. Trampoline
36. Disney Theme Game Room
37. Women's Corner
38. Chit Chat Lobby
39. Conference Area
40. Meeting Area
41. Featuristic Club Entry With Bridges
42. Health Care Facility
43. Gymnasium
44. Yoga Area
45. Card Area
46. Chess Area
47. Carrom Area
48. Table Tennis
49. Billiards
50. Cafeteria With Outdoor Seating
51. Banquet Hall

SPORTS
52. Basketball Court
53. Badminton Court
54. Skating Rink
55. Lawn Tennis
56. Mini Golf
57. Cricket Practice Net
58. Box Cricket
59. Jogging Loop
60. Cycling Track

KEDIA®

1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

प्रथम विश्व भाषा के रूप में उभरती हिंदी

डॉ. टाटा नरसिंग राव
निदेशक, एआरसीआई
एवं अध्यक्ष, राजभाषा
कार्यान्वयन समिति

प्राचीन कालों को समाहित एवं प्रभावित करती हुई संस्कृत, पाली, प्राकृत अपभ्रंश से विकसित होती हुई, आज हिंदी भाषा सूचना प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान और अनुसंधानों को ग्रहण कर नए आयामों पर डल कर, भारत के विभिन्न भाषाओं को ही नहीं अपितु, पूरे विश्व को अपनी विशेषताओं से प्रभावित कर रही हैं। और विश्व के सभी क्षेत्रों को अपने में समाहित कर विश्व भाषाओं में अपना प्रथम स्थान बनाने में निरंतर हर संभव प्रयास कर रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूचनाओं की तकनीकों से हिंदी भाषा का सम्मान बड़ा है। चंद्रयान- 3 के सफलता पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने 'जय विज्ञान, जय अनुसंधान' का नारा दिया।

ऐसे ही, वह दिन भी अब दूर नहीं हैं कि हिंदी के लिए नारा होगा- 'जय हिंदी, जय हिंदुस्थान'। हिंदी हर घर, हर दफ्तर, हर मोहल्ले में दस्तक दें चुकी है, सिर्फ हमें अपनी रूढ़िवादी मानसिकता से बाहर निकलने की आवश्यकता है। हिंदी भाषा राष्ट्रीय पहचान और एकता की मज़बूत कड़ी के रूप में लगातार विशेष भूमिका निभाती आ रही है। हमारे विशाल बहु- भाषी राष्ट्र के नागरिकों को एक मंच पर लाने में, संपर्क – भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राजभाषा के रूप में हिंदी का ज़्यादा से ज़्यादा उपयोग किये जाने के लिए बनाये गये अधिनियमों, नियमों एवं समय-समय पर जारी किये गये आदेशों पर पूरी तरह से अमल करते हुए, हमें अपना अधिक से अधिक कामकाज हिंदी में करने का भरपूर प्रयास करना चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए, एआरसीआई हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु हर संभव प्रयासरत रहता है। एआरसीआई प्रत्येक तिमाही में वैज्ञानिकों/शोधार्थियों द्वारा शोध-कार्य संबंधित तकनीकी व्याख्यान प्रस्तुत करवाता है, ताकि उन्हें अपने शोध-कार्य को मूल रूप से हिंदी में करने की प्रेरणा मिल सके। अनवरत विकसित प्रयासों की शुभकामनाओं के साथ, पुनः सभी देश वासियों को हिंदी दिवस-2023 की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। जय हिंदी, जय हिंदुस्थान!

'हिंदी दिवस का सही अर्थ बुजुर्गों से सीखें'

आज़ादी के वक्त हमारे देश में बहुत सारी भाषाएँ बोली जाती थीं परन्तु हमें एक भाषा को राजभाषा बनाना था। बहुत संघर्ष और विचार-विमर्श के बाद हिंदी जो की देश में सर्वाधिक प्रचलित और आसानी से समझी जाने वाली भाषा थी दक्षिण क्षेत्र तथा अन्य लोगों के भारी विरोध के बाद भी हिंदी को राष्ट्रभाषा चुना गया। अशोक फाउंडेशन के संस्थापक **पंकज कुमार अग्रवाल** ने बताया कि बड़ी विडंबना है कि आज की पीडी को अपनी ही देश की भाषा बोलने में शर्म आती है जबकि हिंदी विश्व की तीसरी सबसे प्रसिद्ध भाषा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि अपने देश की भाषा का विकास और प्रसार की जिम्मेदारी हम सभी को उठानी चाहिए। किसी देश की मातृभाषा उस देश की हचान होती है और वहां के नागरिकों का सम्मान उनकी मातृभाषा से जुड़ा होता है।

मशीन अनुवाद एवं प्रौद्योगिकी लेखन प्रशिक्षण की दिशा में ईसीआईएल

इलेक्ट्रानिक्स कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) तकनीकी लेखन की दिशा में निरंतर अग्रसर है। ईसीआईएल परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्त्व का एक महत्त्वपूर्ण उद्यम है। यहां के राजभाषा अनुभाग का प्रमुख कार्य सामरिक इलेक्ट्रॉनिकी के विभिन्न क्षेत्रों; विशेषतः नाभिकीय, रक्षा, सुरक्षा, वांतरिक्ष, सूचनाप्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार तथा ई-अभिशासन इत्यादि के क्षेत्र में तकनीकी लेखन करना है। प्रौद्योगिकी लेखन एक वैज्ञानिक प्रविधि है। आज के सूचना प्रौद्योगिकी तथा तकनीकी व्यावसायिक युग में तकनीकी लेखन का विकास अत्यंत आवश्यक है।

विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में कार्यरत अधिकारियों के लिए तकनीकी लेखन के अनुप्रयोगों का ज्ञान होना विशेष रूप से उपयोगी है। इस तकनीकी लेखन का अनुप्रयोग तकनीकी अधिकारियों को उपभोक्ता और व्यवसाय के परिप्रेक्ष्य में कौशलपरक ढंग से विकसित करने के क्षेत्र में किया जाता है। तकनीकी लेखन एवं प्रौद्योगिकी अनुवाद के क्षेत्र में ईसीआईएल का यह संकल्प है कि विश्वविद्यालय के छात्रों को इलेक्ट्रानिक्स की विभिन्न तकनीकी परियोजनाओं एवं उपकरणों की विशिष्टताओं के मौलिक तकनीकी लेखन एवं प्रौद्योगिकी अनुवाद पर गहन प्रशिक्षण दिया जाए। ईसीआईएल ने इसके लिए एक व्यापक एवं विस्तृत योजना बनाई हैं। यहां की अनुवाद परियोजनाओं में सूचना प्रौद्योगिकी तथा क्लाउड ट्रांसलेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को समायोजित किया गया है। इसके साथ-साथ कोशविज्ञान (लेस्किकोलॉजी) पर प्रशिक्षण देने के लिए कोशविज्ञान के अंतर्गत शब्दक्रम निर्धारण के 100 से अधिक विशिष्ट प्रयोजनमूलक मॉडल सेट बनाए गए है। प्रत्येक सेट को गहन शोध करके बनाया गया है।

कोशविज्ञान के विभिन्न आयामों पर आधारित सेट हिन्दी तथा भाषाविज्ञान के किसी भी शोध छात्र को कड़ी चुनौती दे सकते हैं। प्रत्येक सेट को हल करने से छात्रों के भाषा संबंधी ज्ञान में अत्यंत बढ़ोत्तरी होगी। इस योजना का मुख्य प्रयोजन छात्रों में तकनीकी लेखन, कोशविज्ञान तथा मशीन अनुवाद में उनकी रोचकता को बढ़ाना है। उन्हें यह विश्वास दिलाना है तकनीकी अनुवाद एक भाषिक प्रक्रिया के साथ-साथ भाषिक पुनर्सृजन भी है। आज अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में कोश निर्माण की अत्यंत महत्वपूर्ण उपयोगिता है। मौलिक तकनीकी लेखन में कोशविज्ञान का विशेष महत्व है। ईसीआईएल में इस दिशा में निरंतर तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशालाओं के माध्यम से दिया जाने वाला प्रशिक्षण अत्यंत प्रभावी रहा है। आज कॉरपोरेशन के अधिकारी सामरिक इलेक्ट्रॉनिकस के क्षेत्र की किसी भी तकनीकी परियोजना पर अधिकार के साथ लेखन कार्य कर सकते हैं। इस समय हिन्दी में तकनीकी लेखन तथा तकनीकी लेखन पर प्रशिक्षण देने वाले विशेषज्ञों की एक सशक्त टीम है।

इस वर्ष यहां के अधिकारियों ने इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र (आईजीकार), कल्पाक्कम तथा प्लाजमा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर), गांधीनगर में राष्ट्रीय महत्व की तकनीकी परियोजनाओं पर प्रस्तुति दिया है। अंतरिक्ष विभाग के महत्वपूर्ण संस्थान सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (शार), श्रीहरिकोटा ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित (स्टेम) के अनुवाद विश्लेषण पर प्रशिक्षण देने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशीन अनुवाद के सांख्यकीय विश्लेषण पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इस अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में अंतरिक्ष विभाग के सभी केन्द्रों के कनि. अनुवाद अधिकारियों ने सहभागिता की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों से संपर्क किया जा रहा है। ईसीआईएल के राजभाषा विभाग ने वर्ष 2023-24 को प्रशिक्षण एवं विकास; वर्ष घोषित किया है। इस आधार पर यह पूरा प्रशिक्षण एवं कौशल विकास पर केन्द्रित होगा। बीसवीं और इक्कीसवीं सदी में तकनीकी लेखन का स्वरूप काफी तेजी से विकसित हुआ है।

इसके अंतर्गत विभिन्न तकनीकी परियोजनाओं तथा उत्पादों के बारे में प्रयोजनमूलक विलेख प्रकाशित करने पड़ते हैं। ईसीआईएल में तकनीकी लेखन के विभिन्न आयामों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। तकनीकी लेखन प्रारंभ करने से पूर्व इन तथ्यों का ध्यान विशेष रूप से रखना चाहिए:- अपने श्रोता या उपभोक्ता को जानें, शैली को जानें, विषय वस्तु को जानें, पहले प्रस्तावना- फिर परियोजना, भाषा का सरलीकरण, विषय वस्तु की संरचना, तकनीकी लेखन का विशेष विन्यास (लेआउट), उदाहरणों का प्रयोग, यथा संभव ग्राफ, पाई आरेख तथा चित्रों का प्रयोग, उपयुक्त। ;वायस ओवर; का प्रयोग। ईसीआईएल द्वारा विकसित तकनीकी लेखन एवं अनुवाद प्रशिक्षण माड्यूल में इन सभी आयामों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। वस्तुतः, विश्वविद्यालयों के शोध-छात्रों के परियोजना कार्य में तकनीकी लेखन को एक अनिवार्य अध्याय बनाना चाहिए। तकनीकी संस्थानों में आयोजित होने वाली राजभाषा कार्यशालाओं के माध्यम से भी तकनीकी लेखन के कौशल विकास को और अधिक प्रयोजनमूलक बनाया जा सकता है। राष्ट्र के कौशल-विकास में तकनीकी लेखन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए यह आवश्यक है कि इसे हमारी शिक्षाप्रणाली का स्नातक स्तर से ही प्रमुख अंग बनाना चाहिए।

डॉ. राजनारायण अवस्थी
उप प्रबंधक (राजभाषा),
कॉरपोरेट कार्यालय
इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन
ऑफ इंडिया लिमिटेड
(ईसीआईएल), हैदराबाद

इंटरनेशनल एडवान्स्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मटेरियल्स (एआरसीआई), हैदराबाद की ओर से

हिंदी दिवस-2023 की हार्दिक शुभकामनाएं

इंटरनेशनल एडवान्स्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मटेरियल्स (एआरसीआई) की स्थापना वर्ष 1997 में की गई, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार का स्वायत्त अनुसंधान एवं विकास केंद्र है। यह केंद्र बालापुर, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य में स्थित है। इस संगठन का मिशन उन्नत पदार्थों और प्रक्रमों के क्षेत्र में अद्वितीय और प्रौद्यो-वाणिज्य रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों का विकास कर, उन्हें भारतीय उद्योगों को अंतरित करना हैं और इसका विजन वैश्विक स्तर पर, उन्नत पदार्थों और प्रक्रमण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी अनुसंधान एवं विकास संगठन बनाना है।

इसके अतिरिक्त, संगठन का मुख्य उद्देश्य एवं कार्य पदार्थ अनुसंधान पर केंद्रित है:

1. आला बाजारों के लिए उच्च निष्पादन पदार्थों और प्रक्रमों का विकास।
2. प्रोटोटाइप और प्रायोगिक पैमाने पर प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन।
3. अधिक प्रतिस्पर्धी और सक्षम होने के लिए, वाणिज्यिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय उद्योगों को एआरसीआई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का अंतरण।
4. उन्नत पदार्थों और प्रक्रमों के क्षेत्र में वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
5. विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ावा देना।

राष्ट्रीय स्तर पर, अद्वितीय प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोग उन्मुख कार्यक्रमों के विकास पर मुख्य ध्यान देने के साथ 11 अनुसंधान केंद्रों के माध्यम से गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाता है। इस संगठन के नाम में निहितानुसार, एआरसीआई अपने लक्ष्यों की सफल उपलब्धि प्राप्त करने के लिए, यह भारतीय एवं विदेशी प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ सहयोग करने के लिए भी प्रयास करता है।एआरसीआई ने अपनी प्रौद्योगिकियों को 40 से अधिक उद्यमों (स्टार्टअप, एमएसएमई और बड़ी कंपनियों सहित) को अंतरित किया है और साथ ही निजी और सार्वजनिक वित्त-पोषित संगठन के लिए लगभग 250 परियोजनाओं को कार्यान्वित किया है।

एआरसीआई, बुनियादी अनुसंधान को पूर्णरूप से महत्व देता हैं। पीएच.डी. कार्य करने के लिए, केंद्र के रूप में कई आईआईटी, एनआईटी और राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा एआरसीआई को मान्यता प्राप्त है। अब तक 53 शोध छात्रों ने अपना पीएच.डी. शोध कार्य पूर्ण कर लिया है। इसी तरह एआरसीआई, छात्रों को मास्टर और स्नातक स्तरीय परियोजनाओं, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और एआरसीआई अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं का दौरा करने के अवसर प्रदान करवाता है। यह उल्लेखनीय है कि पिछले 26 वर्षों में एआरसीआई में लगभग 10,000 से अधिक युवा विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।

विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें www.arci.res.in

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 178 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **भाद्रपद अमावास्या 2080 गुरुवार, 14 सितंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

कश्मीर में कर्नल, मेजर और डीएसपी समेत 4 शहीद

दो आतंकी मारे गए; राजौरी में एनकाउंटर खत्म, अनंतनाग में जारी

अनंतनाग, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के साथ दो मुठभेड़ों में 3 अफसर और एक जवान शहीद हो गए हैं। अफसरों में सेना के एक कर्नल, एक मेजर और पुलिस के एक डीएसपी शामिल हैं। अनंतनाग में बुधवार को आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर उस वक्त गोली चला दी, जब वे सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसमें कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनैक और डीएसपी हुमायूं भट शहीद हो गए। यहां मुठभेड़ अभी जारी है।

जवान की मौत मंगलवार को राजौरी में हुई। दो आतंकी भी मारे गए। यहां सर्चिंग के दौरान मंगलवार को सेना के डॉग की भी मौत हो गई। उसने अपने हैंडलर की जान बचाने के लिए खुद की जिंदगी दांव पर लगा दी। राजौरी में एनकाउंटर खत्म हो गया है।

राजौरी एनकाउंटर साइट से दो

AK-47, 7 मैग्जीन, 2 बीपी जैकेट, करीब तीन दर्ज राउंड एम्यूनिशन रिकवर हुए हैं। सेना के अधिकारी ने बताया कि एनकाउंटर में शहीद हुए आर्मी डॉग का नाम केंट था।

आतंकियों की तलाश के दौरान डॉग अपने हैंडलर के आगे चल रहा था तभी उसे गोली लगी और उसकी मौत हो गई। यह आर्मी डॉग केंट की तस्वीर है। उसकी मौत उस वक्त हुई जब जब वो भाग रहे आतंकियों की तलाश करने के लिए जवानों की एक यूनिट का नेतृत्व कर रहा था। यह आर्मी डॉग केंट की तस्वीर है।

सरकार ने 17 सितंबर को ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र से पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने 1% सितंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इस विशेष सत्र का मकसद क्या है, इसके बारे में अभी जानकारी नहीं है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि इस दौरान सरकार एक देश-एक चुनाव का बिल ला सकती है। उधर, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- संसद का स्पेशल सेशन बुलाया गया है, लेकिन एक व्यक्ति के अलावा किसी को भी इसके एजेंडे के बारे जानकारी नहीं है।

"जहां बैन नहीं वहां जाकर जलाएं पटाखे जश्न मनाने के दूसरे तरीके भी खोजें'

सुप्रीम कोर्ट की मनोज तिवारी को फटकार, याचिका खारिज

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने कुछ दिन पहले बड़ा फैसला करते हुए एक बार फिर राजधानी में पटाखों पर बैन लगा दिया है। दिवाली से पहले ही पूर्ण रूप से प्रतिबंधन का ऐलान कर दिया गया है। पिछले साल भी सरकार ने इसी तर्ज पर बैन लगा दिया था। लेकिन पिछली बार की तरह एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी द्वारा याचिका दायर की गई। उस याचिका में प्रतिबंध को हटाने की मांग हुई।

पटाखों पर लगा बैन नहीं हटेगा

अब सुप्रीम कोर्ट ने मनोज तिवारी की याचिका को खारिज कर दिया है, जोर देकर कहा गया है कि पटाखों पर से बैन नहीं हटाया जा सकता है। मनोज तिवारी को यहां तक नसीहत दी गई है कि उन्हें जश्न मनाने के दूसरे तरीके खोजने चाहिए। इसके बाद बीजेपी नेता ने तर्क दिया कि दिल्ली में ग्रीन क्रैकर्स पर कोई रोक नहीं है, इस पर कोर्ट ने साफ कर दिया कि लोकल लेवल पर कोई भी हस्तक्षेप उनकी तरफ से नहीं किया जाएगा।

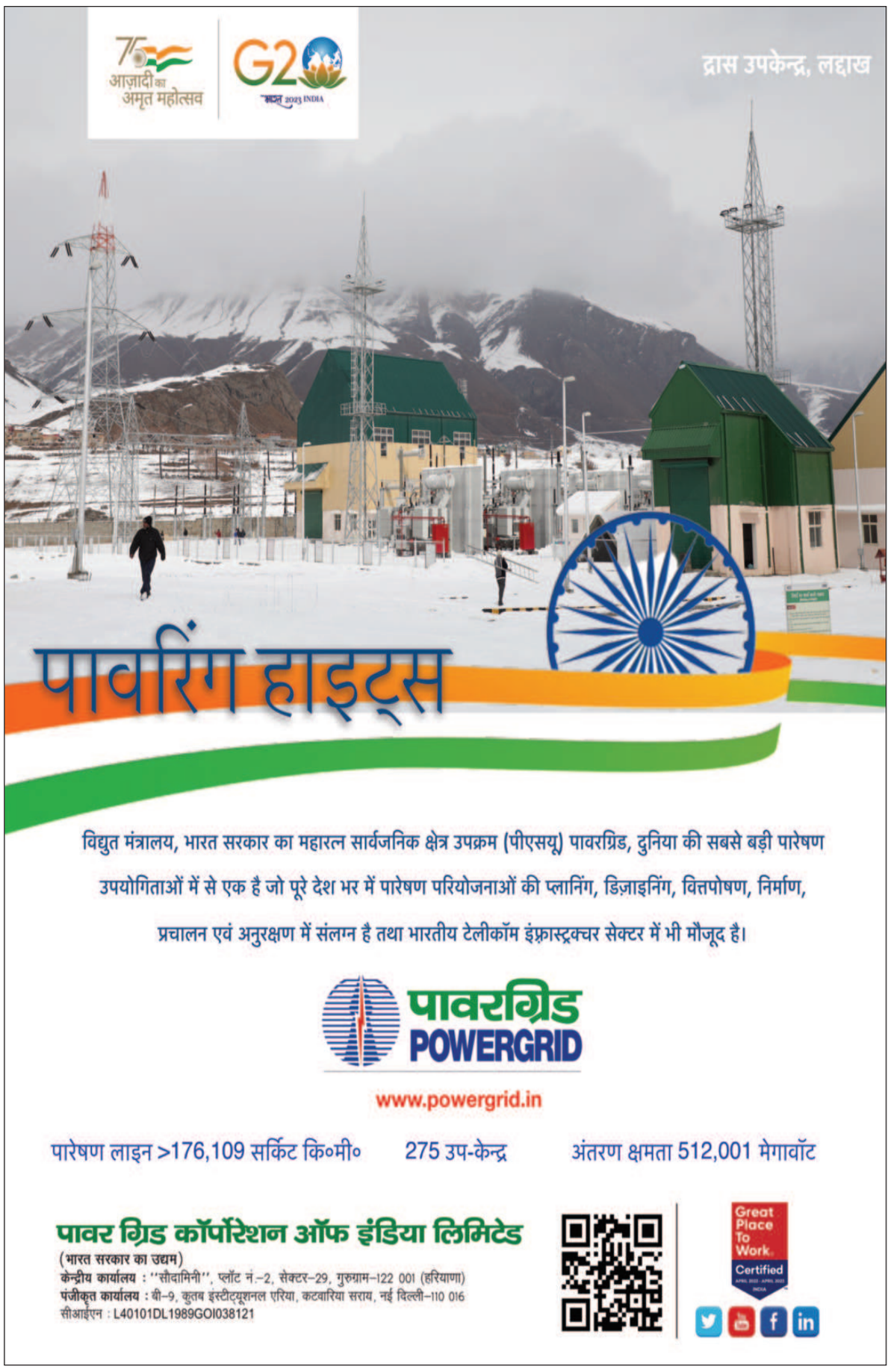

भाषा का महत्व - राजभाषा हिंदी के संदर्भ में

डॉ. महेश कुमार
सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा)
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

भाषा शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत के "भाष" धातु से हुई है जिसका अर्थ होता है 'कहना' या 'बोलना'। भाषा को विचार-विनिमय व भावाभिव्यक्ति का साधन माना जाता है और यहां स्वयं ही इसका महत्व उजागर हो जाता है। आज इसी परिभाषा के सहारे लोगों का मानना है कि हम अपने विचार-विनिमय हेतु किसी भी (भारत के विशेष संदर्भ में अंग्रेजी) भाषा का प्रयोग करें, इससे क्या ? परंतु यहां हमें ध्यान रखना होगा कि भाषा केवल भावाभिव्यक्ति अथवा विचार-विनिमय का साधन ही नहीं, वरन् व्यक्ति के मानसिक विकास, अध्ययन-अध्यापन का आधार, लोगों के विचार, भाव, ज्ञान को सुरक्षित रखने का माध्यम और सबसे महत्वपूर्ण एक पूरी संस्कृति की संवाहक होती है। यह विचारणीय है कि क्या हम अपनी भाषाओं को विस्मृत करके अपनी संस्कृति से जुड़े रह सकते हैं ?, मेरे विचार में यह असंभव है। यथावश्यक हम किसी भी भाषा का उपयोग कर सकते हैं और करना भी अनुपयुक्त नहीं है। परंतु जहां आवश्यक न हों वहां भी केवल अपना वैभव दर्शाने हेतु विदेशी भाषा, अंग्रेजी का प्रयोग कहां तक उपयुक्त है और वर्तमान समय में यही प्रश्न एक विकराल समस्या बनकर हमारे समक्ष खड़ा है। इस दिशा में भारत सरकार के प्रयास सराहनीय है। सरकार की नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर तक शिक्षा मातृभाषा में दिलाए जाने पर बल दिया गया है, इतना ही नहीं आज की बढ़ती बेरोजगारी की समस्या को ध्यान में रखकर, हमारे प्राचीन शिक्षा पद्धति को आधार बनाते हुए कौशल की विविध विधाओं में भी शिक्षण का प्रावधान किया है ताकि शिक्षार्थी अपने रुचि के अनुसार अपने कौशल का विकास कर सके। इस दिशा में जनता को जागरूक होने की आवश्यकता है और 'वोकल फॉर लोकल' के नारे को चरितार्थ करने हेतु हमें अपनी भाषा, कौशल, सामान के उपयोग पर ही बल देना होगा। अंग्रेजी शिक्षण से कोई परेशानी नहीं है, हमें तो हमारे सामार्थ्य के अनुसार जितनी ज्यादा देशी-विदेशी भाषाएं सीख सकते हैं सीखना चाहिए, उनसे केवल लाभ ही होगा, हानि कतई नहीं। परंतु हमने हमारी मानसिकता अंग्रेजी की बना ली है और वही हमारे ज्ञान के क्षेत्र में अवरोध उत्पन्न कर रही है। राजभाषा से तात्पर्य है सरकारी कामकाज की भाषा। भारत के संदर्भ में, केंद्र सरकार की राजभाषा 'हिंदी' है जबकि राज्य सरकारों की राजभाषाएं भिन्न-भिन्न है। यहां राजभाषा से हमारा तात्पर्य केंद्र सरकार की राजभाषा अर्थात हिंदी से है। सरकारी संस्थानों में राजभाषा का उपयोग अपनी गति से बढ़ रहा है और सरकार द्वारा तो इस संबंध में भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। सरकारी व भिन्न-भिन्न निजी संस्थानों द्वारा हिंदी को आगे बढ़ाने हेतु वर्तमान समय की मांग के अनुरूप अनुवाद, श्रुतलेखन, टंकण आदि हेतु विविध साफ्टवेयरों का निर्माण किया गया और लोग भी भरपूर उनका उपयोग कर रहें हैं। परंतु इसे और तेज गति प्रदान करने हेतु 'सरल भाषा' पदबंद को हमें हटाना होगा, क्योंकि कोई भी भाषा सरल अथवा कठिन नहीं होती, केवल उनके प्रयोग व प्रचलन से वह सरल लगने लगती है। इसके अलावा निरीक्षण, प्रतिवेदनों के आधार पर न होकर, प्रत्यक्ष होने लगेंगे, तब वास्तविक स्थित का पता लग सकता है एवं उनमें सुधार हेतु सुझाव दिए जा सकते हैं। भारत सरकार, भारत ही नहीं पूरे विश्व में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा प्रदान करने हेतु तत्पर है और इसी कड़ी में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के प्रयासों के लिए भारत ने 8 लाख अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है। आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी चाहे किसी भी देश में जाएं, वे हिंदी में ही वार्तालाप करते हैं और अपने भाषण भी हिंदी में देते हैं, चाहे फिर वह अमेरिकी संसद ही क्यों न हो। अंग्रेजी की गुलामी की कडियों को तोड़ने का फायदा यह हुआ कि विकसित देश के दिग्गज नेता भी 'नमस्ते' कहने में गर्व महसूस करने लगे हैं। यह तो सर्वविदित कहावत है कि 'जो जीता सो सिकंदर', अर्थात हम स्वयं की शक्तियों को नहीं पहचानेंगे तो दूसरे तो हमें दबायेंगे ही, इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती। अतः हमें सरकार के भगीरथी प्रयासों में भाग लेकर उन्हें गगनचुंबी सफलता दिलाना होगा तभी हम सही अर्थों में एक स्वतंत्र देश कहलायेंगे, जहां भाषा, विचार, व्यवहार सब कुछ भारतीय हो। जयहिंद !

हिंदी का प्रयोग मिशन मोड पर करने की आवश्यकता

डॉ. बी. बालाजी
प्रबंधक, हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार, मिधानी

भाषा के लिए चिंता व चिंतन तो भाषा कर्मी करते ही रहेंगे, वे नहीं करेंगे तो कौन करेंगे? लगता तो ऐसा ही है कि भाषा के लिए आम जनता तो अपने समाज व समुदाय के बुद्धिजीवियों पर आश्रित रहती है? वे केवल उपभोक्ता हैं। उपयोगकर्ता हैं। जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आविष्कार, अनुसंधान व विकास कोई विशिष्ट कौशल व ज्ञान वाले व्यक्ति करते हैं और आविष्कृत सेवा या वस्तु का उपभोग अन्य जन करते हैं। उसी तरह भाषा के प्रचार- प्रसार, उसका मानकीकरण, उसका परिमार्जन भाषा में काम करने वाले विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। लोग क्या करते हैं? असल में भाषा का सही संरक्षण तो लोक से ही संभव है।

भाषा में लोक प्रचलित शब्दों का समावेश लोक के माध्यम से ही होता है, लेकिन उन शब्दों का साहित्य में, विज्ञान व तकनीकी क्षेत्र में संबंधित क्षेत्र के विद्वान द्वारा किया जाता है। वह लिखित रूप में संरक्षित हो जाता है। किंतु उसके प्रचार- प्रसार के लिए उस विद्वान के साथ-साथ लोक जिम्मेदार होता है। इस मामले में यह कहना गलत नहीं होना चाहिए कि भाषा के प्रयोग व प्रसार में लोक की अधिक जिम्मेदारी है। आज जिन भाषाओं ने विश्व में अपना महत्वपूर्ण स्थान पाया है वह प्रयोगकर्ताओं के कारण ही पाया है। चाहे वह स्पैनिश हो, जर्मन हो, फ्रेंच हो, चाहे अंग्रेजी, चीनी हो या फिर हिंदी। भाषा सीखने से आती है। यह अर्जित कला है। बालक माताओं की कोख से भाषा सीखकर जन्म नहीं लेते। जन्म के बाद अपनी माँ की जिव्हा से सीखते हैं, माँ से सीखते हैं। इसीलिए तो बालक की प्रथम भाषा को मातृभाषा कहा जाता है। इसे ही अंग्रेजी में मदर टंग कहते हैं। भाषा परिजनों, मित्रों आदि से भी सीखी जाती है। वह परिवेश जिसमें बालक पलता है, वहाँ जिस भाषा का व्यवहार होता है, बालक वह भाषा भी सहजता से सीखता है। अतः यह कहना उचित ही होगा कि बातचीत के दौरान जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है वे शब्द निरंतर सुनने से परिचित हो जाते हैं। अन्य भाषा का शब्द भी अपनी भाषा का लगने लगता है।

अब ममी, डैडी, थैंक्यू, सॉरी, प्लीज आदि शब्दों को ही ले लिजिए। ये शब्द हिंदी सहित भारत की अधिकतर भाषाओं में समाहित हो गए हैं। आम बोलचाल में ये शब्द सहजता के साथ प्रयुक्त होते हैं। इसके उलट माँ, बाबा, चावल, चीनी, इसी तरह तेलुगु भाषा से बिय्यम, चक्करा, अम्मा, नान्ना जैसे शब्द और हो सकता है अन्य भारतीय भाषाओं से इन शब्दों के पर्याय गायब हो रहे हैं। कहने का अभिप्राय यह है कि जिस भाषा का व्यवहार निरंतर किया जाता है, जिन शब्दों का प्रयोग निरंतर किया जाता है, वह भाषा, वे शब्द, उच्चारण और समझने में आसान लगने लगते हैं। इसके विपरीत जिस भाषा का व्यवहार कम या नहीं होता है, जिन शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाता है, वह भाषा व वे शब्द लुप्त होने लगते हैं। और, कालांतर में वह भाषा और वे शब्द मृत हो जाते हैं।

भारत के पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी बाजपेयी अपने एक साक्षात्कार में पत्रकार द्वारा यह पूछे जाने पर कि हिंदी, देश की राष्ट्रभाषा कब बनेगी तो वे बताते हैं कि 'हिंदी राष्ट्रभाषा बनेगी, प्रतीक्षा कीजिए। हिंदी पर गर्व करना सीखिए और सिखाइए।' इन दो छोटे से वाक्यों में उन्होंने हिंदी भाषा को ताकतवर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्र दिया है। सर्व प्रथम तो इस भाषा पर गर्व करना सीखना होगा।

जो कि प्रायः कम देखने को मिलता है। भारतवासियों हिंदी पर गर्व करते हैं ठीक वैसे ही जैसे इस विचार पर गर्व - 'भारत कभी सोने की चिड़िया हुआ करता था। भारत विश्व गुरु था।' हिंदी के अध्यापक, हिंदी अधिकारी, हिंदी कर्मी, हिंदी पत्रकार भी गर्व करते हैं। इनकी रोजी रोटी इस भाषा पर आश्रित है। इसमें भी प्रतिशतता की कमी है। नौकरी बजाना और नौकरी जीना दोनों अलग हैं। नौकरी जीने की कला तो किसी सशस्त्र बल के कर्मी से सीखना होगा। अटल बिहारी बाजपेयी जी ने दूसरा सूत्र दिया कि अन्य व्यक्ति – अपने मित्रों, सह कर्मियों, रिश्तेदारों, परिचितों और संपर्क में आने वाले हर एक व्यक्ति के मन में इस भाषा के प्रति आकर्षण, लगाव, प्रेम, अनुराग और सम्मान जागृत करने का निरंतर प्रयास करते रहना होगा।

सीएसआईआर- राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद)
उप्पल रोड, हैदराबाद

वर्ष 1961 में स्थापित, सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) का प्रतिष्ठित पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान संस्थान है। अधिदेश के अनुसार, संस्थान भूविज्ञान, भूभौतिकी, भूरसायनिकी एवं भूकालानुक्रम विज्ञान के व्यापक विषय क्षेत्रों को शामिल कर नवोन्मेषी मूल एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान करता आ रहा है। इसके बहुविषयी पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान कार्यक्रम सीएसआईआर ध्येय और सीमांत वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप हैं।

हमारे मूल अनुसंधान एवं विकास सामर्थ्य:
- हाइड्रोकार्बन, खनिज और भूजल का अन्वेषण
- भूकम्प विज्ञान, भूकम्प आपदा मूल्यांकन और भूकम्प प्रक्रियाएं
- भारतीय स्थलमंडल की संरचना, गतिकी और विकास को समझना

हमारे लक्ष्य हैं:
- प्राकृतिक संसाधनों (हाइड्रोकार्बन, खनिज और भूजल) जो कि अकसर जटिल और चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय विन्यासों में पाए जाते हैं, के अन्वेषण के साथ-साथ दोहन के लिए नई और अनूठी प्रौद्योगिकियों का विकास करना
- भारतीय समाज के लिए भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का एक वास्तविक मूल्यांकन प्रदान करना
- उथली और गहरी पृथ्वी प्रक्रियाओं की व्यापक जानकारी प्रदान करना
- विशेषकर पेयजल और पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में मानवजनित और भूजनित प्रदूषण का मूल्यांकन, प्रबंधन और नियंत्रण कार्य नीतियाँ तैयार करना

निम्नलिखित के लिए विशिष्ट सेवाएँ और सुविधाएँ हैं: भूजल अन्वेषण
- खनिज अन्वेषण
- गैस हाइड्रेट और हाइड्रोकार्बन अन्वेषण
- पर्यावरणीय मॉनीटरन
- भूतकनीकी जाँच-पड़ताल
- उथले अधस्तल अन्वेषण
- सक्रिय पर्पटीय विरूपण
- गभीर पृथ्वी की खोज, भूरसायनिकी और

ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में:
- सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों में दक्कन ज्वालामुखीय इलाकों के चे छिपे मोटे मध्यजीवी अवसादों का चित्रण किया गया जिससे नए तेल और गैस क्षेत्रों का पता लगाया जा सकता है।
- भारतीय अपतटीय क्षेत्रों के लिए गैस हाइड्रेटों और मुक्त गैस के रूप में मेथेन का मात्रात्मक आकलन।
- कोयला, कोयला संस्तर मेथेन (सी बी एम) और यूरेनियम के अन्वेषण के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- एनजीआरआई-एनटीपीसी के सहयोग के अंतर्गत तपोबन और तत्तापानी विद्युत उत्पादन क्षेत्रों में भूतापीय ऊर्जा के लिए अन्वेषण।

भूकंप मॉनीटरन और आपदा मूल्यांकन:
- विस्तृत बैंड भूकंप वैज्ञानिक स्टेशनों के नेटवर्कों के माध्यम से उच्च जोखिम क्षेत्रों में भूकंपों का वास्तविक काल मॉनीटरन जिससे संसूचन में देहलियों को कम करने में मदद मिलती है।
- नाभिकीय बिजली स्टेशनों और बाँध जैसे सामरिक संस्थापनों के लिए भूकंपीय जोन 4 एवं 5 में स्थित प्रमुख शहरों का भूकंप आपदा मूल्यांकन।
- मूलभूत जलाशय जनित भूकंपनीयता को समझने के लिए कोयना- वार्ना भूकंप अवकेंद्रीय जोन में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के गभीर ड्रिलिंग कार्यक्रम (7 कि.मी. तक) की पहल में सक्रिय भागीदारी।

भू गतिकी और भारतीय स्थलमंडल के उद्भव एवं क्रमिक विकास को समझना:
- भारतीय स्थलमंडल की संरचना के लिए सक्रिय और निष्क्रिय भूकम्प विज्ञान
- गणितीय मॉडलिंग द्वारा से क्रोड़ और मैंटल गतिकी का अनुकरण
- प्रमुख गभीर भ्रंशों के आर-पार विवर्तनिक विस्थापनों के मूल्यांकन के लिए भूमि, वायुवाहित और उपग्रह आधारित पृथ्वी प्रेक्षण
- पुराचुबंकीय, भूकालानुक्रम विज्ञान, स्थायी और रेडियोसक्रियताजन्य समस्थानिक भूरसायनिकी के जरिए स्थलमंडलीय क्रमिक विकास का पुनर्निर्माण

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
निदेशक, सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, उप्पल रोड, हैदराबाद - 500 007
फोन नं. +91-40-23434600 & 27012000, फैक्स: +91-40-23434651 & 27171564
ई-मेल: director@ngri.res.in; वेबसाइट: www.ngri.org.in

'श्री अन्न' एवं 'हिंदी' की परस्पर प्रगति एवं उनका विस्तृत स्वरूप....

डॉ. (श्रीमती) सी. तारा सत्यवती
निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

आज भारत विश्व गुरु की भूमिका निभाने में पूरी तरह सक्षम है। भारत ने ही पूरे विश्व को 'योग' दिया और यह हमारे जीवन को हर तरह से प्रभावित करता है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य की दृष्टि से हो, या फिर ध्यान व मानसिक शांति की दृष्टि से। पूरे विश्व ने 'योग' को सहर्ष स्वीकार किया और नियमित योगाभ्यास से स्वयं को स्वस्थ व कर्मठ बनाए रखने हेतु प्रयासरत है। आज फिर एक बार भारत ने जी20 बैठकों के प्रतीक चिह्न में अंकित "वसुधैव कुटुम्बकम्" अर्थात विश्व एक परिवार है, की भावना से साथ श्री अन्न (मिलेट्स) के पौष्टिक, स्वास्थ्य लाभ के संबंध में पूरे विश्व को जागरूक कर रहा है।

भारत ने ही संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) के समक्ष अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे 70 से ज्यादा देशों का समर्थन मिला और वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया। इस दायित्व को आज हम पूरे तन्मयता व तत्परता के साथ निभा रहे हैं। भारत सरकार के द्वारा "श्री अन्न" नाम से मिलेट्स को प्रचारित किया गया ताकि उसके नाम से स्पष्ट हो जाए की ऐसे अन्न, जो वर्तमान समय में हर दृष्टि से श्रेष्ठ हैं, चाहे फिर वह जलवायु परिवर्तन हो, या फिर प्राणी जगत की खाद्य व पोषण सुरक्षा। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद श्री अन्न अर्थात – बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, कोदो, कुटकी, सावां, चेना आदि की श्रेष्ठता के प्रति संपूर्ण विश्व को जागरूक करने हेतु तत्पर है। इस संस्थान की इसी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस संस्थान का "श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र" के रूप में उन्नयन किया है।

इसके साथ ही इस संस्थान की जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं और इन जिम्मेदारियों का वहन हम पूरी तत्परता के साथ तभी कर सकते हैं जब हमें अपनी भाषाओं के साथ-साथ राजभाषा हिंदी का भी पर्याप्त ज्ञान हो। हमें अपने अनुसंधान परिणामों को उनके प्रयोक्ताओं अर्थात – किसान, नवोद्यमी, व्यापारी, उद्योगपति आदि तक पंहुचाने हेतु उनकी भाषाओं का ही सहारा लेना होगा, अन्यथा उनसे सीधा संपर्क नहीं होगा और वे हमारी नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु तैयार नहीं हो पायेंगे।

अतः इस संबंध में हिंदी ही लंबे समय तक हमारा साथ दे सकती है, चूंकि स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख भाषा होने के कारण भारत के हर हिस्से में हिंदी को जानने समझने वाले मिल जायेंगे। हिंदी के माध्यम से हमें दोहरा लाभ मिलेगा, एक तो हमारे लक्ष्यों की प्राप्ति में शीघ्रता आएगी, दूसरा राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता भी पूरी हो सकेगी। अंत में भारतेंदु हरिश्चंद्र जी की कविता की पंक्तियों को दोहराते हुए यही कहना चाहूंगी कि - निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल। जयहिंद !

राष्ट्र की अस्मिता होती है भाषा

डॉ. संजय कुमार झा,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि

इतिहास साक्षी है, भारत अपनी भाषा, संस्कृति, कला तथा विज्ञान के लिए जाना जाता रहा है। भारत की विशेष पहचान थी। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि हमारी जन्मभूमि भारत इन्हीं क्षेत्रों में पिछड़ गया? हाँ, यह सही है कि हम आज भी हमारी संस्कृति-कला के कारण कभी चर्चा तो कभी सम्मान के पात्र बनते हैं। लेकिन भाषा और विज्ञान के क्षेत्र में पूर्व के समान ख्याति पुनः प्राप्त करने हेतु सशक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। यह प्रयास हिंदी के माध्यम से सफल हो सकता है।

गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने कभी कहा था - हिंदी भारतीय भाषाओं की मध्य मणि है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि हिंदी भारत के जीवन मूल्यों और संस्कारों की संवाहक है। यह भारत के जनमानस के सामासिक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। भाषा ऐसा प्रमुख माध्यम है, जिस पर राष्ट्र की अस्मिता आश्रित होती है। अपनी भाषा व शिक्षा पद्धति के लिए भारत विश्व प्रसिद्ध रहा है। भाषिक एवं सांस्कृतिक रूप से भारत एक बेहद समृद्ध राष्ट्र है। भारत की विभिन्न भाषाएँ भले ही अलग-अलग सामाजिकता का वहन करती हैं किंतु सांस्कृतिक रूप ये सभी एक-दूसरे की ताकत हैं। भारतीय भाषाओं के इस विविधताओं में हिंदी को एक सेतु के रूप में विशिष्ट स्थान प्राप्त है। यही कारण है कि संविधान निर्माताओं ने सर्वसम्मति से इसे भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकृत दी थी। देश के अधिकांश हिस्सों में हिंदी बोली और समझी जाती है। राजभाषा के रूप में स्थापित किए जाने के बाद कार्यालयी कामकाज के लिए इसे लोकप्रिय बनाने हेतु राजभाषा विभाग द्वारा विविध योजनाएँ जारी की गई। कर्मचारीगण उन योजनाओं का लाभ उठाते हुए राजभाषा हिंदी में पारंगत होने लगे हैं। इससे कार्यालयों में हिंदी के लिए सकारात्मक वातावरण बनता जा रहा है। निर्धारित लक्ष्य की ओर हम बढ़ रहे हैं।

मिधानि ने राजभाषा को प्रारंभ से ही पूर्ण हृदय के साथ अपनाया है। अब तक मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 156 बैठकें हो चुकी हैं। मिधानि के अधिकतर कर्मचारी हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं, जिस कारण मिधानि को भारत के गजट में अधिसूचित किया जा चुका है। इससे हम हिंदी को अपनी कार्य-संस्कृति का अभिन्न अंग बनाने में सफल हुए हैं।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की सभी योजनाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम मिधानि में नियमित रूप से लागू किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, मिधानि प्रबंधन ने भी अपनी ओर से कई ऐसी योजनाओं का कार्यान्वयन किया है जो उद्यम में राजभाषा के प्रचार-प्रसार बल प्रदान कर रही हैं। जैसे हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प प्रदर्शन करने वाले विभाग को रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित करना और तकनीकी लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए मिधानि राजभाषा गौरव पुरस्कार प्रदान करना, हिंदी में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले स्कूल के छात्रों को पुरस्कार आदि। मेरा व्यक्तिगत मत है कि भाषा के माध्यम से कोई भी राष्ट्र उन्नति के पथ पर आगे बढ़ सकता है।

भाकृ अनुप ICAR
INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023
G20 भारत 2023 INDIA
IIMR भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ICAR-Indian Institute of Millets Research

भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद–500 030 तेलंगाना, दूरभाष : 040 24599300 वेबसाइट : www.millets.res.in

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र

समृद्ध विरासत, क्षमता भरपूर

श्री अन्न आहार, स्वस्थ परिवार
- जलवायु लचीली एवं उच्च पैदावार युक्त नई तथा जैव-पौष्टिकीकृत श्री अन्न किस्मों का विकास
- बारानी कृषि हेतु श्री अन्न की उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियों का विकास
- व्यवसायों को आगे बढ़ाने हेतु स्टार्ट-अप को जोड़ने के लिए उद्योग को प्रौद्योगिकी समर्थन
- सार्वजनिक वित्त पोषित कार्यक्रमों में श्री अन्न को मुख्य धारा में लाने हेतु राज्य मिलेट मिशन को तकनीकी सहायता
- अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न सम्मेलन - हितधारकों को एक जगह लाने का माध्यम

वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा की ओर अग्रसर : जलवायु परिवर्तन में व्यवहार्य "श्री अन्न" फसलें

हिन्दी दिवस एवं पोषण माह के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं –डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 14 सितंबर- 2023

राजस्थान में आप -आरएलपी -बसपा के उतरने से किसका बिगड़ेगा 'खेल'?

अशोक भाटिया

राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल बढ़ गई है। सत्ताधारी कांग्रेस ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी परिवर्तन यात्रा निकाल रही है तो वहीं अब बहुजन समाज पार्टी, अरविन्द केजरीवाल की आप पार्टी और हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी भी एक्टिव मोड में आ गई है। बसपा ने राजस्थान चुनाव में 200 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर दिया है। बसपा के नेशनल कन्वेनर आकाश आनंद ने 16 अगस्त को धौलपुर से शुरू हुई संकल्प यात्रा के समापन अवसर पर ऐलान किया था कि पार्टी 200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने ये भी कहा था कि हमने पूरी ताकत के साथ राजस्थान चुनाव में जाने का मन बना लिया है। पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान पहले ही किया जा चुका है। आकाश आनंद ने कांग्रेस सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर जमकर हमला बोला तो साथ ही भाजपा को भी निशाने पर ले रखा है। दूसरी तरफ, हनुमान बेनीवाल ने भी साफ किया है कि हम न तो कांग्रेस और न ही भाजपा, दोनों में से किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। आरएलपी अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी। बसपा के 200 सौ सीटों पर उम्मीदवार उतारने के ऐलान और बेनीवाल के एकला चलो के नारे व अरविन्द केजरीवाल की आम पार्टी के चुनाव मैदान में कूदने से किसे नफा होगा और किसे नुकसान? अब ये सवाल उठने लगे हैं। इस सवाल का जवाब तलाशने से पहले इन पार्टियों का वोट बेस अब ये सवाल उठने लगे हैं। इस सवाल का जवाब तलाशने से पहले इन पार्टियों का वोट बेस क्या है और किस इलाके में ये मजबूत हैं?

उत्तर प्रदेश की पार्टी मानी जाने वाली मायावती की बसपा की जड़ें राजस्थान में भी गहरी हैं। दलित वोट बेस वाली बसपा ने 1998 के राजस्थान चुनाव में पहली बार दो सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। तब बसपा का वोट शेयर भी 2.2 फीसदी रहा था। तब से लेकर अब तक हर विधानसभा चुनाव में बसपा दो या दो से अधिक सीटें जीतती रही है। पूर्वी राजस्थान में बसपा मजबूत रही है। भरतपुर, धौलपुर, अलवर, सवाई माधोपुर और करौली जिलों में बसपा की जड़ें गहरी हैं तो झुंझुनू और चूरु से भी पार्टी के विधायक जीतकर विधानसभा पहुंचते रहे हैं। सपा को 2018 चुनाव में चार फीसदी वोट शेयर के साथ छह सीटों पर जीत मिली थी। हालांकि, सभी विधायक पार्टी छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 2013 चुनाव में बसपा ने 3.4 फीसदी वोट शेयर के साथ तीन, 2008 में 7.6 फीसदी वोट शेयर के साथ छह और 2003 में चार फीसदी वोट शेयर के साथ दो सीटें जीती थीं। 2003 के बाद का चुनावी इतिहास देखें तो बसपा ने जब-जब छह सीटें जीती हैं, राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनी है। हनुमान बेनीवाल की पार्टी आरएलपी का बेस वोटर जाट है। राजस्थान के जाटलैंड यानी मेवाड़ इलाके की 60 सीटों पर आरएलपी भाजपा और कांग्रेस का खेल खराब कर सकती है। नागौर, सीकर, झुंझुनू, भरतपुर और जोधपुर में जाट मतदाताओं की अच्छी तादाद है। बाड़मेर, राजसमंद, जालौर, पाली और अजमेर की कुछ सीटों पर भी आरएलपी का अच्छा प्रभाव माना जाता है। राजस्थान के पिछले चुनाव यानी 2018 की बात करें तो बेनीवाल की पार्टी ने 58 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। विधानसभा चुनाव कार्यक्रम का ऐलान होने के बाद अस्तित्व में आई नई नवेली पार्टी ने 2.4 फीसदी वोट शेयर के साथ तीन सीटों पर जीत हासिल की थी।

बेनीवाल की पार्टी दो सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी जबकि 24 सीटें ऐसी थीं जहां आरएलपी उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे थे। पार्टी को कुल मिलाकर 8 लाख 56 हजार 38 वोट मिले थे। वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार कहते हैं कि दलित में जाटव वोट बसपा के साथ रहा है। बसपा 1998 के बाद से ही अपना वोट शेयर एक हद तक मेंटेन रखने में सफल रही है। आरएलपी की बात है तो उसके चुनाव मैदान में आने से भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही दलों के लिए अगर- मगर की स्थिति बन गई है। जाट वोटर कांग्रेस के साथ रहे हैं जिनके छिटकने का खतरा है। पिछले चुनाव की बात करें तो पिछले चुनाव में कांग्रेस बहुमत के करीब पहुंचकर ठिठक गई तो इसके लिए बेनीवाल की पार्टी को ही वजह बताया गया। जाट परंपरागत रूप से कांग्रेस के वोटर रहे हैं। बेनीवाल के आ जाने से जाट वोट बैंक में सेंध लग गई। अब दूसरा पहलू ये भी है कि सरकार के कामकाज से असंतुष्ट वोटों का बिखराव हो सकता है। अगर ऐसा हुआ तो इसका सीधा लाभ दूसरी पार्टी को मिल सकता है। क्योकि कांग्रेस के लिए अंतर्कलह अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

कांग्रेस की अंतर्कलह स्क्रीनिंग कमेटी की वन-टू-वन बैठक के दौरान भी खुलकर सामने आई। स्क्रीनिंग कमेटी के प्रमुख गौरव गोगोई ने अजमेर, बीकानेर, सीकर और जयपुर डिवीजन की विधानसभा सीटों से टिकट मांग रहे नेताओं को बुलाया था। स्क्रीनिंग कमेटी एक-एक नेता से इसे लेकर बात कर रही थी कि उन्हें टिकट क्यों दिया जाए। इसी दौरान बाहर चाकसू विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता विधायक विनोद सोलंकी को टिकट नहीं दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। इसकी खबर पाकर सोलंकी समर्थक भी पहुंच गए और दोनों गुटों में भिड़ंत हो गई।

बसपा और आरएलपी के अलावा अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी ने भी राजस्थान की 200 सीटों पर चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर की है। हालाँकि आप पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है और इंडिया गठबंधन में सीटों का बटवारा अभी तक नहीं हुआ है पर यदि आप पार्टी अकेले चुनाव लड़ती है तो वह बसपा और आरएलपी से ज्यादा भारी पड़ेगी क्योकि वह राष्ट्रीय दल है व दिल्ली तथा पंजाब में उसकी सरकार है जिसका असर वोटरों पर पड़ेगा। आम आदमी पार्टी ने कहा कि बांटो और राज करो की राजनीति के कारण भाजपा राजस्थान में जीत रही थी। इस बार विपक्ष एकजुट है। भाजपा के पास लगभग 36 फीसदी वोट शेयर हैं जबकि विपक्ष के पास 63 प्रतिशत का संयुक्त वोट शेयर है।

इन सबके बीच भाजपा विभाजित स्थिति में है। आगामी चुनाव में दावेदारी को लेकर आम आदमी पार्टी, बीएसपी और आरएलपी ही नहीं हैं, असदुद्दीन ओवैसी जैसे राजनीतिक खिलाड़ी और जननायक जनता पार्टी जैसी पार्टियों ने भी आगामी चुनाव को दिलचस्प बनाते हुए मैदान में कूदने की घोषणा की है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा में मनमुटाव गहरा रहा है। कांग्रेस भी अपने संकट से गुजर रही है, ऐसे में आम आदमी पार्टी राज्य में पैठ बना सकती है।

असदुद्दीन ओवैसी मुस्लिम वोटों को पार्टी से छीनकर कांग्रेस को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिससे परोक्ष रूप से भाजपा को भी मदद मिल सकती है। राज्य में छोटे राजनीतिक दलों की पैठ को देखते हुए इस बार का विधानसभा चुनाव अब भारत के इस राज्य में दो दलों के लिए राजनीतिक गतिशीलता नहीं रह गया है।

अफ्रीका में निवेश की तैयारी

भारत ने जिस तरह से अफ्रीकन यूनियन को जी20 समूह की सदस्यता दिलाया है उससे पूरी दुनिया हैरान है। अब भारत के पास जहां अफ्रीका में ज्यादा से ज्यादा निवेश करने का अवसर है वहीं अफ्रीकी देशों से संबंध और मजबूत करने पर भी काम करने की जरूरत है। बता दें कि जी 20 की नई दिल्ली शिखर बैठक में अफ्रीकन यूनियन को इस समूह की पूर्ण सदस्यता दिए जाने के बाद से इसके असर को लेकर जितने मुंह उतनी चर्चाएं शुरू कर दी गई हैं। पूरी दुनिया जानती है कि अफ्रीका प्राकृतिक संसाधनों के भंडार से भरपूर है। इसीलिए पूरी दुनिया उसे ललचाई आंखों से देखती है। इसके बावजूद वैश्विक मंचों पर अफ्रीका की कोई खास नुमाइंदगी नहीं दिखती। इसी भेदभाव को दूर करने की कोशिश जी20 ने अफ्रीकन यूनियन को पूर्ण सदस्यता देकर की है। सबसे खास बात यह कि इसकी पहल भारत ने की थी और यह फैसला भी उसी के प्रयासों से सफल भी माना जा रहा है। इसलिए अब भारत को अफ्रीकी देशों के साथ अपने संबंधों को और भी प्रगाढ़ किए जाने की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि अफ्रीकी देशों के साथ भारत के खास संबंध वर्षों पुराने रहे हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि जी20 की सदस्यता दिलाने में सक्रिय भूमिका ने उन देशों में भारत के लिए सद्भाव पैदा किया है। सबसे बडी बात यह है कि आज अफ्रीका को विदेशी पूंजी की जरूरत है। पूंजी लगा कर अपने जाल में फंसाने में चीन का कोई मुकाबला नहीं है। दूरदर्शी चीन ने कई अफ्रीकी देशों में बेल्ट एंड रोड परियोजना के तहत काफी निवेश पहले ही कर चुका है। अफ्रीकी देशों में इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट में काफी मदद की है। इसकी वजह से अफ्रीकी देशों ने अमेरिका से दूरी बढ़ा ली है और वे चीन के करीब आते चल गए हैं। पिछले कुछ बरसों में चीन की वजह से जिस तरह से कई देशों के कर्ज के जाल में फंसने की भी चर्चा होती रही है, उसके बाद भी अफ्रीकी देशों में कोई बहुत नाराजगी नहीं दिखाई दे रही है। अफ्रीकी देशों की पश्चिम देशों से हमेशा शिकायत यह भी रही है कि उन्होंने उनके कुदरती संसाधनों का सिर्फ दोहन किया, लेकिन विकास कार्यों को लेकर वे देश हमेशा उसे नजरंदाज करते रहे। ऐसे में अगर भारत को अफ्रीकी देशों में पैठ मजबूत करनी है तो उसे भी वहां निवेश बढ़ाना होगा, जो इतना आसान नहीं है। इस संदर्भ में चीनी और भारतीय इकॉनमी के बीच का फर्क भी याद रखने की जरूरत है। इस साल अगस्त के आखिर में चीन का विदेशी मुद्रा भंडार 3.16 ट्रिलियन डॉलर था, जबकि 1 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के करीब। चीन की इकॉनमी भी भारत की तुलना में 5 गुना बड़ी है। इसका मतलब है कि अफ्रीका में चीन की डिप्लोमेसी का मुकाबला करने के लिए भारत को अधिक संसाधनों को वहां झोंकने की जरूरत पड़ेगी। यह सब तभी संभव है, जब भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से तरक्की करे और वह चालू खाता घाटे में कमी ला पाए। भारत के लिए अच्छा अवसर यह है कि चीन की इकॉनमी आज सुस्त पड़ कर हांफ रही है, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के बड़े देशों में सबसे तेजी से उभर रही है। भारत का एक्सपोर्ट भी रेकॉर्ड लेवल पर पहुंच चुका है और उसका ध्यान चालू खाता घाटा कम करने पर भी है। अगर भारत इन उपायों के जरिये अधिक संसाधन बचा लेता है तो वह चीन की कर्ज डिप्लोमेसी का जवाब आसानी से दे सकेगा। अगर वह ऐसा कर पाता है तो बेशक अफ्रीकी देशों से उसके रिश्तों को नई ऊंचाई मिलना तय है।

राष्ट्रभाषा के बिना गूंगा है राष्ट्र

योगेश कुमार गोयल

हिन्दी भाषा को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिवर्ष 14 सितम्बर का दिन 'हिन्दी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक भारतीय के लिए अब यह गर्व की बात है कि दुनियाभर में हिन्दी को चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डा. फादर कामिल बुल्के ने संस्कृत को मां, हिन्दी को गृहिणी और अंग्रेजी को नौकरानी बताया था। आयरिश प्रशासक जॉन अब्राहम ग्रियर्सन को भारतीय संस्कृति और यहां के निवासियों के प्रति अगाध प्रेम था, जिन्होंने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे अच्छी और शिरोमणि बताया था। दूसरी ओर हमारे ही देश में कुछ लोग कुतर्क देते हैं कि भारत सरकार योग को तो 177 देशों का समर्थन दिलाने में सफल हो गई लेकिन हिन्दी के लिए 129 देशों का समर्थन भी नहीं जुटा सकी और इसे अब तक संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनाने में भी सफलता नहीं मिली। हालांकि इस प्रकार की नकारात्मक बातों से न हिन्दी का कुछ भला होने वाला है और न ही उसका कुछ बिगड़ने वाला है। ऐसे व्यक्ति हिन्दी की बढ़ती ताकत का यह सकारात्मक पक्ष बहुत चालाकी से नजरअंदाज कर देते हैं कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं। हिन्दी को लेकर भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने एक बार कहा था:-

अर्थात अपनी भाषा से ही उन्नति संभव है क्योंकि यही सारी उन्नतियों का मूलाधार है। मातृभाषा के ज्ञान के बिना हृदय की पीड़ा का निवारण संभव नहीं है। देश-विदेश के बड़े-बड़े विद्वानों ने हिन्दी भाषा के महत्व को समय-समय पर अपने शब्दों में व्यक्त किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के छोटे से छोटे क्षेत्र में भी हिन्दी अपना दायित्व निभाने में समर्थ है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। हिन्दी भाषा के महत्व को स्वीकारते हुए वह कहा करते थे कि सम्पूर्ण भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है, जिसे जनता का बड़ा भाग पहले से ही जानता-समझता है और राज व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। गांधी जी कहते थे कि दिल की कोई भाषा नहीं है, दिल दिल से बातचीत करता है और राष्ट्रभाषा के बिना एक राष्ट्र गूंगा है। अमेरिका के जाने-माने चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग का कहना था कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र के राजकाज और शिक्षा की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुर्वेदी हिन्दी को देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत मानते थे जबकि राहुल सांस्कृत्यायन के अनुसार संस्कृत की विरासत हिन्दी को जन्म से ही मिली है। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का कहना था कि राष्ट्रीय एकता की कड़ी हिन्दी ही जोड़ सकती है।

महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम को परिभाषित करता वर्ष 1917 का एक ऐसा किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंध कांफ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं। दरअसल हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। बहुत सारे देशों में अब वहां की स्थानीय भाषाओं के साथ हिन्दी भी बोली जाती है। इसके अलावा दुनिया के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन तथा अनुसंधान की भाषा भी बन चुकी है।

मोदी और भारत ब्रांड का मिश्रण तैयार

राजेश कुमार पासी

जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन बेहद सफल रहा है। जितनी सफलता इस आयोजन को मिली है, इसकी उम्मीद खुद मोदी सरकार को भी नहीं रही होगी। मोदी जी ने खुद भी नहीं सोचा होगा कि इस आयोजन को इतने शानदार तरीके से पूरा कर लिया जायेगा। यह ठीक है कि इसके लिये मोदी सरकार ने बहुत मेहनत की होगी लेकिन मेहनत का ऐसा फल मिलेगा, ऐसी उम्मीद तो भाजपा के किसी नेता ने नहीं की होगी। मोदी जी इस आयोजन के द्वारा भारत को एक ब्रांड के रूप में खड़ा करना चाहते थे और वो ऐसा सफलता पूर्वक कर गये। इस आयोजन के दौरान भारत ने अपनी आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और राजनीतिक ताकत का भरपूर प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने पूरी दुनिया को अपनी संस्कृति का नमूना पेश किया। भारत ने यह दिखाया कि उसके पास दुनिया के देने के लिए क्या कुछ है। 60 शहरों में जी-20 की बैठकों का आयोजन दुनिया को भारत से परिचित कराने का औजार था, जिसे सफलतापूर्वक इस सरकार ने इस्तेमाल किया।

पहले जिस भी देश में जी-20 का आयोजन किया गया है, वहां यह आयोजन दो-तीन शहरों में सिमट कर रह गया है लेकिन भारत ने अपने 60 प्रमुख शहरों में इसकी बैठकों का आयोजन करके यह बताने की कोशिश की है कि भारत कितनी विभिन्नताओं से भरा देश है। इससे देश में पर्यटन को कितना फायदा होगा, ये आने वाले वक्त में पता चलेगा। विदेशी नेताओं के सामने मोदी जी ने अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को प्रदर्शित करके उन्हें भारत की प्राचीन संस्कृति, इतिहास, प्राचीन ज्ञान-विज्ञान से परिचित कराने की कोशिश की है। यह दिखाने की कोशिश की गई है कि भारत 1947 में पैदा नहीं हुआ था, यह समृद्ध संस्कृति वाला बेहद प्राचीन देश है।

एक देश की अपनी ताकत होती है लेकिन वो ताकत उस देश के नेता पर भी निर्भर करती है। ऐसा नहीं है कि मोदी के आने से ही भारत ताकतवर हुआ है। ये पहले भी ताकतवर था लेकिन इसके नेता कमजोर थे। भारत में पिछले 30 सालों से गठबंधन सरकारों का दौर चल रहा था। 2014 में मोदी जी ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर इसे खत्म कर दिया। इससे पहले देश ने मनमोहन सिंह और देवगौड़ा जैसे प्रधानमंत्री देखे थे। मोदी को कोई फैसला लेने के लिए किसी नेता या दल से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है, सलाह लेनी चाहिए और वो जरूर लेते होंगे। वो मनमोहन सिंह या देवगौड़ा जैसे पीएम नहीं हैं जिन्हें हर फैसला लेने के लिये कभी अपने नेता से और कभी अपने सहयोगियों से इजाजत लेनी पड़ती हो।

मोदी अपने दम पर बहुमत लाने वाले नेता हैं। वो आत्म विश्वास से भरे हुए ऐसे नेता हैं जो देश हित का फैसला पूरी दृढ़ता से ले सकता है और लेता भी है। उनका कोई रिमोट नहीं हैं लेकिन उनके हाथ में कई लोगों के रिमोट जरूर हैं। वाजपेयी जी भी गठबंधन के सहयोगियों को मनाते हुए सत्ता चलाते रहे, लेकिन मोदी जी के साथ ऐसा नहीं है। पिछले नौ सालों से मोदी जी सत्ता की सम्पूर्ण बागडोर अपने हाथ में लिए हुए हैं। शायद यही कारण है कि विपक्ष उन्हें तानाशाह बोलता है लेकिन वो नेहरू, इंदिरा और राजीव जी को भूल जाता है। उनके पास भी पूर्ण बहुमत था और उनका हाथ में भी सत्ता की सम्पूर्ण बागडोर थी। आपातकाल को छोड़ दें तो किसी नेता को तानाशाह नहीं कहा जा सकता। अगर जनता एक नेता को बहुमत देकर सिंहासन पर बिठा देती है तो वो ये भी उम्मीद करती है कि वो उसके हितों के लिये फैसले लेगा। बेशक बहुमत प्राप्त दल का नेता सम्पूर्ण सत्ता को नियंत्रित करता है लेकिन संसदीय लोकतंत्र में वो हमेशा संसद के प्रति जवाबदेह बना रहता है।

मोदी ने अपनी योजनाओं और बड़े फैसलों से अपना एक ब्रांड तैयार कर लिया है। उनके दूसरे कार्यकाल में मोदी ब्रांड भाजपा से भी बड़ा हो गया है। पहला चुनाव भाजपा और मोदी की जीत थी लेकिन दूसरा चुनाव पूरी तरह से मोदी की जीत में बदल गया। आज मोदी का मतलब ही भाजपा बन गया है। मोदी ब्रांड धीरे-धीरे राष्ट्रवाद, विकास और हिन्दुत्व का पर्याय बनता जा रहा है। यहीं से विरोधियों की समस्या खड़ी हो गई है। मोदी का विरोध करना देश का विरोध करना बनता जा रहा है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश का विपक्ष देश विरोधी है लेकिन हालात ऐसे बनते जा रहे हैं कि मोदी विरोध करते-करते विपक्ष देश विरोध करना शुरू कर देता है। पिछले कुछ दिनों से विपक्ष के नेताओं द्वारा सनातन धर्म के विरोध की लहर चल रही है। कोई सनातन को डेंगू और मलेरिया बता रहा है तो कोई कोढ़ और एड्स बता रहा है। रोज कोई न कोई नेता सनातन धर्म को बीमारी बताकर खत्म करने की बात कर रहा है। सनातन धर्म में मौजूद लैंगिक भेदभाव और जातीय असमानता को लेकर सवाल खड़े किये जा रहे हैं। इंडिया गठबन्धन की मुंबई बैठक के बाद यह सिलसिला जोर पकड़ता जा रहा है। भाजपा आरोप लगा रही है कि मुंबई बैठक में सनातन धर्म को खत्म करने की रणनीति विपक्षी दलों द्वारा तैयार की गई है, इसलिए बैठक के बाद सनातन के खिलाफ आवाज सुनाई दे रही है। वास्तव में विपक्ष सनातन का इतना बड़ा विरोधी नहीं है जितना दिखाई दे रहा है। विपक्ष की समस्या यह है कि मोदी सनातन का प्रतीक बन गये हैं और मोदी विरोध की अंधी दौड़ में विपक्ष सनातन के खिलाफ उतर आया है। ऐसी हरकतें विपक्ष को और कमजोर कर रही हैं, इसका अंदाजा विपक्ष को नहीं है। हो सकता है कि विपक्ष मुस्लिम वोटों को पाने के लिए ऐसा कर रहा हो लेकिन मुस्लिम भी ऐसी हरकत पसंद नहीं करते हैं। मुस्लिम वोट पहले ही विपक्ष के खाते में जाते रहे हैं और इसमें किसी किस्म के बदलाव की अभी कोई उम्मीद नहीं है। विपक्ष का सनातन विरोध उसको नुकसान पहुँचाने वाला है। दक्षिण भारत में विपक्ष को ज्यादा फर्क न पड़े लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में विपक्ष को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। हिन्दू जागरण से घबरा कर विपक्ष विपरीत दिशा में भाग रहा है। कभी-कभी अचानक सामने किसी वाहन के आ जाने पर वाहन चालक ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा देते हैं, वैसे ही विपक्ष मोदी ब्रांड से घबरा कर उल्टी दिशा में भागने लगता है।

जी-20 से मोदी ने मोदी ब्रांड और भारत ब्रांड का मिश्रण तैयार कर दिया है। यह तय करना मुश्किल हो रहा है कि मोदी अपना प्रचार कर रहे हैं या देश का प्रचार कर रहे हैं।

उन्होंने इस कार्यक्रम के दौरान भारत को जिस तरह से दुनिया के सामने पेश किया, उससे पूरी दुनिया को भारत की ताकत का एहसास हो गया है। भारत द्वारा इतने बड़े आयोजन को सफलता पूर्वक सम्पन्न करना, देश के प्रत्येक नागरिक के लिये गर्व का विषय है। जी-20 के घोषणापत्र को सभी देशों की सहमति प्राप्त हो गई, जो कि अभी तक किसी भी आयोजन में प्राप्त नहीं हुई थी।

क्या आप भारतीय हैं?

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मैं हैदराबाद एयरपोर्ट पर अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहा था। फ्लाइट थी दो घंटे लेट। आखिरकार दो घंटे बाद फ्लाइट आ ही गई। चेकिन करने का समय आया तो मेरे आगे एक मैडम खड़ी थीं। मैडम पाश्चात्य संस्कृति की ब्रैंड अबासिडर दिख रही थी। ऊपर से भारी-भरकम अंग्रेजी शब्दों का लाग लपेट। जब तक खड़ी रही तब तक किसी से फोन पर अंग्रेजी झाड़े जा रही थीं। मैं ठहरा पक्का हैदराबादी। वह भी पुराने शहर का। उसमें तभी मोगलपुरे का। देश की पूरी लाली मेरे मुँह में दिखती थी। होगी भी क्यों न! साहब पान जो खाता हूँ मैं। वह तो एयरपोर्ट का तामझाम देखकर किसी तरह अपने मुँह पर ताला लगाए बैठे था। अगर बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन होता तो अब तक वो हालत करता कि लाली तेरे लाल की जित देखो तित लाल की तर्ज पर सारा वातावरण लाली से भर देता। बहरहाल चेकिन चल रही थी। टाइट सेक्युरिटी के बीच सबकी जमकर तलाशी ली जा रही थी। मैं अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहा था। चेकिन करने वाले सीआईएसएफ कांस्टेबल ने मेरे आगे खड़ी मैडम से हिंदी में कुछ पूछा। इस पर मैडम ऐसी भड़की मानो किसी ने उनका पर्स छीन लिया हो। मैडम को न जाने क्या हुआ पता नहीं। फर्राटेदार अंग्रेजी में जोर-जोर से बड़बड़ाने और चिल्लाने लगीं- "हाव डेर यू टु आस्क मी इन हिंदी", ""आई विल कंप्लेन अंगेस्ट यू।", "आई विल फायर यू फ्रॉम जॉब", "यू सेंसलेस पिपुल।।" अब मैं ठहरा अंग्रेजी में गुड़गोबर। मुझे न मैडम की बात समझ में आ रही थी और न ही मामला। मैं अपने बाल नोंचने लगा। मुझसे रहा नहीं गया। मैं पास में खड़े सेक्युरिटी वाले से पूछ बैठा – "भाई साहब! यह मैडम इतना क्यों चिल्ला रही हैं? वैसे हुआ क्या है?" सेक्युरिटी गार्ड ने मुझसे कहा - "वह हुआ यूँ कि सीआईएसएफ कांस्टेबल ने मैडम से हिंदी में कुछ पूछ लिया। मैडम ने कहा- "आई डोंट नो हिंदी। प्लीज़ आस्क मी इन इंग्लिश।" इस पर कांस्टेबल ने पूछा- "क्या आप भारतीय हैं?" इतना सुनना था कि मैडम का गुस्सा सातवें आसमान पर। मैडम को लगा कि उनकी भारतीयता को अपमानित किया गया है। इसीलिए मैडम इतनी गुस्से में बड़बड़ा रही हैं।" इस पर मैंने कहा - "अरे साहब! क्या जमाना आ गया देखिए। इतनी-इतनी बातों के लिए ऐसे भला कौन करता है। देखने वाले को भी कितना खराब लगता होगा। कांस्टेबल ने हिंदी में क्या पूछ लिया मैडम ऐसी भड़की जैसे कोई बड़ा अपराध हो गया। अब आप ही बताइए साहब! हिंदी किधर नहीं है? एयरपोर्ट पर हर चीज़ पहले हिंदी में लिखा होता है उसके बाद अंग्रेजी में। उतना क्यों साहब! देश के रुपए-पैसों पर पहले हिंदी में लिखा होता है और बाद में इंग्लिश। इसका मतलब यह तो नहीं कि जिन लोगों को हिंदी पसंद नहीं हैं वे रुपए-पैसे उठाकर फेंक देते हैं? दो शब्द हिंदी में बोल देने से जमीन-जायदाद थोड़ी न कम हो जाएगी! वैसे भी हिंदुस्तान में ऐसा कौन होगा जिसे हिंदी नहीं आती होगी। थोड़ी-बहुत हिंदी तो सभी को आती है।"

इस पर सेक्युरिटी गार्ड ने कहा – "भाषा का झगड़ा जितना हमारे देश की राजनीति में है, उतना लोगों में नहीं है।

विश्व बाज़ार में भारत की प्रतिनिधि 'हिन्दी'

डॉ. अर्पण जैन 'अविचल'

मानक बदल रहे हैं, इमारतों का क़द बढ़ रहा है, सीमाएँ विस्तारित हो रही हैं, आदमी चाँद पर जा रहा है, भारत चाँद के दक्षिण ध्रुव पर पहुँच रहा है, विश्व की प्रगति इतरा रही है, जनसंख्या बढ़ रही है, भाषाओं का फ़लक बदल रहा है, इन सबके बावजूद किसी भाषा के विस्तारित होते दायरे के कारण राष्ट्र के सम्बन्ध मज़बूत और सँवर रहे हैं तो वह भाषा हिन्दी है। क्रिकेट के मैदान से लेकर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की कमान संभाल रहे भारतीय मूल के रहने वाले अथवा नौकरी के लिए उस देश पहुँचे भारतीय भी हर स्थान पर भारत को मज़बूत कर रहे हैं और वे तिरंगे ध्वज और बहुसंख्यकों की मातृभाषा हिन्दी का ही दामन थाम कर चल रहे हैं। यह भी सत्य है कि जो अमृतकाल का भारत बनने जा रहा है, उसके सौष्ठव और आधारभूत ताना-बाना गढ़ने में हिन्दी का अहम योगदान है। आज माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का कर्ज़दार राष्ट्र का प्रत्येक निवासी है और इसी कारण ही राष्ट्रवासी अपने सेवा के भाव को जीवित रखते हैं। हिन्दी न केवल एक भाषा मात्र है बल्कि भारत की सांस्कृतिक अखंडता के परिचय का दूसरा नाम है। 'एक राष्ट्र-एक राष्ट्रभाषा' के सिद्धांत में ही भारत की समस्त सांस्कृतिक अखंडता मूलक समस्याओं का समाधान है। जैसे कि देश में क्षेत्रवाद का हल हिन्दी है, नव त्रिभाषा के सूत्र में एक राष्ट्रभाषा के माध्यम से क्षेत्रवाद की समस्या हल हो सकती है। जातिवाद पर चोट एक राष्ट्रभाषा होने से की जा सकती है, तर्क अनुसार तो जब राष्ट्र की भाषा एक है तो फिर भेद कैसा? एक भाषा-एक राष्ट्र की परिकल्पना का साकार रूप ही समस्या का समाधान है। जब जातिवाद और क्षेत्रवाद समाप्त हो गया, तब तो राष्ट्रीय एकता को अन्यत्र कहीं खतरा नज़र ही नहीं आएगा। इसी तरह हमारे राष्ट्र में संस्कार सिंचन की प्राथमिक पाठशाला बच्चे का घर और परिवार होते हैं। जिस तरह बच्चे की माँ नौ माह अपनी कोख में उस बच्चे को पालती है, अपना दूध पिलाती है, उसका ख़्याल रख कर बड़ा करती है, तब बच्चा माँ और पिता का कर्ज़दार हो जाता है। इसी तरह हमारे यहाँ संस्कारों का ककहरा जिस भाषा में सिखाया जाता है वो है मातृभाषा। और 80 प्रतिशत हिंदुस्तान की मातृभाषा हिन्दी है, इसी के आधार पर हिन्दी का कर्ज़दार भी पूरा देश है क्योंकि यदि संस्कार नहीं होते तो शिक्षित नहीं होते, शिक्षित नहीं होते तो जीवनयापन करने में कठिनाइयाँ आतीं। मतलब साफ़ है कि आपके वर्तमान जीवन के लिए आपके चिंतन के मूल में संस्कार हैं और वे संस्कार आपकी मातृभाषा हिन्दी में ही दिए गए हैं क्योंकि अंग्रेज़ी नस्ल तो हमारे यहाँ पैदा नहीं होती।

जब हम कर्ज़दार हैं हिन्दी भाषा के तो हमारा भी दायित्व उसके प्रति बनता है। वर्तमान में भारत के ही विभिन्न प्रांतों में हिन्दी का महत्त्व नहीं स्वीकारा जा रहा है और उसके गौरव की स्थापना अभी भी अधूरी है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक कर्ज़दार को हिन्दी के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वाहन करना चाहिए। हिन्दी भारत में संवाद की प्रथम कारक है। भाषा का अपना एक महत्त्व है जिसके कारण संवाद का प्रारम्भ होता है और संवाद का पहला कायदा है कि जिन दो व्यक्तियों के बीच संवाद होना है उनकी भाषा का एक होना भी आवश्यक है। जैसे यदि आदमी और कौवे की भाषा अलग–अलग नहीं होती तो शायद भारत के कौवे भी गीता और क़ुरान पढ़ रहे होते। इसलिए संवाद स्थापित करने की पहली शर्त दोनों की भाषा का एक होना है। भाषा से संस्कार ज़िंदा होते हैं, संस्कारों का परिष्कृत स्वरूप ही संस्कृति का परिचय है, रहन-सहन के अतिरिक्त संवाद आवश्यक तत्व है।

देश में एक भाषा की आवश्यकता क्यों है? इसका महत्त्वपूर्ण तर्क इस बात से साबित होता है कि जैसे यदि आप पंजाबी भाषी हैं और आप भारत के एक हिस्से दक्षिण में जाते हैं, और वहाँ की भाषा तमिल, तेलुगु, मलयाली या कन्नड़ है, और आप न तो द्रविड़ भाषाओं को जानते हैं, न ही वे पंजाबी। ऐसी स्थिति में न आप संवाद कर पाएँगे, न ही वो। और संवाद न होने की दशा में समय और कार्य व्यर्थ हो जाएगा। अब ऐसी ही स्थिति में देश के आंतरिक भू भागों पर भी अलग-अलग भाषाओं के होने से समरूपता दृष्टिगोचर नहीं होती। इसलिए कम से कम भारत की एक प्रतिनिधित्व भाषा होनी चाहिए, जिसका देश की अन्य भाषाओं के साथ समन्वय भी हो और वो सम्पूर्ण राष्ट्र में अनिवार्य हो। अब दूसरी महत्त्वपूर्ण बात कि अब इस एक भाषा का चुनाव कैसे हो? इसके लिए इस तर्क को समझना होगा कि किस भाषा का प्रभुत्व जनसंख्याबल के अनुसार अधिक है। हिन्दी भाषा के विकास में संतों, महात्माओं तथा उपदेशकों का योगदान भी कम नहीं आँका जा सकता है क्योंकि वे आम जनता के अत्यंत निकट होते हैं। इनका जनता पर बहुत बड़ा प्रभाव होता है। उत्तर भारत के भक्तिकाल के प्रमुख भक्त कवि सूरदास, तुलसीदास तथा मीराबाई के भजन सामान्य जनता द्वारा रस के साथ गाए जाते हैं।

अमावसु नाम के पितर की वजह से कृष्ण पक्ष की पंद्रहवीं तिथि को कहते हैं अमावस

इस दिन करें नदी स्नान और दान

हिन्दी पंचांग के एक महीने में दो पक्ष होते हैं, एक कृष्ण पक्ष और दूसरों शुक्ल पक्ष। कृष्ण पक्ष की पंद्रहवी तिथि को अमावस कहा जाता है। 14 और 15 सितंबर को भाद्रपद मास की अमावस्या है, इसे कुशग्रहणी अमावस भी कहते हैं। कृष्ण पक्ष की पंद्रहवीं तिथि को एक पितर की वजह से अमावस नाम मिला है। अमावस्या पर पितरों के लिए धूप-ध्यान, देवी-देवता की पूजा के साथ ही दान-पुण्य जरूर करें। जरूरतमंद लोगों को अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल, धन का दान करें।

अमावस्या से जुड़ी एक कथा बताई गई है। कथा ये है कि पुराने समय में एक कन्या ने पितरों को प्रसन्न करने के लिए तप किया था। उस कन्या की तपस्या से पितर देवता प्रसन्न हो गए और उसके सामने प्रकट हुए। उस दिन कृष्ण पक्ष की पंद्रहवी तिथि ही थी। पितरों में एक अमावसु नाम के पितर भी थे, वे दिखने में बहुत सुंदर और आकर्षक थे। जब कन्या ने अमावसु को देखा तो वह मोहित हो गई और उसने अपने वरदान में मांगा कि वह अमावसु से विवाह करना चाहती है।

कन्या भी बहुत सुंदर थी, लेकिन अमावसु ने उससे विवाह करने से मना कर दिया। कन्या ने उन्हें मनाने की बहुत कोशिश की, लेकिन अमावसु नहीं माने। अमावसु के संयम से अन्य सभी पितर बहुत प्रसन्न हो गए और उन्होंने अमावसु को वरदान दिया कि अब से कृष्ण पक्ष की पंद्रहवीं तिथि अमावसु के नाम से ही जानी जाएगी। इस कथा की वजह से हर महीने के कृष्ण पक्ष की पंद्रहवीं तिथि को अमावस, अमावस्या कहा जाने लगा।

चंद्र की सोलहवीं कला है अमा

शास्त्रों में चंद्र की सोलह कलाएं बताई गई हैं और सोलहवीं कला को अमा कहा जाता है। इस तिथि पर सूर्य और चंद्र एक साथ एक ही राशि में स्थित रहते हैं। शास्त्रों में लिखा है कि-

अमा षोडशभागेन देवि प्रोक्ता महाकला।
संस्थिता परमा माया देहिनां देहधारिणी।।

इस श्लोक के अनुसार अमा को चंद्र की महाकला गया है, इसमें चंद्र की सभी सोलह कलाओं की शक्तियां रहती हैं। इस कला का क्षय और उदय नहीं होता है।

अमावस्या पर पितरों के लिए जलाएं धूप-दीप

अमावस्या तिथि के स्वामी पितृदेव माने गए हैं। इसलिए अमावस्या पर पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, श्राद्ध कर्म और, धूप-ध्यान और दान-पुण्य करने का महत्व है। अमावस्या पर किसी पवित्र नदी में स्नान करने की परंपरा है। इस दिन मंत्र जाप, तप और व्रत करने की परंपरा है। सुबह स्नान के बाद सूर्यदेव को जल चढ़ाएं और ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जाप करें। इस दिन शिव मंदिर जाएं और तांबे के लोटे में जल भरकर अभिषेक करें। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। इस दिन हनुमानजी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

पितृ पक्ष शुरू होने से पहले फटाफट निपटा लें ये काम

पितृ पक्ष शुरू होने से पहले फटाफट निपटा लें ये काम, वरना फिर करना होगा इंतजार

इस बार पितृ पक्ष का आरम्भ 29 सितंबर से होने जा रहा है तथा इनका समापन 14 अक्टूबर को होने जा रहा है। हिंदू पंचांग के मुताबिक, पितृ पक्ष की शुरुआत भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि से होती है। पितृ पक्ष में पितरों की सेवा की जाती है तथा पिंडदान किया जाता है। मान्यता के मुताबिक, पितृ पक्ष की 16 दिन की अवधि में सभी शुभ कार्यों पर रोक लग जाती है, उन्हें करना बेहद अशुभ माना जाता है।

इसलिए, ज्योतिषियों के अनुसार, पितृ पक्ष से पहले कुछ विशेष काम निपटा लें। वरना पितृ पक्ष के 16 दिनों तक अवसर नहीं प्राप्त होगा। पितृ पक्ष के चलते नए वस्त्र खरीदना वर्जित माना जाता है। बल्कि, पितृ पक्ष के चलते वस्त्रों का दान करना चाहिए। इसलिए, नई चीजों की खरीदारी पितृ पक्ष से पहले ही कर लें। अगर आप किसी दुकान या बिजनेस की शुरुआत करना चाहते हैं तो यह शुभ कार्य पितृ पक्ष से पहले ही कर दें।

पितृ पक्ष के चलते पूजा करने की कोई खास विधि या कोई शुभ मुहूर्त नहीं होता। इसलिए, कोई विशेष पूजा करवानी है तो पितृ पक्ष से पहले ही करवा लें। 29 सितंबर से पहले विवाह जैसा कोई शुभ अनुष्ठान किया जा सकता है। किन्तु, उसके लिए भी आपको कोई शुभ मुहूर्त ही होना चाहिए। अगर पितृ पक्ष से पहले आप ये कार्य नहीं कर पाते हैं तो आपको पितृ पक्ष के समापन की प्रतीक्षा करना होगी।

भाद्रपद की अमावस्या पर घर ले आएं ये चीजें

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को बहुत अहम माना जाता है। इस दिन लोग पवित्र नदियों में स्नान करते हैं तथा दान का खास महत्व है। भाद्रपद अमावस्या 14 सितंबर को प्रातः 04 बजकर 48 मिनट से लगेगी तथा समापन 15 सितंबर प्रातः 07 बजकर 09 मिनट तक होगा। इस दिन स्नान और दान करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे शुभ रहेगा। इसके साथ ही भाद्रपद की अमावस्या वाले दिन साध्य योग तथा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र का खास संयोग भी बनने जा रहा है। ज्योतिषियों के अनुसार, भाद्रपद की अमावस्या पर कुछ चीजें घर लाना बेहद शुभ माना जा रहा है। तो आइए बताते हैं उन चीजों के बारे में।

* भाद्रपद की अमावस्या के दिन कछुआ घर ले आएं तथा घर लाने के पश्चात उसकी विधिवत उपासना करें। कछुए को घर की उत्तर दिशा में स्थापितक करना शुभ माना जाता है।
* सनातन धर्म में स्वास्तिक बेहद शुभ माना जाता है। दरअसल, स्वास्तिक का प्रयोग पूजा पाठ में किया जाता है। कहते हैं कि घर के प्रवेश द्वार पर स्वास्तिक बनाना अच्छा होता है। इसलिए, इस दिन चांदी का स्वास्तिक घर अवश्य लाएं।
* अमावस्या के दिन यदि आप घर में एकाक्षी नारियल लाते हैं तो माता लक्ष्मी जल्द प्रसन्न होती हैं।

जिस घर में नारियल रहता है वहां देवी मां लक्ष्मी वास करती है।

* भाद्रपद अमावस्या के दिन कुशा घास लाना बहुत लाभदायी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कुश के प्रयोग से सभी धार्मिक कार्य पूर्ण हो जाते हैं।
* अमावस्या के दिन घर में श्री यंत्र अवश्य लेकर आना चाहिए। कहते हैं कि श्री यंत्र में धन की देवी माता लक्ष्मी का वास होता है। घर में श्री यंत्र स्थापित करने से आय और सौभाग्य में बढ़ोतरी होती है। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

आज ही हटाएँ घर से ये 5 चीजें डालती है अशुभ प्रभाव

दुनिया भर में कई संस्कृतियों का मानना है कि जो वस्तुएं हम अपने घरों में रखते हैं, उनका हमारे जीवन और भाग्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। जबकि कुछ लोग इसे अंधविश्वास का मामला मान सकते हैं, दूसरों का मानना है कि यह ऊर्जा और वाइब्स का प्रतिबिंब है जो कुछ वस्तुएं हमारे रहने की जगह में ला सकती हैं। इस लेख में, हम उन पांच वस्तुओं के बारे में बताएंगे जिन्हें अक्सर आपके घर में रखना अशुभ माना जाता है। चाहे आप इन मान्यताओं पर विश्वास करें या न करें, हमारे रहने के वातावरण में ऊर्जा और सकारात्मकता पर विभिन्न सांस्कृतिक दृष्टिकोणों के बारे में सीखना हमेशा दिलचस्प होता है।

कांटेदार कांटों वाला कैक्टस

घरों में हरियाली और सुंदरता का स्पर्श जोड़ने के लिए इनडोर पौधे एक आम पसंद हैं। हालाँकि, एक पौधा है जिसके बारे में माना जाता है कि यह आपके रहने की जगह में नकारात्मक ऊर्जा लाता है - नुकीले कांटों वाला कैक्टस। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार सलाह दी जाती है कि अपने घर में कैक्टस का पौधा न रखें। जैसे-जैसे पौधा बढ़ता है, इसके कांटे बढ़ते हैं, और ऐसा माना जाता है कि यह आपके जीवन में नकारात्मक ऊर्जा और परेशानियां लाता है। यदि आपके घर में कैक्टस है, तो अधिक सकारात्मक माहौल बनाए रखने के लिए इसे हटाने की सिफारिश की जाती है।

जमा किये गये पुराने अखबार और कबाड़

कुछ घरों में यह असामान्य बात नहीं है कि वे पुराने अखबारों, पत्रिकाओं और रद्दी वस्तुओं को यह सोचकर संग्रहित करते हैं कि वे किसी दिन काम आ सकते हैं। हालाँकि, वास्तु के दृष्टिकोण से, पुराने अखबारों का ढेर और कूड़ा-करकट रखना आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित कर सकता है। इन वस्तुओं पर धूल और गंदगी जमा हो सकती है, जिससे ऐसा वातावरण बनता है जो आपके परिवार में नकारात्मक भावनाएं और कलह लाता है। सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए सलाह दी जाती है कि पुराने अखबारों और अनावश्यक कबाड़ को नियमित रूप से साफ करें और हटा दें।

टूटा हुआ या अटका हुआ ताला

वास्तु शास्त्र में, अपने घर में टूटे हुए या फंसे हुए ताले रखने की सख्त मनाही की जाती है। ताले सुरक्षा और संरक्षण का प्रतीक हैं। खराब या अटका हुआ ताला आपके जीवन में बाधाओं और रुकावटों के संकेत के रूप में देखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसे ताले करियर की प्रगति को अवरुद्ध कर सकते हैं और व्यक्तिगत विकास में बाधा डाल सकते हैं। इन नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए, खराब तालों की तुरंत मरम्मत या बदलने की सिफारिश की जाती है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि आपके घर के सभी दरवाजे सुचारू रूप से खुले और बंद हों।

काम न करने वाली या बंद घड़ियाँ

घड़ियाँ केवल समय निर्धारित करने वाले उपकरणों से कहीं अधिक हैं; वे समय के प्रवाह और जीवन में प्रगति का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। वास्तु में घर में बंद या बंद घड़ियों को रखना अशुभ माना जाता है। रुकी हुई घड़ी ठहराव का प्रतीक है और इसे जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रगति की कमी से जोड़ा जा सकता है। सकारात्मक माहौल बनाए रखने के लिए, यह सुनिश्चित करना उचित है कि आपके घर की सभी घड़ियाँ काम कर रही हैं और समय बीतने को सटीक रूप से दर्शाती हैं।

देवी-देवताओं की पुरानी या टूटी हुई मूर्तियाँ

जो लोग धार्मिक प्रथाओं का पालन करते हैं और अपने घरों में देवी-देवताओं की मूर्तियाँ या मूर्तियाँ रखते हैं, उनके लिए इन अभ्यावेदनों को ठीक से बनाए रखना आवश्यक है। माना जाता है कि देवी-देवताओं की पुरानी या टूटी हुई मूर्तियाँ नकारात्मक ऊर्जा ले जाती हैं और आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बाधित कर सकती हैं।

आध्यात्मिक रूप से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए देवी-देवताओं की क्षतिग्रस्त या पुरानी मूर्तियों को समय-समय पर साफ करने और बदलने की सलाह दी जाती है।

हालाँकि ये मान्यताएँ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में निहित हैं, लेकिन यह याद रखना आवश्यक है कि हमारे घरों में सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा हमारे विचारों, कार्यों और दूसरों के साथ बातचीत सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है। चाहे आप इन मान्यताओं का पालन करें या न करें, एक स्वच्छ, व्यवस्थित और सामंजस्यपूर्ण रहने की जगह बनाए रखना आपके और आपके परिवार के लिए अधिक सकारात्मक और शांतिपूर्ण वातावरण में योगदान दे सकता है। इसलिए, हालांकि इन सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्यों का पता लगाना दिलचस्प है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण पहलू एक ऐसा घर बनाना है जो आपके जीवन में खुशी और संतुष्टि लाए।

भूल से भी न करें इन 7 लोगों का अपमान
भागवत गीता में भी है इस बात का जिक्र

भगवद गीता की पवित्र शिक्षाओं में, भगवान कृष्ण जीवन के विभिन्न पहलुओं पर गहन ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। भगवान द्वारा साझा की गई मूल्यवान शिक्षाओं में, कुछ व्यक्तियों का अपमान करने से परहेज करने का एक स्पष्ट संदेश है। इस लेख में, हम उन सात व्यक्तियों के बारे में जानेंगे जिनका अपमान कभी नहीं करना चाहिए, जैसा कि भगवान कृष्ण ने सलाह दी थी।

भगवत गीता का दिव्य संदेश

भगवद गीता, जिसे अक्सर गीता भी कहा जाता है, एक 700 श्लोक वाला हिंदू धर्मग्रंथ है जो भारतीय महाकाव्य महाभारत का हिस्सा है। इसमें राजकुमार अर्जुन और भगवान कृष्ण के बीच बातचीत शामिल है, जो उनके सारथी और आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं।

सम्मान और करुणा का महत्व

भगवद गीता में केंद्रीय विषयों में से एक सभी जीवित प्राणियों के प्रति सम्मान और करुणा का महत्व है। भगवान कृष्ण इस बात पर जोर देते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति सम्मान और दयालुता के साथ व्यवहार करने का हकदार है।

सात व्यक्तियों का अपमान नहीं करना चाहिए

भगवान कृष्ण ने विशेष रूप से सात प्रकार के व्यक्तियों का उल्लेख किया है जिनका कभी अपमान नहीं करना चाहिए। ये शिक्षाएं लोगों के बीच सद्भाव, सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने के लिए हैं।

सात व्यक्ति

अब, आइए उन सात व्यक्तियों के बारे में जानें जो हमारे सम्मान के पात्र हैं और भगवान कृष्ण की शिक्षाओं के अनुसार उनका अपमान नहीं किया जाना चाहिए।

1. माता-पिता

माता-पिता ही हैं जो हमें जीवन देते हैं और प्यार और देखभाल से हमारा पालन-पोषण करते हैं। उनका अपमान करना कृतज्ञता और श्रद्धा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है।

2. शिक्षक और गुरु

शिक्षक और गुरु ज्ञान और ज्ञान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका अनादर करने से हमारा अपना आध्यात्मिक और बौद्धिक विकास बाधित हो सकता है।

3. बुजुर्ग

हमारे समाज के बुजुर्गों के पास ज्ञान और अनुभव है जिससे हम सीख सकते हैं। उनका तिरस्कार करना कृतघ्नता एवं अज्ञानता का प्रतीक है।

4. मेहमान

हिंदू संस्कृति में मेहमानों को परमात्मा का स्वरूप माना जाता है। किसी अतिथि का अपमान करना एक गंभीर अपराध है क्योंकि यह आतिथ्यहीनता को दर्शाता है।

5. भगवान के भक्त

जो लोग अपना जीवन भगवान की सेवा में समर्पित करते हैं वे हमारे सम्मान के पात्र हैं। उनकी भक्ति की आलोचना करना आध्यात्मिकता की भावना के विपरीत है।

6. साधु और तपस्वी

साधु और सन्यासी आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग करते हैं। उनकी कठोर जीवनशैली का मज़ाक उड़ाना अपमानजनक है।

7. संकट में कोई भी

भगवान कृष्ण इस बात पर जोर देते हैं कि संकट में पड़े किसी भी व्यक्ति का अपमान करना करुणा और सहानुभूति का गहरा उल्लंघन है। इसके बजाय, हमें सहायता और समर्थन देना चाहिए।

अपमान का परिणाम

भगवान कृष्ण चेतावनी देते हैं कि इन व्यक्तियों का अपमान करने से इस जीवन और उसके बाद के जीवन में नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप पुण्य और आध्यात्मिक विकास की हानि हो सकती है। भगवद गीता में, भगवान कृष्ण दूसरों के प्रति करुणा और सम्मान से भरा जीवन जीने के बारे में अमूल्य ज्ञान प्रदान करते हैं। उल्लिखित सात व्यक्तियों का अपमान करने से बचकर, हम अधिक सामंजस्यपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से पूर्ण अस्तित्व विकसित कर सकते हैं। याद रखें, ये शिक्षाएँ हमें हर किसी के साथ दयालुता और सहानुभूति के साथ व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, एक ऐसी दुनिया को बढ़ावा देती हैं जहाँ प्यार और समझ कायम हो।

छुट्टियां एंजॉय करने अमेरिका गए हैं धर्मेंद्र

ट्रीटमेंट की खबरों के बीच शेयर किया ये वीडियो

कई बार जाने- अनजाने में कुछ ऐसी खबरें वायरल हो जाती है जो बिल्कुल भी सच नहीं होती है। हालांकि लोग इस तरह की खबरों पर विश्वाश भी कर लेते हैं। ही मैन धर्मेंद्र को लेकर भी इन दिनों कुछ ऐसा ही चल रहा है, पिछले कुछ समय से यह खबरें सामने आ रही थी कि तबीयत ठीक ना होने के चलते धर्मेंद्र को अमेरिका ले जाया गया है जहां उनका ट्रीटमेंट चल रहा है। अब सनी देओल ने एक वीडियो शेयर कर सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया।

जहां एक तरफ बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' को बेहद सफलता मिल रही है तो वहीं दूसरी तरफ खबरें आने लगी कि 87 वर्षीय धर्मेंद्र ठीक नहीं है जिसके चलते उन्हें देश से बाहर ले जाना पड़ा, ऐसे में लोग एक्टर के जल्द ठीक होने की कामना करने लगे। हालांकि यह खबरें झूठी निकली।

इसी बीच धर्मेंद्र ने अमेरिका से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह घर में सोफे पर बैठे हुए डॉगी के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा- , 'दोस्तों, बहुत लंबे समय बाद अमेरिका में एक छोटा सा हॉलिडे मनाने आया हूं। मैं जल्द वापस आकर अपनी नई फिल्म की शूटिंग करूंगा। इस प्यारे से जानवर को मुझसे प्यार हो गया है।'

दरसअल सनी देओल अपने माता-पिता धर्मेंद्र और प्रकाश कौर को छुट्टियों पर अमेरिका ले गए हैं। तीनों 15-20 दिनों की छुट्टी पर अभिनेता की बहनों विजेता और अजीता से मिलने के लिए रवाना हुए हैं, जो लॉस एंजेलिस में रहती हैं। बताया जा रहा है कि सनी के भाई बॉबी देओल अपनी प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के कारण उनके साथ नहीं जा सके।

बता दें कि एक खबर में यह दावा किया गया था कि-धरम सर वर्तमान में 87 वर्ष के हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं, इसलिए आगे के इलाज के लिए सनी ने अपने पिता के साथ यूएसए जाने का फैसला किया है। वे 15-20 दिनों या जब तक इलाज चलेगा, तब तक अमेरिका में रहेंगे। इसमें चिंता करने वाली कोई बात नहीं है। अब धर्मेंद्र की वीडियो सामने आने के बाद यह साफ हो गया है कि वह बिल्कुल ठीक हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने मुंबई में खरीदा नया अपार्टमेंट

11 करोड़ रुपए है कीमत, एक्ट्रेस के घर से दिखता है समुद्र का व्यू

सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में मुंबई की आलीशान बिल्डिंग में नया घर खरीदा है। एक्ट्रेस के इस नए आशियाने की कीमत तकरीबन 11 करोड़ रुपए बताई जा रही है। सोनाक्षी का यह घर बांद्रा के केसी रोड पास स्थित 81 ऑरियट बिल्डिंग के सबसे ऊपरी फ्लोर पर है।

रियल एस्टेट से जुड़ी वेबसाइट जैपकी के जरिए मिले डॉक्यूमेंट के मुताबिक सोनाक्षी का नया आशियाना 2208.7 वर्ग स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। एक्ट्रेस ने 29 अगस्त को अपने इस नए घर की रजिस्ट्री कराई है। इसके लिए उन्होंने 55 लाख की स्टैम्प ड्यूटी और 30 हजार का प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन भी दिया है।

सोनाक्षी के घर से दिखता है समंदर का नजारा

एक्ट्रेस के इस घर में लॉबी, टायलेट और एयर हैंडलिंग यूनिट जैसी सुविधाएं हैं। इसके अलावा सोनाक्षी को बिल्डिंग में 4 कार पार्किंग भी मिली है। डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक सोनाक्षी के घर में 1,653,67 वर्ग फुट की छत भी है। एक्ट्रेस के इस नए घर से माहिम बे(माहिम का खाड़ी) और बांद्रा वर्ली सी लिंक का व्यू दिखाई देता है। इससे पहले सोनाक्षी ने मार्च 2020 में बांद्रा में ही अपना पहला अपार्टमेंट खरीदा था, जिसकी कीमत तकरीबन 14 करोड़ थी।

सोनाक्षी से पहले एक्टर अर्जुन कपूर ने इस टावर के 19वीं मंजिल पर अपार्टमेंट खरीदा था, लेकिन उन्होंने इसे मई 2022 में 16 करोड़ रुपए में बेच दिया गया था। उनकी गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा ने भी इस बिल्डिंग में 14.5 करोड़ रुपए में एक अपार्टमेंट बुक किया था। बिग बॉस स्टार करण कुंद्रा एक ने भी 2022 में 14 करोड़ रुपए में इसी टावर में अपार्टमेंट खरीदा था।

वेलकम-3 में कास्ट ना होने पर बोले नाना पाटेकर

शायद उन्हें लगा मैं बूढ़ा हो गया हूं, कहा- बॉलीवुड इंडस्ट्री कभी मेरे क्लोज नहीं थी

नाना पटेकर नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री की अगली फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' में नजर आएंगे। हाल ही में इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर पहुंचे नाना ने मीडिया ने बातचीत की। इस मौके पर एक्टर ने 6 साल बाद अपने कमबैक और 'वेलकम-3' का हिस्सा ना बनने पर बात की।

इवेंट में जब नाना से उनके कमबैक पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री कभी मेरे क्लोज नहीं थी। यह कभी आपके मुंह पर दरवाजा बंद नहीं करती। अगर आप अच्छा काम करना चाहते हैं तो लोग आपके पास आएंगे और आपको काम देंगे। यह आपको तय करना है कि आपको वो काम करना है या नहीं। मुझे लगता है कि यह मेरा पहला और आखिरी मौका है और उतनी ही जान डालनी चाहिए उसमें। यहां सबको काम मिलता है। काम लेना या ना लेना आपकी मर्जी है।'

विवेक को नहीं लगता कि मैं बूढ़ा हूं

वहीं वेलकम सीरीज की तीसरी फिल्म में कास्ट ना किए जाने पर नाना बोले, 'मैं इसका हिस्सा नहीं हूं। शायद मेकर्स को लगा होगा कि मैं बहुत बूढ़ा हो चुका हूं। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री को ऐसा नहीं लगा और उन्होंने मुझे अपनी फिल्म (द वैक्सीन वॉर) में कास्ट कर लिया।' नाना ने वेलकम सीरीज के पिछले दोनों पार्ट में डॉन उदय शेट्टी का रोल प्ले किया था। 'वेलकम-3 वेलकम टू द जंगल की अनाउंसमेंट अक्षय कुमार ने 9 सितंबर को अपने जन्मदिन पर की थी। 25 मुख्य कलाकारों से सजी यह फिल्म अगले साल क्रिसमस पर रिलीज होगी। इसमें अक्षय के अलावा संजय दत्त, सुनील शेट्टी, परेश रावल, रवीना टंडन और दिशा पाटनी समेत कई बड़े कलाकार नजर आएंगे।

साल 2018 में रिलीज हुई रजनीकांत स्टारर 'काला' नाना की आखिरी फिल्म थी। इस फिल्म के बाद उनकी दो फिल्में रिलीज हुईं पर इन्हें वो काफी पहले शूट कर चुके थे।

इसी साल एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने मीटू मूवमेंट के तहत नाना पर सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। इसके बाद नाना को इंडस्ट्री से साइड लाइन कर दिया गया था।

'द वैक्सीन वॉर' में साइंटेस्ट के रोल में होंगे नाना

विवेक अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज हुआ। 28 सितंबर को रिलीज होने जा रही इस फिल्म में नाना पाटेकर, अनुपम खेर, पल्लवी जोशी और सप्तमी गौड़ा लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में नाना कोविड-19 की स्वदेशी वैक्सीन बनाने वाले साइंटिस्ट्स की टीम के हेड बने हैं।

फिल्मों से ज्यादा पॉपुलैरिटी मुझे बिग ब्रदर से मिली : शिल्पा शेट्टी बोलीं- शो ने मुझे इंडिपेंडेंट रहना सिखाया

शिल्पा शेट्टी की अगली फिल्म 'सुखी' है। एक्ट्रेस इन दिनों इस फिल्म के प्रमोशन पर बिजी हैं। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपने करियर में ब्रिटिश रियलिटी टीवी शो 'बिग ब्रदर' की अहमियत पर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि कैसे इस शो ने उन्हें इंडिपेंडेंट बनाया। 90 के दशक में भले ही शिल्पा की कई फिल्में हिट रही हों पर उन्हें कभी भी टॉप एक्ट्रेस का दर्जा नहीं मिला। हालांकि, 2007 में ब्रिटिश रियलिटी टीवी शो 'बिग ब्रदर' की विजेता बनने के बाद उनकी लाइफ में बहुत बड़ा चेंज आया। एक इंटरव्यू में शिल्पा ने कहा, 'इस शो ने मुझे फिल्मों से ज्यादा पॉपुलैरिटी दी। मेरा मानना है कि यहीं से मेरे करियर को पोएटिक जस्टिस मिला। कई ऐसे एक्टर्स हैं जिन्हें फिल्मों से भी वो पॉपुलैरिटी नहीं मिली, जो मुझे इस शो से मिल गई। यह मेरे लिए लाइफ चेंजिंग शो रहा।' इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इस शो के बाद उन्होंने लाइफ में इंडिपेंडेंट रहना सीखा, वर्ना इससे पहले तो उनकी मां हर वक्त उनके साथ रहती थीं। शिल्पा ने कहा, 'यह मेरे लिए काफी मुश्किल था क्योंकि तब तक मैं काफी प्रोटेक्टेड रहती थी। मेरे आउटडोर शूट्स पर मेरी मां अक्सर मेरे साथ जाया करती थी। यह कंडीशन मेरे पापा ने ही लगाई थी। बिग ब्रदर के बाद ही मैंने इंडिपेंडेंट रहना सीखा था।' सोनल जोशी निर्देशित यह फिल्म हल्के-फुल्के अंदाज में वुमन एम्पॉवरमेंट की बात करती है। इसमें शिल्पा के अलावा अमित साध, कुशा कपिला और पवलीन गुलाटी जैसे कलाकार नजर आएंगे।

मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी की रिलीज के बाद अनुष्का ने की खास घोषणा, सोशल मीडिया पर किया साझा

साउथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी' में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म का टेलर रिलीज हुआ था, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया। अनुष्का फिलहाल फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं।

अभिनेत्री को 'बाहुबली' फ्रैंचाइजी में उनके प्रदर्शन के लिए दुनिया भर में प्रशंसा मिली। अब फैंस उनकी अगली फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी' रिलीज हो गई है। इस बीच अनुष्का ने एक बड़ी घोषणा की है।

शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी को लेकर अनुष्का ने की घोषणा

अनुष्का की फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी जवान के साथ रिलीज हुई है। इसके बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल साबित हुई है। इस बीच अनुष्का ने फिल्म को लेकर एक बड़ी घोषणा की है। अनुष्का ने कहा, अनुष्का की फिल्म तेलुगु भाषी क्षेत्रों में दर्शकों और बॉक्स ऑफिस दोनों के बीच अपनी अलग जगह बनाने में कामयाब रही है। हास्य और रोमांस के मिश्रण के अलावा, यह फिल्म नारीवाद और एकल मातृत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डालती है।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की महिलाओं के लिए होगा शो

अनुष्का ने घोषणा की है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में एक शो की घोषणा की है,जो विशेष रूप से दोनों राज्यों की महिलाओं को समर्पित है।

उन्होंने लिखा, "एमएस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी के प्रति आपका सारा प्यार और प्रतिक्रिया देखकर दिल खुश हो गया है।

हमारे लिए वह दुनिया है। इसका जश्न मनाने के लिए, हम आंध्र प्रदेश/तेलंगाना में महिलाओं के लिए इस गुरुवार को एक विशेष सुबह के शो का आयोजन कर रहे हैं। आप सभी से थिएटर में मुलाकात होगी।

वह आतंक का समर्थन करते हैं.., कश्मीर फाइल्स को बुरा कहने पर विवेक की नसीरुद्दीन शाह को दो टूक

नसीरुद्दीन शाह ने हाल ही में एक बयान दिया है, जिसको लेकर वह चर्चा में हैं। उन्होंने कहा है कि वह द कश्मीर फाइल्स, द केरल स्टोरी और गदर 2 जैसी फिल्मों की लोकप्रियता से परेशान हैं। सिर्फ इतना ही नहीं एक्टर का दावा है कि कुछ फिल्म निर्माता फिल्मों को खराब कर रहे हैं। अब विवेक अग्निहोत्री ने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह पर पलटवार किया है। विवेक अग्निहोत्री ने नसीरुद्दीन शाह को लेकर कहा है कि वह सिर्फ निगेटिव ही सोचते हैं और नेगेटिव ही देखते हैं इसलिए उनको यह फिल्म पसंद नहीं आई है। इसके अलावा विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि वह जानते हैं कि नसीरुद्दीन शाह ऐसे बयान क्यों देते हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान विवेक अग्निहोत्री ने कहा, 'मैं नसीर साहब का बहुत बड़ा फैंस हूं, इसीलिए मैंने उन्हें द ताशकंद फाइल्स में कास्ट किया था। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह बूढ़े क्यों हो गए हैं और अगर ऐसा है तो मैं कुछ भी नहीं कहना चाहिए। कभी-कभी, लोग कई चीजों से निराश होते हैं, या शायद उन्हें लगता है कि द कश्मीर फाइल्स की सच्चाई से उनका पर्दाफाश हो रहा है, उनके बारे में कुछ बातें सामने आ रही हैं। आमतौर पर लोगों को लोगों के सामने किसी और की कला के माध्यम से नग्न होना पसंद नहीं है। नसीरुद्दीन जी जो कहते रहते हैं उसमें कुछ तो गड़बड़ है, कुछ सही नहीं है।

विवेक अग्निहोत्री ने कहा, 'मेरा मतलब है कि वह ऐसी फिल्में करके खुश हैं जो नरसंहार का समर्थन

करती हैं, उन्होंने ऐसी फिल्मों में काम किया है जो नरसंहार का समर्थन करती हैं, शायद उन्होंने अपने धर्म के कारण या अपनी हताशा के कारण ऐसा किया है। जो भी कारण हो, शायद वह आतंकवादियों का समर्थन करना पसंद करते हैं। मुझे इसकी भी परवाह नहीं है कि नसीर क्या कहते हैं, क्योंकि मैं आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता हूं, शायद वह उनसे प्यार करते हैं, और मुझे इसकी परवाह नहीं है।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो नसीरुद्दीन शाह अगली बार विशाल भारद्वाज की फिल्म चार्ली चोपड़ा में नजर आएंगे। सोनी लिव ओरिजिनल सीरीज में नसीरुद्दीन के साथ उनकी पत्नी रत्ना पाठक शाह और उनके दो बेटे विवान शाह और इमाद शाह भी नजर आएंगे।

वहीं विवेक अग्निहोत्री की बात करें तो वह 28 सितंबर को अपनी आगामी फिल्म द वैक्सीन वॉर की रिलीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। इसे भारत की पहली बायो-साइंस फिल्म माना जाता है, इसमें नाना पाटेकर वैज्ञानिकों के प्रमुख की भूमिका में हैं। फिल्म में अनुपम खेर, राइमा सेन, सप्तमी गौड़ा और पल्लवी जोशी भी अहम भूमिका में हैं।

लिएंडर पेस से रहा अफेयर, एक्सीडेंट में चेहरा खराब, सर्जरी कर निकाले थे 65 कांच

शाहरुख खान के साथ शोमैन सुभाष घई की फिल्म परदेस से रुपहले पर्दे पर डेब्यू करने वाली महिमा चौधरी का आज जन्मदिन है। जब परदेस थिएटर में आई तो महिमा की मुस्कुराहट ने उन्हें नेशनल क्रश का तमगा दिला दिया था। इसके बाद दाग जैसी फिल्मों में भी वो सराही गईं। हालांकि एक एक्सीडेंट ने उन्हें फिल्मों से कुछ दिनों के लिए दूर कर दिया था।

पर्सनल लाइफ भी दुखों से घिरी रही। तलाक और मिसकैरेज का दुख झेलना पड़ा। फिर भी हार नहीं मानी, आगे बढ़ती गईं।

असली नाम रितु चौधरी, सुभाष घई के कहने पर नाम बदला

फिल्मों में आने से पहले उनका नाम रितु चौधरी था। इंडस्ट्री में आने के बाद सुभाष घई के कहने पर उन्होंने अपना नाम महिमा चौधरी रख लिया था। सुभाष घई का मानना था कि M नाम की एक्ट्रेसेस उनकी फिल्मों के लिए लकी होती हैं।

महिमा शुरुआत में स्पोर्ट्स में बहुत अच्छी थीं। पिता को लगता था कि वो बड़ी होकर स्पोर्ट्सपर्सन या आर्मी में जाएंगी, मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

16-17 साल की उम्र में महिमा का मन फिल्मों में बस लगने लगा। वो फिल्मी दुनिया के सपने देखने लगीं। फिल्मों से उन्हें इतना प्यार हो गया है कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के बारे में सोचा। जब ये बात उनके पिता को पता चली तो वो काफी नाराज हुए। हालांकि इस समय महिमा को उनकी मां ने पूरा सपोर्ट किया। कई रिपोर्ट्स का दावा है कि महिमा के इस फैसले से नाराज होकर पिता ने उनसे लगभग 1 साल तक बात नहीं की थी।

पहली ऐड में आमिर और ऐश्वर्या के साथ काम किया

एक्टिंग में आने के लिए महिमा ने मॉडलिंग का सहारा लिया। पहला ऐड उन्होंने पेप्सी का किया था। इस ऐड में वो ऐसी मॉडल थी जो दिल्ली से सिलेक्ट हुई थीं और आमिर-ऐश्वर्या को मुंबई से सिलेक्ट किया गया था। ये उस समय का काफी फेमस ऐड में से एक था और उस समय के सभी क्रिकेट मैच के बीच में ऐड को दिखाया जाता था।

फिल्म ठुकराई तो मणिरत्नम खफा हुए

इस ऐड के तुरंत बाद ही उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। मणिरत्नम ने भी उन्हें एक फिल्म ऑफर की थी। इसके लिए महिमा ने ऑडिशन दिया था और उनका सिलेक्शन भी हो गया। मगर उन्होंने बाद में मना कर दिया था। वो इस ऐड के बाद तुरंत बाद फिल्मों में काम नहीं चाहती थीं, उस समय उनके पास कॉन्फिडेंस की बहुत कमी थी। इस बात से मणिरत्नम उनसे बहुत खफा हो गए। उन्होंने कहा था, अगर आप को हमारे साथ काम नहीं करना था, तो आपने मेरा इतना टाइम क्यों बर्बाद किया।

इसके बाद उन्होंने वीडियो जॉकी के तौर पर चैनल V के लिए काम किया। वो इस चैनल के पॉपुलर शो पब्लिक डिमांड को बतौर वीजे होस्ट करती थीं। कुछ समय बीत जाने पर उन्होंने ये काम करना छोड़ दिया था क्योंकि वो आगे लाइफ में बतौर वीजे नहीं, बल्कि बतौर एक्ट्रेस काम करना चाहती थीं।

फिल्म इंडस्ट्री में मिला पहला धोखा

वीजे का काम छोड़ने के बाद महिमा एक साबुन ऐड में दिखी थीं। ऐड में उनका काम देखने के बाद सुभाष घई और विधु विनोद चोपड़ा ने उन्हें फिल्म ऑफर की थी। विधु ने उनके अपोजिट बॉबी देओल को कास्ट किया था। इसके लिए महिमा ने ट्रेनिंग भी लेनी शुरू कर दी थी। कई इंटरव्यू में उन्होंने इस प्रोजेक्ट का खुलासा भी कर दिया था, मगर शूटिंग शुरू होने से पहले ही उन्हें रिप्लेस कर दिया गया। वहीं महिमा को इस बात की खबर भी नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट्स से उन्हें रिप्लेसमेंट की खबर पता चली थी।

फिल्म परदेस से एक्टिंग डेब्यू किया

सुभाष घई अपने वादे के पक्के रहे। उन्होंने महिमा से किया अपना वादा निभाया। महिमा के पास फिल्म परदेस के लिए ऑडिशन का कॉल आया। उन्होंने ये ऑडिशन दिया और सिलेक्ट भी हो गईं। पहली हिट फिल्म देने के बाद उनकी दूसरी फिल्म दाग रिलीज हुई और ये भी हिट रही।

एक्सीडेंट में चेहरा हुआ खराब, सर्जरी कर 65 कांच निकाले गए

दूसरी फिल्म की सफलता के बाद महिमा प्रकाश झा के साथ अजय देवगन प्रोडक्शन की फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग में बिजी हो गई थीं। किस्सा शूटिंग के लास्ट दिन का है। महिमा अपने होटल से शूटिंग लोकेशन के निकली थीं, तभी गलत

डायरेक्शन से आ रहे दूध के टैंकर से लदे ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतना जोरदार था कि कांच के टुकड़े गोलियों की रफ्तार से उनके चेहरे पर जा लगीं।

घटना के तुरंत बाद ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने के कुछ बाद समय सबसे पहली उनकी मां और अजय देवगन पहुंचे थे। उनकी सर्जरी हुई, जिसमें 65 कांच के टुकड़े उनके चेहरे से निकाले गए। डॉक्टर ने उन्हें सलाह दी थी कि वो शीशे में अपना चेहरा ना देखें। इस हादसे से महिमा पूरी तरह से टूट गई थीं। उन्हें डर सताने लगा था कि इस कारण उनका करियर खराब हो जाएगा। हालांकि ऐसा हुआ नहीं।

महिमा ने एक इंटरव्यू में कहा था, इस हादसे के बाद मैंने फिल्मी दुनिया से लंबा ब्रेक लिया, पर मैंने वो फिल्म पूरी की थी। एक्सीडेंट के बाद मेरे कॉन्फिडेंस में थोड़ी कमी आई थी, पर मैंने हार नहीं मानी। ठीक होने के बाद मैंने धड़कन, बागबान जैसे सुपरहिट फिल्में कीं। इसके बाद मैंने मेरी शादी और बच्चा होने तक फिल्मों में काम किया।

टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस के साथ रहा अफेयर

महिमा का पर्सनल लाइफ भी संघर्ष से भरा रहा। माना जाता है कि महिमा फेमस टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस के साथ रिलेशनशिप में थीं। हालांकि कुछ समय बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया। लिएंडर की नजदीकियां इंडियन मॉडल रिया पिल्लई से बढ़ने लगी थी। इसकी बात से खफा होकर महिमा ने ब्रेकअप कर लिया।

2 बार मिसकैरेज हुआ, 7 साल बाद हुआ तलाक

इस रिश्ते को खत्म करने बाद महिमा ने 2006 में बिजनेसमैन बॉबी मुखर्जी से शादी की थी। शादी के एक साल बाद उन्होंने 2007 में बेटी अरियाना मुखर्जी को जन्म दिया। बाद में 2 बार उनका मिसकैरेज भी हुआ। इस बारे में उन्होंने कहा था कि वो मानसिक तौर पर खुश नहीं रहती थीं, जिस कारण उनका मिसकैरेज हो गया।

शादी के कुछ वक्त बाद महिमा और बॉबी के बीच चीजें बिगड़ने लगीं। हालात इतने खराब हो गए कि दोनों 2013 में अलग हो गए और तलाक ले लिया।

कैंसर के समय बेटी ने मां बन रखा ख्याल

महिमा कैंसर से भी जंग जीत चुकी हैं। इस सफर के बारे में उन्होंने भास्कर को दिए इंटरव्यू में बताया था, कैंसर का पता मुझे तब चला, जब मैंने अपना रेगुलर इयरली टेस्ट कराया। ये टेस्ट मैं हर साल कराती थी। उस समय मुझे कुछ अजीब सा लगा, फिर मैंने ये बात डॉक्टर को भी बताई, पर उन्होंने कहा कि सब कुछ ठीक है, लेकिन फिर भी हम इसकी बायोप्सी करेंगे। फिर डॉक्टर ने बायोप्सी किया, पर पता नहीं चला क्योंकि मेरा ट्यूमर बहुत छोटा था। डॉक्टर ने कहा ये आगे चलकर कैंसर बन सकता है, तो इसको अभी ही निकाल देते हैं। इसके बाद मेरी सर्जरी हुई और उस सर्जरी के दौरान पता चला कि मुझे कैंसर है। दुनिया में लगभग हर सात में से एक औरत को ब्रेस्ट कैंसर होता ही है।

मैं बहुत बहादुर नहीं हूं, फिर भी मैंने इसको हैंडल किया, जैसे सब करते हैं। पहले जैसे लोग रोते हैं फिर कहते कोई बात नहीं, जैसी भगवान की मर्जी। कैंसर का जो ट्रीटमेंट होता है, वो बहुत खतरनाक होता है। इसका ट्रीटमेंट बीमारी से ज्यादा खतरनाक होता है। लोगों के सपोर्ट से, दोस्त से, फैमिली से, जो इस टाइम आकर आपसे बोलती है कि कोई बात नहीं, सब ठीक हो जाएगा। इन लोगों के सपोर्ट से आप एक-एक दिन को पार करते हो। 4 महीने का मेरा जो कैंसर का ट्रीटमेंट था, वो बहुत खतरनाक था। उस टाइम जो मेरी छोटी सी बेटी थी, वो बड़ी बन गई थी। मेरे उस टाइम में, मेरी बेटी ने मेरा बहुत ख्याल रखा था, जैसे एक मां रखती है।

अनुपम खेर ने किया बहुत सपोर्ट

जब मेरी तबीयत खराब थी, उस दौरान भी मैं काम करती थी, शोज करती थी। इसी दौरान मुझे अनुपम खेर जी भी एयरपोर्ट पर मिले थे। इसके 5 दिन बाद अनुपम जी का मेरे पास कॉल आया था कि एक फिल्म है और तुम्हें वो करनी है। मैंने कहा कि हर 20 दिन पर मेरा एक ट्रीटमेंट होता है, जिसके बाद मैं बहुत वीक हो जाती हूं।

अगर मैं ये फिल्म करूंगी भी, तो मैं इसके लिए विग पहनूंगी। इसके बाद अनुपम जी ने कहा- क्यों विग पहनना पड़ेगा। मैंने बताया कि मुझे कैंसर है। फिर उन्होंने कहा कि फिल्म जरूर करो और विग के साथ करो, पर ये भी फिल्म तुमको ही करना है। इसके बाद मैंने वो फिल्म की।

कोरेमुला सीरवी समाज का वार्षिकोत्सव 17 को

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोरेमुला स्थित सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में समाज बन्धुओं के सान्निध्य में विशेष मीटिंग आयोजितकर श्री आईमाताजी के 608वें अवतरण दिवस व नवां वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत भादवा सुदी एकम शनिवार 16 सितम्बर रात्रि जागरण व भादवा सुदी बीज रविवार 17 सितम्बर प्रात: वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा ने संयुक्तरुप से बताया कि शनिवार 16 सितम्बर प्रात: वेला में श्री आईमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर माई का विशेष श्रृंगारकर सायं 4.15 बजे से महिलाओं व समाज के बाल कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, रात्रि 9 बजे से जागरण आयोजित किया जाएगा। इसमें मांगीलाल अटपड़ा एंड पार्टी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। रविवार 17 सितम्बर प्रात: 8.15 बजे ज्योत प्रज्वलितकर, पूजा-अर्चना, स्वागत, समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों मे श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना, प्रात: 10 बजे से धर्मसभा का आयोजनकर अध्यक्ष कालुराम काग की अध्यक्षता में मुख्यअतिथियों, पधारे मेहमानों का स्वागत, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार द्वारा आय-व्यय का विवरण, पदाधिकारियों का सम्मान एवं अपने विचार व्यक्त करना, सचिव डायाराम लचेटा द्वारा समाज मे किये गये विकासशील कार्यो का विवरण, एवं पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी। सरंक्षक प्रभुराम परिहारियां ने समाज बन्धुओं से कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

जीएचएमसी की स्थायी समिति की बैठक में 10 मदों को मंजूरी

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बुधवार को स्थायी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में समिति के सदस्यों ने 10 बिंदुओं पर मुहर लगायी। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों को सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने का आदेश दिया। महापौर ने नगरसेवकों से जनता को अनधिकृत स्थानों पर निर्माण कचरे को डंप न करने और मिट्टी की मूर्तियों के वितरण में भाग लेने के लिए शिक्षित करने के लिए कहा है। इस मौके पर कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने कहा कि निर्माण और तोड़फोड़ के कचरे को सड़कों, फुटपाथों, नहरों और तालाबों में अनाधिकृत स्थानों पर डंप किया जा रहा है। कमिश्नर ने कहा कि कंस्ट्रक्शन वेस्ट को सीएंडडी प्लांट तक ले जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। आयुक्त ने कहा कि मिट्टी से बनी 3.10 लाख मूर्तियां जीएचएमसी द्वारा और 90 हजार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कुल 4 लाख मूर्तियां विनायक चतुर्थी के अवसर पर वितरित की जाएंगी। वार्ड कार्यालय से वार्ड में 2800 से 3 हजार मूर्तियां वितरित की जाएंगी। कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने सदस्यों को समझाया कि इस महीने की 15 तारीख को हैदराबाद जिला कलेक्टर कार्यालय में इसे औपचारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा। बैठक में स्थायी समिति के सदस्य शांति सैजेन शेखर, सैयद मिन्हाजुद्दीन, सैयद सोहेल कादरी, समीना बेगम, अब्दुल वाहेब, मोहम्मद अब्दुल मुख्तार, मोहम्मद राशिद फराजुद्दीन, वनम संगीत यादव, सतीश बाबू पांडाला, आर. सुनीता और टी. माहेश्वरी ने भाग लिया। इसके अलावा ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, ईएनसी जियाउद्दीन, हाउसिंग ओएसडी सुरेश कुमार, अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा सबरीश, यादगिरी राव, चंद्रकांत रेड्डी, जयराज कैनेडी, विजयालक्ष्मी, गीता राधिका, उपेन्द्र रेड्डी, सीसीपी राजेंद्र प्रसाद नाइक, सीई देवानंद, मुख्य परीक्षक वेंकटेश्वरलू, एसएनडीपी सीई किशन, मुख्य कीट विज्ञान डॉ. रामबाबू, जोनल कमिश्नर वेंकटेश डोनट्रे, रवि किरण, पंकजा, श्रीनिवास रेड्डी, ममता, वेंकन्ना, सचिव लक्ष्मी और अन्य ने भाग लिया।

हिंदी नगर में आयुष्मान भारत कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग मंडल के भाजपा पार्षद राकेश जायसवाल ने आज नई दिल्ली में भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा लॉन्च किए गए कार्यक्रम आयुष्मान भारत में भाग लिया। इस योजना का उद्देश्य हर स्तर पर समाज के सभी वर्गों तक पहुंचना है। अभियान को औपचारिक रूप से 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान पेश किया जाएगा, जो 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के साथ मेल खाता है। 2 अक्टूबर को समाप्त होने वाले इस दो सप्ताह के कार्यक्रम में स्वास्थ्य देखभाल पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गतिविधियों की एक श्रृंखला देखी जाएगी। कार्यक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हिंदी नगर जामबाग डिवीजन में आयोजित किया गया, जिसमें पार्षद के साथ डॉ. इसरारुन्निसा, डॉ. उमैरा समरीन, अमर सिंह, मयूर, रघु, रामकृष्ण, संदीप ने भाग लिया।

जिले के विकास के लिए समन्वय बनाकर काम करें अधिकारी और जन प्रतिनिधि : जिलाधीश

कुमरम भीम आसिफाबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों को जिले के विकास एवं जनता के कल्याण के लिए समन्वय बनाकर कार्य करना चाहिए। जिला प्रजा परिषद के अध्यक्ष कोवा लक्ष्मी, विधान परिषद सदस्य दांडे विट्ठल और आसिफाबाद के विधायक बुधवार को जिला केंद्र में कलक्ट्रेट भवन में आयोजित जिला प्रजा परिषद की पूर्ण बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी को मिलकर जन कल्याण एवं जिले के विकास के लिए कार्य करना चाहिए तथा कहा कि जन समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि समय-समय पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित बैठकें आयोजित की जाएं और लोगों को शीघ्रता से बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के उपाय किए जाएं तथा निजी एंबुलेंसों को परिसर में प्रवेश करने से रोकने के लिए अधिकारी उपाय करें। जिला सरकारी अस्पताल. उन्होंने कहा कि चूंकि बरसात का मौसम है, इसलिए बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए गांवों में चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाने चाहिए और लोगों को बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर से स्वच्छता प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाना चाहिए और उनके समाधान के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिले के विकास की दिशा में जिले में किये गये विभिन्न विकास कार्यों को गति देने और पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

अग्रवाल समाज, बोइनपल्ली शाखा ने सावन की सैर मनाई

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, बोइनपल्ली शाखा ने सावन की सैर के लिए औरंगाबाद का दौरा किया। जिसमें सभी सदस्यों ने घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन, एलोरा गुफाएं, कैलासा मंदिर, भद्र मारुति मंदिर, शक्ति धाम के दर्शन किए। बोइनपल्ली शाखा के सुमित बंसल (के.एस. सदस्य) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस यात्रा में 145 सदस्यों ने भाग लिया। यह यात्रा 9 सितंबर की शाम को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से शुरू हुई जिसे मनीष अग्रवाल और पुरषोत्तम अग्रवाल (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष अग्रवाल समाज तेलंगाना) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था श्री अग्रसेन भवन औरंगाबाद में की गई थी। जहां सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन, हाय टी और डिनर के साथ-साथ मीटिंग भी हुई। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रदीप जयसवाल को बुलाया गया था। अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद बंसल एवं सचिव अजय तुलस्यान ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। श्री अग्रसेन भवन के अन्य अतिथियों में सुशील भरूका के साथ सदस्य श्री कुंज बिहारी (अध्यक्ष), मनीष अग्रवाल (सचिव), कैलाश मोहन अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) शामिल हुए। शक्तिधाम से डॉ. अशोक झुंझुनूवाला (ट्रस्टी), सुशील भरुका (ट्रस्टी) और दिलीप अग्रवाल (ट्रस्टी) ने हाई-टी और दर्शन एवं आरती का आयोजन किया।

ईडी ने अक्षयगोल्ड फार्म्स और विला के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मेसर्स अक्षयगोल्ड फार्म्स एंड विला इंडिया लिमिटेड, इसके प्रमोटरों/निदेशकों भोगी सुब्रमण्यम के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत अभियोजन शिकायत दर्ज की है। देवकी हरनाथ बाबू, एम सुधाकर राव और अन्य मेट्रोपोलिटन सत्र न्यायाधीश-सह-पीएमएलए विशेष न्यायालय, विशाखापत्तनम में पोंजी घोटाले में कोर्ट ने अभियोजन की शिकायत पर संज्ञान लिया है। ईडी ने कथित धोखाधड़ी और लाखों भोली-भाली जनता को ठगने के लिए प्राइज चिट्स एंड मनी सर्कुलेशन स्कीम एक्ट और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत ओंगोल आई टाउन पीएस, आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। एपी, तेलंगाना, कर्नाटक और सीबीआई ओडिशा की पुलिस द्वारा मेसर्स अक्षयगोल्ड, इसके निदेशकों और अन्य के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं और संबंधित राज्य सार्वजनिक जमा अधिनियमों से संबंधित अन्य धाराओं के तहत कई एफआईआर दर्ज की गईं। ईडी की जांच से पता चला कि अक्षयगोल्ड ने आरबीआई और सेबी की अनुमति के बिना जमा एकत्र करके जनता को धोखा दिया। आरोपियों ने लाखों भोले-भाले निवेशकों से धन एकत्र किया, जिन्हें एजेंटों ने लुभाया, जिन्हें नए ग्राहकों को नामांकित करने के लिए अच्छा कमीशन दिया गया था। उच्च कमीशन अर्जित करने के लिए एजेंटों का एक पदानुक्रम पिरामिड तरीके से बनाया गया था। विज्ञापित रियल एस्टेट उद्यमों में साइटों का वादा करके और विभिन्न जमा योजनाओं में उच्च दर की वापसी की पेशकश करके निवेशकों को अपनी जीवन भर की बचत का निवेश करने का लालच दिया गया था। इससे पहले ईडी ने करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की थी. 268.24 करोड़ रुपये में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में स्थित कृषि भूमि, वाणिज्यिक भूखंड, भवन, फ्लैट आदि के रूप में 376 अचल संपत्तियां और बैंक खाते की शेष राशि, शेयरों में निवेश आदि के रूप में चल संपत्तियां शामिल हैं।

प्रो. सुरेंद्र दुबे केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के उपाध्यक्ष व प्रो. आरएस सर्राजू सदस्य मनोनीत

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के उपाध्यक्ष के रूप में प्रो. सुरेंद्र दुबे तथा सदस्य के रूप में हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. आरएस सर्राजू शासी परिषद के माननीय सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। केंद्रीय हिंदी संस्थान के निदेशक प्रो.सुनील बाबुराव कुलकर्णी देशगव्हाणकर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सा.शि.परिषद के सदस्य के रूप में प्रो. सर्राजू के अलावा प्रो.जोगेंद्रसिंह बीसेन, प्रति कुलपति स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड़ (महाराष्ट्र), प्रो. नरेंद्र मिश्र, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ.क्षमा कौल, जम्मू-कश्मीर की भी नियुक्ति की गई है। इनका कार्यकाल 10 सितंबर 2026 तक होगा। प्रो.सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने सभी नामित सदस्यों को बधाई दी तथा कहा कि केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल और केंद्रीय हिंदी संस्थान अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में आशातीत है।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव 1 अक्तूबर को

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव रविवार 1 अक्तूबर को ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा में करवाए जाएँगे। चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव 14 ट्रस्टियों हेतु होना है नामांकन पत्र देने की आज 2 बजे तक अंतिम तिथि थी जिसमें 20 सदस्यों को नामांकन पत्र प्रदान किए गए जिनमे अभिषेक अग्रवाल, अजीत गुप्ता, बजरंग प्रसाद गुप्ता, गोपाल चंद अग्रवाल, गोविंद गुप्ता, कैलाश चंद अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, महेश कुमार केडिया, मुकुंद लाल अग्रवाल, नरेंद्र कुमार गोयल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, संजय कुमार सिंघानिया, किशन अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, विनोद अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल आदि हैं। नामांकन पत्र भरकर जमा करवाने की अंतिम तिथि 16 सितंबर को मध्याह्न 2 बजे तक है। नामांकन की छटनी सोमवार 18 सितंबर को की जायेगी तथा नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 20 सितंबर मध्याह्न 2 बजे तक है। आवश्यकता पड़ने पर चुनाव 1 अक्तूबर को अग्रसेन भवन में करवाए जाएँगे सभी सदस्यों से साधारण सभा में उपस्थित होने का आग्रह है।

कई चोरियों के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डुंडीगल पुलिस ने पिछले दो महीनों में हुई कई चोरियों में कथित रूप से शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया और 9.60 रुपये की संपत्ति जब्त की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में निज़ामाबाद के मूल निवासी पंडिरी स्वामी (24) और मेडचल निवासी रहीमा बेगम (44) शामिल हैं। डीसीपी मेडचल, पी शबरीश के अनुसार, जुलाई में संदिग्ध स्वामी को संपत्ति अपराध में गिरफ्तारी के बाद जेल से रिहा कर दिया गया था। वह मेडचल में रहीमा के घर पर रहने लगा और बाचुपल्ली, आईडीए बोलाराम और डंडीगल पुलिस थाना क्षेत्रों में चोरियां करने लगा। चोरी के एक मामले की जांच के दौरान, पुलिस ने स्वामी की भूमिका स्थापित की थी जो संपत्ति चोरी करने के बाद उसे निपटान के लिए रहीमा को सौंप रहा था। मंगलवार शाम को वाहन चेकिंग के दौरान दोनों व्यक्तियों को पकड़ा गया और उनके पास से चोरी की संपत्ति जब्त की गई। जुलाई के बाद से, स्वामी और रहीमा 13 मामलों में शामिल थे, जबकि पहले स्वामी 24 मामलों में शामिल थे, जिनमें निज़ामाबाद में 17 मामले शामिल थे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। दोनों को रिमांड पर लिया गया।

कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

कुमरम भीम आसिफाबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी युवा संघ के जिला अध्यक्ष अविदुपा प्रणय कुमार ने कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में एक कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर हेमंत बोरकड़े आईएएस को ज्ञापन सौंपा।अविदापु प्रणय ने कहा कि कुमरम भीम आसिफाबाद जिला उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पीछे है। कोई उच्च शिक्षा संस्थान नहीं है, वैसे ही जिले के अधिकांश परिवार कृषि पर निर्भर हैं और उनके बच्चे पढ़ाई के दौरान भी कृषि में रुचि दिखाते हैं। यदि हमारे जिले में कृषि विश्वविद्यालय है, तो यहां के छात्रों को कृषि का पूरा ज्ञान है। एक अवसर है अब तक अच्छा करने के लिए, इसलिए यहां एक कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की आवश्यकता है, इसलिए कृपया पहल करें और आसिफाबाद जिले में एक कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।इस अवसर पर साई कृष्णा, बीसी यूथ एसोसिएशन के नेता अविदुपु तरूण, अनुमंडला सिद्धार्थ एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

पालमुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना योजना से सिंचाई का सपना पूरा होगा

तब सीएम केसीआर ने वादा किया था, अब हकीकत है : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव द्वारा 16 सितंबर को पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) के पहले चरण का वेट रन शुरू करने की योजना के साथ, कृषि मंत्री सिंगीरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि केसीआर का वादा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निर्माण करके कृष्णा नदी का पानी संयुक्त महबूबनगर जिले में लाना एक वास्तविकता बन गया है। मंत्री ने याद दिलाया कि अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन के समय बीआरएस नेता केसीआर ने पीआरएलआईएस को श्रीशैलम परियोजना बैकवाटर क्षेत्र से पानी खींचने का प्रस्ताव दिया था, तब विपक्षी नेताओं ने केसीआर की योजना की आलोचना की थी और कहा था कि इससे पानी खींचना संभव नहीं होगा। प्रस्तावित बिंदु, लेकिन आज मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में, प्रस्ताव एक वास्तविकता बन गया है और पहला पंप अब परियोजना के हिस्से के रूप में लॉन्च करने के लिए तैयार है। "जहां तक महबूबनगर जिले का सवाल है, सिंचाई क्षेत्र में एक स्पष्ट बदलाव दिख रहा है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, जुराला सिंचाई परियोजना के तहत पूरे अयाकट को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। वे नेता, जिन्होंने जुराला का निर्माण किया था दशकों से अधिक समय से परियोजना और भीमा, कल्वाकुर्थी और नेट्टमपाडु लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण की उपेक्षा करने के कारण, उन्हें परियोजनाओं के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। नारलापुर पंप-हाउस का शुभारंभ सीएम केसीआर की ईमानदारी और दृढ़ता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर के नेतृत्व में, पीआरएलआईएस के माध्यम से सिंचाई का पानी प्राप्त करने का लोगों का सपना पानी की कमी वाले महबूबनगर जिले के लिए एक वास्तविकता बन रहा है, जो पहले सूखे और पलायन के लिए जाना जाता था। निरंजन रेड्डी ने बुधवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा, मुख्यमंत्री इतिहास में बने रहेंगे। सीएम केसीआर 16 सितंबर को नागरकर्नूल जिले के येल्लूर के पास परियोजना के नरलापुर पंप-हाउस के पहले पंप को चालू करेंगे। 145 मेगावाट की परिचालन क्षमता वाले नरलापुर पंप हाउस के मेगा पंप दो किलोमीटर दूर नरलापुर जलाशय में पानी पंप करेंगे।

टास्कफोर्स के अधिकारियों ने छह क्विंटल पीडीएस चावल और दो ऑटो जब्त किए

कुमरम भीम आसिफाबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गरीबों को मिलने वाला राशन का चावल कालाबाजारी हो रही है। टास्कफोर्स पुलिस ने पीडीएस चावल को पकड़ा जो दूसरों से कम दर पर खरीदकर महाराष्ट्र ले जाया गया और ऊंचे दर पर बेचा गया।कुमरमभीम आसिफाबाद जिले के एसपी के.सुरेश कुमार के आदेश पर टास्क फोर्स के अधिकारीयों ने करजेली गांव से पीडीएस चावल अवैध रूप से ले जाये जाने की सूचना पर टास्क फोर्स पुलिस ने डिंडा गांव के रास्ते में जांच की।महाराष्ट्र के चिंथलामनेपल्ली मंडल से अहेरी गांव तक। निरीक्षण के दौरान ऑटो नंबर (टीएस 20टी7199) में तीन क्विंटल मल्लेश निवासी करजेली और चौधरी का है। रवि से संबंधित ऑटो नं. (एपी01वाई3571) तीन क्विंटल पीडीएस चावल चिंथालामनेपल्ली पुलिस स्टेशन ले जाया गया और दो और दो ऑटो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और 6 क्विंटल पीडीएस चावल पुलिस स्टेशन में सौंप दिया गया, टास्क फोर्स सीआई, राणा प्रताप ने कहा कि कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के विभिन्न मंडलों में आयोजित पोकर शिविरों, कोडिपांड्या और देसीधर, पीडीएस चावल, गांजा अवैध रावण और असामाजिक गतिविधियों में भाग लेने वालों का विवरण प्रदान कर सकते हैं।टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप ने कहा कि ऐसी गतिविधियों में शामिल होने वालों और पूछने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस कार्य में टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप, एसआई संदीप कुमार, टास्क फोर्स स्टाफ पीसी मधु, रमेश, संजीव ने भाग लिया।

केसीआर सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रयासरत : इंद्रकरण रेड्डी

मंचेरियल, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने बुधवार को नरसापुर (जी) मंडल के रामपुर गांव के कांग्रेस और भाजपा दोनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं का निर्मल में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में स्वागत किया।इस अवसर पर बोलते हुए, रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव राज्य के सभी वर्गों और हितों के कल्याण के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतियों, नवीन योजनाओं और विकासात्मक कार्यक्रमों से आकर्षित होकर विभिन्न राजनीतिक दलों के कई लोग बीआरएस के सदस्य बनने के लिए आगे आ रहे हैं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

तेजांश रंजन
माता : सोनी कुमारी
पिता : राकेश रंजन

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा बड़ी भक्ति भाव से की गई। पूजा में करीब 450 लोग उपस्थित रहे, जिसमें सुरेश कुमार अग्रवाल, राहुल सिंघल, राजेंद्र अग्रवाल, मुन्नालाल अग्रवाल, सुभाष दिल्लीवाले, विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले, आशिक अग्रवाल, भोजपुर रेड्डी, गोपाल बल्देवा, पीसी जैन सुरेंद्र अग्रवाल, सीए विजय कुमार आधि शामिल रहे।

हरि ॐ हरि ॐ
स्वर्गवास

श्रीमति हिंगलीबाई काग
धर्मपत्नी: स्व.श्री चौथारामजी काग (गांव आकेली)
स्वर्गवास: 13.09.2023
शवयात्रा आज दि.14 सितम्बर 2023 गुरुवार प्रात: 11.30 बजे
हमारे निवास स्थान धर्मकर्म रोड़, अमीरपेट से जीड़िमेटला शमशान वाटिका जायेगी
: शोकाकुल : पुसाराम(रामलाल) (पुत्र), मांगीलाल, कालुराम, भुराराम, मिश्रीलाल, भवंरलाल, बाबुलाल, रतनलाल, बगदाराम, ओमप्रकाश (भतीजे), अमित, भरत, सुरेश, गौतम, पप्पूराम, हेमन्त, मनीष, संदीप, नरेश, दिलीप, सुरज, सुमित, विक्रम, ललित (पौत्र), तनिषा (पड़पौत्री), धियान्श (पड़पौत्र) एंव समस्त काग परिवार
✻ बालाजी ज्वैलर्स ✻ ए.एम.फैशन्स् ✻
मैन रोड़ फतेहनगर, हैदराबाद 9985310751, 944188487
P.Solankey

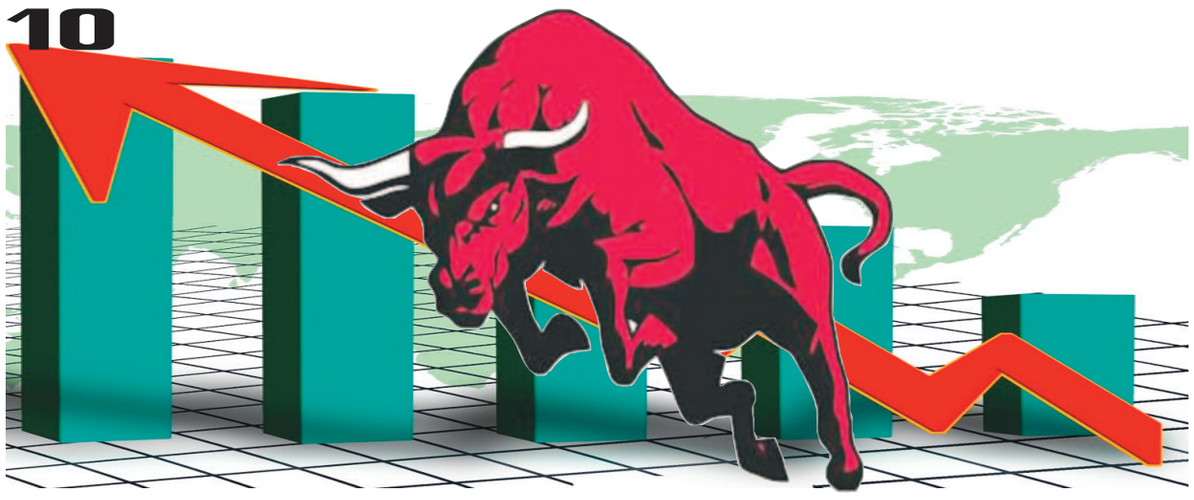

इंडिया बनाम भारत विवाद के बीच ब्लू डार्ट का बड़ा एलान

कंपनी बदलेगी अपनी इस सेवा का नाम

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सियासी गलियारों में देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत करने को लेकर जारी विवाद के बीच लॉजिस्टिक कंपनी ब्लू डार्ट ने बड़ा एलान किया है। कंपनी ने अब अपनी प्रीमियम सेवा डार्ट प्लस का नाम बदलकर भारत प्लस कर दिया है। ब्लू डार्ट ने बुधवार को कंपनी फाइलिंग में बताया कि यह कूटनीतिक बदलाव से ब्लू डार्ट की मौजूदा यात्रा में एक मील का पत्थर है। यह भारत की वृहद जरूरतों की सेवा के लिए हमारी अटल प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ब्लू डार्ट ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा, यह कदम हमारे उपभोक्ताओं की लगातार विकसित होती जरूरतों के साथ कदमताल करने की प्रक्रिया के लिए लक्षित है। कंपनी ने कहा कि वह सभी हितधारकों को इस बदलाव वाली यात्रा से जुड़ने का न्योता देती है, जिससे हम भारत को पूरी दुनिया और दुनिया को भारत से जोड़ना जारी रख रहे हैं।

दरअसल राष्ट्रपति की ओर से 9 सितंबर को जी-20 कार्यक्रम के दौरान भारत मंडपम में आयोजित होने वाले डिनर के निमंत्रण पत्र में 'द प्रेसिडेंट ऑफ भारत' की ओर से न्योता भेजा गया है। इसी निमंत्रण पत्र पर छपे 'भारत' शब्द को लेकर अब सियासत होने लगी है। राजनीतिक पार्टियों का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश के नाम पर भी हमला कर रही है। ब्लू डार्ट का यह कदम भारत बनाम इंडिया की इसी बहस के बीच आया है।

संसद के विशेष सत्र में भी 'भारत' को लेकर चर्चा के आसार

जी-20 में इस तरह भारत के नाम का इस्तेमाल शुरू होने के साथ ही उस बहस को भी जोर मिला है, जिसमें इंडिया का नाम बदलकर भारत करने की बात कही जा रही है। कुछ ही दिन पहले केंद्र सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाने का एलान किया था। इसके बाद से ही यह अटकलें लगने लगीं कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर के समारोह में इंडिया की जगह भारत नाम का इस्तेमाल शुरू करने वाला है और संसद में भी इंडिया नाम को बदलकर स्थायी तौर पर भारत किया जा सकता है।

आरबीआई का बड़ा फैसला

बैंकों ने दस्तावेज वापस करने में की देरी तो देगा हर्जाना

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ने संपत्ति पर लोन वालों के लिए एक राहत भरा फैसला लिया है। अब अगर लोन चुका देने के बाद बैंक, एनबीएफसी या हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां संपत्ति के कागजातों को वापस देने में देरी करती है तो उन्हें ग्राहकों को हर्जाना देना पड़ेगा। रिजर्व बैंक ने बुधवार सुबह यह आदेश जारी किया है।

देरी की वजह से बढ़ रहे विवाद

रिजर्व बैंक ने यह ऑर्डर स्मॉल फाइनेंस बैंकों समेत सभी कमर्शियल बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों, एनबीएफसी, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों व एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनियों को भेजा है। दरअसल, रिजर्व बैंक को लगातार शिकायत मिल रही थीं कि ग्राहकों के लोन चुकाने के बाद भी बैंक व एनबीएफसी संपत्ति के दस्तावेज देने में देर करता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि इस देरी के चलते विवाद और मुकदमेबाजी जैसी स्थितियां पैदा हो रही है।

रिजर्व बैंक ने दिया इतना समय

सेंट्रल बैंक ने नए आदेश के अनुसार, कमर्शियल बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों, एनबीएफसी व एसेट रीकंस्ट्रक्शन कंपनी आदि को लोन की सारी किस्तें मिलने या सेटल होने के 30 दिनों के भीतर ग्राहकों को सारे दस्तावेज लौटाने होंगे।

ग्राहकों को ये विकल्प दिया जाएगा कि वे अपनी सुविधा के अनुसार या तो संबंधित ब्रांच से दस्तावेज ले सकते हैं या फिर उस ब्रांच या कार्यालय से ले सकते हैं, जहां कागजातों को रखा गया हो।

हर दिन देने होंगे इतने रुपये

आरबीआई ने कहा कि अगर बैंक या अन्य संबंधित संस्थान तय समय के भीतर लोन चुकता होने के 30 दिनों में दस्तावेजों को वापस नहीं कर पाते हैं तो ऐसी स्थिति में उन्हें ग्राहकों को हर्जाना देना पड़ेगा।

साथ ही, हर दिन की देरी के बदले ग्राहकों को 5000 रुपये के हिसाब से हर्जाना देना होगा।

आज शेयर बाजार में रही तेजी, सेंसेक्स 245 अंक तेजी के साथ 67,466 पर बंद

मुंबई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (13 सितंबर) को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 245 अंक की तेजी के साथ 67,466 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 76 अंक की तेजी रही। ये 20,070 के स्तर पर बंद हुआ।

आज से ओपन हुआ आरआर केबल का आईपीओ

आरआर केबल लिमिटेड इस आईपीओ आज यानी 13 सितंबर से ओपन हो गया है। आरआर केबल लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 983-1035 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 14 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 1035 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,490 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 182 शेयरों के लिए अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 1,88,370 खर्च करने होंगे। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 15 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। 26 सितंबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्ट होंगे।

इससे पहले कल यानी मंगलवार (12 सितंबर) को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का इंडेक्स निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया था। कल इसने 20,110 के स्तर को छुआ। हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली और ये 3 अंकों की गिरावट के साथ 19,993 पर बंद हुआ था। वहीं, सेंसेक्स में आज तेजी देखने को मिली।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह में	सिंह...	04-14 बजे
चंद्र-	सिंह में	कन्या..	06-20 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	08-25 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	10-34 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	12-50 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	14-55 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	16-46 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	18-23 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-00 बजे
		वृष--	21-44 बजे
		मिथुन..	23-46 बजे
		कर्क...	01-57 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 06-07 सूर्य अस्त- 18-16
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या - 07 -09 पूर्ण दिन राततक
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष , गुरुवार 14 September
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - 04-53 -तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - साध्य - 02 - 58 - तक उप शुभ
करण- चतुष्पाद - 18 -00 - तक् उप- नाग
विशेष:- पितृ कार्ये अमावस्या
व्रत -त्योहार - सती पूजा

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:43 से 15:15 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:07 - 07:37 शुभ	अमृत.	18:16 - 19:47 शुभ
रोग	07:37 - 09:08 अशुभ	चंचल.	19:47 - 21:15 शुभ
उत्पात	09:08 - 10:40 अशुभ	रोग.	21:15 - 22:43 अशुभ
चंचल	10:40 - 12:12 शुभ	काल.	22:43 - 00:12 अशुभ
लाभ	12:12 - 13:43 शुभ	लाभ	00:12 - 01:40 शुभ
अमृत	13:43 - 15:15 शुभ	उत्पात	01:40 - 03:08 अशुभ
काल	15:15 - 16:47 अशुभ	शुभ	03:08 - 04:37 शुभ
शुभ	16:47 - 18:16 शुभ	अमृत	04:37 - 06:07 शुभ

भारत में डाटा ने पूरी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक बना दिया

एनएबीएफआईडी चेयरमैन ने कही ये बात

मुंबई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल बैंक फॉर फइनेंसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) के चेयरमैन केवी कामत ने भारत में डाटा क्रांति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आज जिस तरह भारत में डाटा उपलब्ध है, यह साफ तौर पर लोकतांत्रिक है, जिसने पूरी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक बना दिया है। कामत ने कहा, आज हाथ में पकड़ने वाले डिवाइस में हमें जो कनेक्टिविटी मिलती है और हमारे यहां डाटा की जो उपलब्धता है, साथ ही जिस कीमत पर डाटा उपलब्ध है। अगर चार-पांच साल पहले किसी ने मुझसे कहा होता कि भारत डाटा का सबसे बड़ा उपभोक्ता होगा, तो मैं कहता कि यह मुमकिन ही नहीं है। लेकिन आज यह पूरी तरह लोकतांत्रिक है। डाटा ने पूरी प्रक्रिया को ही लोकतांत्रिक बना दिया है।

शिक्षक भर्ती घोटला मामले में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी को ईडी ने किया तलब

पूछताछ के लिए पहुंचे

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। इससे पहले टीएमसी सांसद ने कोलकाता हाईकोर्ट में एक पूरक हलफनामा दायर किया, जिसमें दावा किया गया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पहले के समन को चुनौती देने वाला उनका पुनरीक्षण आवेदन लंबित है तो एजेंसी का नया समन कानूनी रूप से वैध नहीं है।

पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार के अलग-अलग मामलों में ईडी की कार्रवाई लगातार जारी है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े एक मामले में ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को तलब किया। वे पूछताछ के लिए ईडी के कोलकाता स्थित दफ्तर पहुंचे, जहां अधिकारी उनसे मामले से जुड़े सवाल पूछेंगे।

गौरतलब है कि सरकारी स्कूलों में कथित रोजगार घोटाले के सिलसिले में ईडी ने बनर्जी को पेशी के लिए समन जारी किया हुआ है। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह 11:12 बजे अभिषेक घर से ईडी दफ्तर के लिए रवाना हुए। वह 11:34 बजे सीजीओ कॉम्प्लेक्स पहुंचे। अभी तक उनसे पूछताछ शुरू नहीं हुआ है। इससे पहले अभिषेक ने कोर्ट से सुरक्षा मांगी थी ताकि उनके खिलाफ भर्ती मामले का निपटारा होने तक ईडी उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न कर सके। मंगलवार को न्यायाधीश तीर्थंकर घोष की बेंच में मामले की सुनवाई हुई।

इससे पहले टीएमसी सांसद ने कोलकाता हाईकोर्ट में एक पूरक हलफनामा दायर किया, जिसमें दावा किया गया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पहले के समन को चुनौती देने वाला उनका पुनरीक्षण आवेदन लंबित है तो एजेंसी का नया समन कानूनी रूप से वैध नहीं है। हलफनामे में कहा गया है कि टीएमसी सांसद ने न केवल पूरी जांच को चुनौती दी है, बल्कि उच्च न्यायालय के समक्ष दायर एक पुनरीक्षण आवेदन में एजेंसी द्वारा उन्हें जारी किए गए पिछले समन को भी चुनौती दी है। याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने कहा कि ईडी ने इस संबंध में पहले ही मौखिक वादा किया था और उन्होंने अब तक वह वादा निभाया है। इसलिए अभिषेक को किसी नई सुरक्षा की जरूरत नहीं है। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने भी आश्वासन दिया कि 'गिरफ्तारी नहीं, बल्कि पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

आज सोने-चांदी में गिरावट

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार (13 सितंबर) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 141 रुपए गिरकर 58,724 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 44,043 रुपए रह गई है। आज चांदी की कीमत 107 रुपए फिसलकर 70,793 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अप्रत्याशित यात्रा थका देने वाली हो सकती है जो आपको उन्मादी बना सकती है। मांसपेशियों को आराम देने के लिए तेल से शरीर की मालिश करें, धन को निश्चित रूप से बढ़ावा मिलेगा- लेकिन साथ ही ख़र्चे भी बढ़ेंगे। कुछ लोग क्षमता से अधिक वादे करने की प्रवृत्ति रखते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपका सबसे प्रिय सपना साकार होगा। लेकिन अपनी उत्तेजना को क़ाबू में रखें क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी कुछ परेशानी खड़ी कर सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार से आपको आवश्यक वस्तुओं की ख़रीदारी में आसानी होगी। ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको बुरी आदतों से प्रभावित कर सकते हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

अपने वजन पर नजर रखें और ज्यादा खाने से बचें। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करेंगे। किसी को खुद को प्यार में सफल होने की कल्पना करने में मदद करें। वेतन में वृद्धि से आपका उत्साह बढ़ सकता है। अब समय आ गया है कि आप अपनी सभी निराशाओं और शिकायतों को दूर कर लें।

कर्क ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने अप्रत्याशित स्वभाव को अपने वैवाहिक संबंधों को खराब न करने दें। इससे बचने का प्रयास करें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है। मनोरंजन और भोग विलास पर अधिक खर्च न करें। भावनात्मक आश्वासन चाहने वालों को अपने बुजुर्ग उनकी मदद के लिए आ सकते हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

गैस की समस्या वाले रोगियों को तैलीय और वसायुक्त आहार से बचना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीमारी बढ़ सकती है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कुछ महत्वपूर्ण कार्य रुकेंगे। युवा स्कूल परियोजनाओं पर कुछ सलाह ले सकते हैं। कुछ गलतफहमियों के कारण आज आपके प्रेमी के साथ आपके रिश्ते खराब हो सकते हैं।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

किसी संकट में पड़े व्यक्ति की मदद के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करें स्मरण रहे- इस नाशवान शरीर का क्या उपयोग यदि इसका उपयोग दूसरों के हित के लिए न हो। बैंक डीलिंग को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता पुरस्कार लाएगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अनावश्यक सोच में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें बल्कि इसे सही दिशा में उपयोग करें। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ाएगा। आपके बच्चे आपको खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे। प्यार में अपने रूखे व्यवहार के लिए क्षमा मांगें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप काफी सक्रिय और फुर्तीले रहेंगे। आपकी सेहत आज आपका पूरा साथ देगी। अगर आप अपने पत्ते अच्छी तरह से खेलते हैं तो आज आप कुछ अतिरिक्त पैसा कमाएंगे। सावधान रहें कि आप जिस किसी के साथ रह रहे हैं, उसके साथ बहस न करें- अगर कोई विवाद है तो उसे सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझा लें।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

प्रेम आशा विश्वास सहानुभूति आशावाद और वफादारी जैसी सकारात्मक भावनाओं के प्रति ग्रहणशील होने के लिए अपने मन को प्रोत्साहित करें। एक बार जब ये भावनाएँ पूरी तरह से नियंत्रित हो जाती हैं- तो मन स्वचालित रूप से हर स्थिति के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

अपने निराशावादी रवैये के कारण आप कोई प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। आपके लिए यह महसूस करने का सही समय है कि चिंता ने आपकी सोचने की शक्ति को मंद कर दिया है। उज्जवल पक्ष को देखें और आप अपने विवेक में एक निश्चित परिवर्तन देखेंगे। अपने गुस्से पर काबू रखें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

उन पुरुषों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों को साकार करने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए अपने घर और स्वास्थ्य को त्याग देते हैं। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने से आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि इस समय आपको पैसों से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

लंबी यात्रा पर जाने की आपकी योजना के अनुसार आपकी स्वास्थ्य और ऊर्जा संरक्षण की आदत आपको अत्यधिक लाभान्वित करेगी। व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद आप थकान को आसानी से दूर कर लेंगे। इस राशि के कुछ बेरोजगार जातकों को आज नौकरी मिल सकती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

उज्जवला योजना को साल 2025-26 तक बढ़ाया

अगले 3 सालों में बांटे जाएंगे 75 लाख नए एलपीजी कनेक्शन, कैबिनेट बैठक में मिली मंजूरी

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार (13 सितंबर) को कैबिनेट की बैठक हुई। इस दौरान कई अहम फैसले किए गए। बैठक में उज्जवला योजना के तहत अगले 3 वित्त वर्ष में 75 लाख नए एलपीजी कनेक्शन देने का फैसला लिया गया है। ये कनेक्शन साल 2025-26 तक बांटे जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बैठक के दौरान लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी है।

इस योजना के तहत अब तक 9 करोड़ 60 लाख कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके तहत फ्री एलपीजी कनेक्शन के अलावा पहले सिलेंडर की रीफिलिंग भी फ्री होगी। इसके अलावा गैस चूल्हा भी मुफ्त में दिया जाता है।

उज्ज्वला योजना में आवेदन करने के लिए जरूरी पात्रता

आवेदक महिला होनी चाहिए।

महिला की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।

महिला बीपीएल परिवार से होनी चाहिए।

महिला के पास बीपीएल कार्ड तथा राशन कार्ड होना चाहिए।

आवेदक के परिवार के किसी सदस्य के नाम पर एलपीजी कनेक्शन नहीं होना चाहिए।

एड्रेस प्रूफ जमा करने की जरूरत नहीं

उज्ज्वला योजना का लाभ लेने के लिए प्रवासियों को राशन कार्ड और एड्रेस प्रूफ जमा करने की जरूरत नहीं होगी। जरूरतमंद परिवार अब खुद के द्वारा सत्यापित आवेदन देकर भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

कैसे कर सकते हैं अप्लाई

योजना का लाभ लेने के लिए आप को pmuy.gov.in/ujjwala2.html अधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

यहां आपके सामने एक डाउनलोड फॉर्म का ऑप्शन दिखाई देगा।

यहां इस फॉर्म को डाउनलोड करने के बाद फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी को भर दें।

इस फॉर्म को अब आपको एलपीजी केंद्र पर जमा कराना होगा।

साथ ही इससे संबंधित दस्तावेजों को भी वहां जमा करा दें।

इसके बाद डॉक्यूमेंट्स के वेरिफाई होने के बाद आपको एलपीजी कनेक्शन मिल जाएगा।

ई कोर्ट मिशन के फेज 3 को मंजूरी

अनुराग ठाकुर ने दूसरे फैसले के बारे में बताया कि 7,120 करोड़ के ई कोर्ट मिशन मोड प्रोजेक्ट के फेज 3 को मंजूरी दे दी गई है। इसका लक्ष्य ऑनलाइन और पेपरलेस कोर्ट बनाना है। इससे न्यायिक व्यवस्था ज्यादा पारदर्शी होगी। पेपरलेस कोर्ट्स के लिए, ई-फाइलिंग और ई-पेमेंट सिस्टम को यूनिवर्सल बनाया जाएगा। डेटा स्टोर करने के लिए क्लाउड स्टोरेज बनाया जाएगा। सभी कोर्ट परिसरों में 4,400 ई-सर्विस सेंटर बनाए जाएंगे।

1 लाख गरीब परिवारों को पक्का घर देने की घोषणा

राज्य सरकार जल्द एलॉटमेंट शुरू करेगी

पानीपत, 13 सितंबर (एजेंसियां)। देश के गरीब वर्ग को पक्का घर मुहैया कराने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई आवास योजनाएं चला रही हैं, जिससे पात्र परिवारों को आवास दिए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार ने कहा है कि वह निचले तबके के 1 लाख परिवारों को पक्के घर देगी। इसके लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बीते दिन पानीपत में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि राज्य में वंचितों को समर्थन देने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार ने एक लाख गरीब लोगों को घर उपलब्ध कराने की योजना तैयार की है। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वंचितों को आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार ने एक योजना बनाई है जिसके तहत 1 लाख गरीबों को घर उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि, आधिकारिक बयान में परियोजना के लिए कोई समयसीमा का उल्लेख नहीं किया गया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि जनता की भलाई के उद्देश्य से राज्य सरकार ने कई कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए हैं। सेवानिवृत्ति के लिए पेंशन योजनाएं, छात्र छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना और आवास परियोजनाएं को शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के परिवारों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने वाली परिवार पहचान पत्र की शुरूआत की गई है।

परिवार पहचान पत्र योजना

उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र योजना ने नागरिकों को उनके घरों से राशन कार्ड और पेंशन जैसे आवश्यक संसाधनों के वितरण को सुव्यवस्थित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए भी कड़े कदम उठाए हैं, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा मिलेगा।

अगस्त में कम बारिश से चीनी उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अगस्त माह में उम्मीद से कम बारिश ने गन्ना किसानों से लेकर चीनी उत्पादन को सरकार की चिंता बढ़ा दी है। इंडस्ट्री और सरकारी अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि भारत के शीर्ष गन्ना उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन फसल वर्ष 2023-24 में 14% गिरकर चार साल में सबसे कम होने की आशंका है, क्योंकि एक सदी से भी अधिक समय में सबसे सूखे अगस्त के बाद गन्ने की पैदावार कम हो गई है। ऐसे में वैश्विक बाजार में चीनी के दाम में उछाल आने का अनुमान है। पर्याप्त चीनी भंडारण के चलते घरेलू बाजार में कीमतें आम जनता को कुछ खास प्रभावित नहीं करने वाली हैं। कम चीनी उत्पादन से खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ सकती है और सरकार की ओर से चीनी निर्यात पर रोक लगाई जा सकती है। इससे वैश्विक कीमतों में और बढ़ोत्तरी होगी, जो पहले से ही एक दशक से अधिक समय में अपने उच्चतम स्तर के करीब हैं। उत्पादकों के

मार्जिन में सुधार करेंगी, जिससे उन्हें किसानों को समय पर भुगतान करने में मदद मिलेगी।

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
स्थापना: सन् 1935 ई. अमृत महोत्सव वर्ष 2011.
हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद
एवं प्रादेशिक सभाएँ
* आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद * महाराष्ट्र हिंदी प्रचार सभा, औरंगाबाद
* कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, गुलबर्गा * तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद
द्वारा संचालित
नागरीबोध, प्रवेश, प्रथमा, मध्यमा, उत्तमा
केंद्रीय सरकार द्वारा एस. एस. सी., इण्टर तथा बी.ए. हिंदी के समकक्ष मान्यता प्राप्त हिंदी विशारद, हिंदी भूषण एवं हिंदी विद्वान की परीक्षाओं में सम्मिलित होकर राजभाषा हिंदी का ज्ञान बढाइए।

प्रो. चंद्रदेव
अध्यक्ष

श्री एस. गैबुवली
प्रधानमंत्री

प्रो. सुरेश पुरी
परीक्षा मंत्री
स्टेशन रोड़, नामपल्ली, हैदराबाद -500001
फोन नंबर : 040-23201956, 040-23201965
ईमेल: hps1935@gmail.com

किसानों तक हमारी पहुंच का प्रमुख साधन हिंदी

भारत आज खाद्य सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि यहां से विदेशों को खाद्यान्न का निर्यात भी कर रहा है। भारत की लगभग 50% जनसंख्या का मुख्य आहार चावल है। अतः यह लोगों की खाद्य एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उच्च उत्पादन युक्त किस्मों एवं संकरों की खेती तथा उन्नत फसल प्रबंध कार्य अपनाकर बढ़ती जनसंख्या को खाद्य प्रदान करने के लिए भाकृअनुप - भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद तत्पर है। वर्ष 2022-23 में चावल का 131 मिलियन मेट्रिक

डॉ. आर एम सुंदरम
निदेशक, भाकृअनुप - भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान

टन रिकार्ड उत्पादन रहा तथा 22.35 मिलियन टन निर्यात से < 89622 करोड का विदेशी विनिमय प्राप्त हुआ। पिछले वर्ष के दौरान कुल 61 किस्मों एवं 4 संकरों का लोकार्पण किया गया। इनके बावजूद पोषण सुरक्षा हेतु अनुसंधान कार्यों को तीव्रता प्रदान करने की आवश्यकता है। इसमें जैव-पौष्टिकीकरण (बायोफोर्टिफिकेशन) सहायक हो सकता है।

हमारे अनुसंधान तो संतोषजनक है परंतु जब तक उनका क्रियान्वयन न हो, तब तक वे फलीभूत नहीं हो सकते और क्रियान्वयन हेतु हमें बहु-प्रचलित हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं की आवश्यकता पड़ती है। अतः हिंदी एवं अन्य स्थानीय भाषाएं ही हमें हमारे लक्ष्यों तक पहुंचा सकती है।

इसके अलावा हिंदी में कार्य करना मजबूरी नहीं, बल्कि हमारा संवैधानिक दायित्व भी है जो हमें मजबूती प्रदान करता है। हम अपनी भाषा अस्मिता को खोकर सिद्धि प्राप्त नहीं कर सकते। मेरा देश, मेरी भाषा, स्वदेशी सामान को अपनाकर ही हम शीर्षतम ऊंचाइयां प्राप्त कर सकते हैं। जयहिंद !

विश्व में दूसरी सबसे बड़ी भाषा हिंदी

भाषा देश की पहचान है, वह पहचान हिंदी ने भारत को दिलाई

अजय कुमार शुक्ल
वरिष्ठ पत्रकार

है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी भाषा हिन्दी है। चीनी भाषा के बाद यह विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। हिन्दी भारत की नहीं पूरे विश्व में एक विशाल क्षेत्र और जनसमूह की भाषा है। 1952 में उपयोग की जाने वाली भाषा के आधार पर यह विश्व में पांचवें स्थान पर थी। 1980 के आसपास वह चीनी और अंग्रेजी के बाद तीसरे स्थान पर आ गई। भारत और अन्य देशों में 60 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। इतना ही नहीं फ़िजी, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम जैसे दूसरे देशों की अधिकतर जनता हिन्दी बोलती है। भारत से सटे नेपाल की भी कुछ जनता हिन्दी बोलती है। आज हिन्दी राजभाषा, सम्पर्क भाषा, जनभाषा के सोपानों को पार कर विश्वभाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी भाषा प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। यह मुख्यरूप से आर्यों और पारसियों की देन है। हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। प्रकृति से उदार ग्रहणशील, सहिष्णु और भारत की राष्ट्रीय चेतना की संवाहिका है हिन्दी। यह विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राज्यभाषा भी है। भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद ही हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रचारित-प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर सन् 1953 से संपूर्ण भारत में 14 सितंबर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैंकडों छोटे-बड़े केंद्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विदेशों से 25 से अधिक पत्र-पत्रिकाएं लगभग नियमित रूप से हिन्दी में प्रकाशित हो रही हैं। यूएई के 'हम एफ एम'सहित अनेक देश हिन्दी कार्यक्रम प्रसारित कर रहे हैं, जिनमें बीबीसी, जर्मनी के डॉयचे वेले, जापान के एनएचके वर्ल्ड और चीन के चाइना रेडियो इंटरनेशनल की हिन्दी सेवा प्रमुख

भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान
राजेन्द्रनगर, हैदराबाद 500030
ICAR भाचाअनुसं IIRR

चावल भारत की 50% जनसंख्या का मुख्य आहार है, तथा 131 मिलियन मेट्रिक टन उत्पादन के साथ 44 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में इसकी खेती की जाती है। भारत 2022-23 के दौरान ₹ 89622 करोड मूल्य के 22.35 मिलियन टन चावल के निर्यात के साथ सबसे बड़ा निर्यातक देश है।
इस संस्थान की स्थापना प्रारंभ में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा 1965 में हैदराबाद में अखिल भारतीय समन्वित चावल सुधार परियोजना के रूप में की गई। तत्पश्चात 1983 में निदेशालय तथा 2014 में संस्थान (भाचाअनुसं) के रूप में इसका उन्नयन किया गया।
हमारे अधिदेश
- सिंचित पारिस्थितिक तंत्र के अंतर्गत चावल की उत्पादकता बढ़ाने हेतु मूलभूत तथा नीतिपरक अनुसंधान।
- विभिन्न पारिस्थितिक तंत्र हेतु स्थान विशिष्ठ किस्मों व प्रौद्योगिकियों के विकासार्थ बहु-स्थानिक परीक्षणों का समन्वय।
- प्रौद्योगिकियों का प्रसार, क्षमता निर्माण तथा संपर्क स्थापित करना।
हमारी दूरदृष्टि (विज़न): खाद्य, पोषण एवं जीविका सुरक्षा को सुनिश्चित करके भारत के चावल कृषकों एवं उपभोक्ताओं की वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों का कल्याण।
हमारा मिशन : चावल की उत्पादकता, संसाधन एवं आगत उपयोग दक्षता तथा पर्यावरण को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किए बिना चावल की लाभप्रदता को बढ़ाने हेतु प्रौद्योगिकियों का विकास।
महत्वपूर्ण शोध उपलब्धियां
देशभर में विभिन्न पारिस्थितिकी में एक फसल हेतु समर्पित 45 (वित्तपोषित) तथा 100 (स्वायत) केंद्रों में कार्यरत 400 से ज्यादा वैज्ञानिकों का विशालतम अनुसंधान संजाल। देशभर में विभिन्न पारिस्थितिकी हेतु आज तक 135 संकर शामिल चावल की 1572 किस्में तथा फसल उत्पादन एवं संरक्षण प्रौद्योगिकियां लोकार्पित।

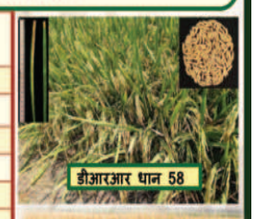

महत्वपूर्ण सांब मसूरी डीआरआर धान 53, 59	उच्च उपज तथा जीवाण्विक पर्ण अंगमारी (बीएलबी) प्रतिरोधी
डीआरआर धान 42	सूखा सहिष्णु
डीआरआर धान 45, 48, 49, 63	जिंक जैव-पौष्टिकीकृत किस्में
डीआरआर धान 50	सूखा तथा जलमग्नता सहिष्णु किस्म
डीआरआर धान 52	पहली ताप सहिष्णु किस्म
डीआरआर धान 54, 55, 57	एरोबिक किस्में - जल बचत
डीआरआर धान 58	पहली लवणता तथा बीएलबी सहिष्णु किस्म
डीआरआर धान 60, 65, 66	न्यून फास्फोरस सहिष्णु किस्में
डीआरआर धान 62	पहली बीएलबी तथा ब्लास्ट प्रतिरोधी किस्म
डीआरआर धान 64	पहली नाइट्रोजन उपयोग दक्षता अगेती किस्म
डीआरआरएच 4	सार्वजनिक क्षेत्र से पहला एरोबिक संकर

भाकृअनुप-भाचाअनुसं, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद 500030, www.icar-iirr.org दूरभाष : 040 24591218

हिन्दी प्रेमियों को हिन्दी दिवस पर हार्दिक बधाई
मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद दक्षिण भारत का गौरवशाली प्रकाशन
मिलिन्द प्रकाशन
(हिन्दी प्रकाशन एवं पुस्तक विक्रेता)
(दक्षिण भारत में 150 हिन्दी प्रकाशकों के प्रमुख विक्रेता)
4-3-178/2, सुल्तान बाजार, हैदराबाद- 500 095
हिन्दी में उत्तम साहित्य हेतु हमारे यहाँ पधारें
या फोन पर सम्पर्क करें
फोन : 040-24753737
मो. 9391052988

HINDI MAHAVIDYALAYA
(Autonomous & NAAC Re-accredited)
(Arts, Commerce, Management, Science and PG centre)
Affiliated to Osmania University: Nallakunta, Hyderabad-500044
Email: info@hindimahavidyalaya.org : Phone: 040-27616330
COMMITED TOWARDS PROFESSIONAL EXCELLENCE IN EDUCATION SINCE 1961
हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं
PROGRAMMES
UG ENGLISH MEDIUM:
B.Com (Computer Applications)
B.B.A (Bachelor of Business Administration)
B.B.A (Business Anyalytics)
B.Sc. (Mathematics, Statistics, Computer Science)
B.Sc. (Mathematics, Physics, Computer Science)
B.Sc. (Mathematics, Physics, Chemistry)
B.Sc.(Biotechnology, Microbiology, Chemistry)
B.Sc. (Biochemistry, Microbiology, Chemistry)
B.Voc (Bachelor of Vocational Programmes) :
B.Voc (Banking and Insurance)
B.Voc (Hospitality & Tourism Administration)
B.Voc (Practical Accounting & Taxation)
PG ENGLISH MEDIUM:
M.Com. M.Sc. (Applied Statistics)
M.Sc.(Mathematics)
HINDI MEDIUM: Inter (CEC)
B.A.(History, Hindi(ML), Political Science)
B.Com (General), M.A. (Hindi)
PROGRAMME HIGHLIGHTS
- Excellent infrastructure
- Qualified and experienced faculty
- Adopting best practices in teaching and learning
- Campus recruitment training and placement services
- Indoor & Outdoor Sports Facility
- Best mentoring and counseling systems
- special focus on NCC and NSS
- Well equipped labs and library
- Hostel facility for girls & boys
- Scholarship for Meritorious and deserving candidates.
- well connected with all modes of transport
Join today for bright future.....
FURTHER DETAILS & ADMISSIONS
CONTACT
040-27616330
Email: info@hindimahavidyalaya.org

प्रगति की ओर अग्रसर हिन्दी महाविद्यालय

दक्षिण की भूमि हैदराबाद के केंद्र में स्थापित संपूर्ण दक्षिण भारत का कल्पवृक्ष हिन्दी महाविद्यालय वर्ष 1961 से अपनी अविराम गतिविधियों एवं उपलब्धियों के कारण नगरद्वय की शिक्षण संस्थाओं का प्रेरणा स्रोत रहा है। महाविद्यालय को सर्वप्रथम वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन समिति द्वारा मान्यता प्रदान की गई। वर्ष 2012 में स्वायत्तता प्रमाण पत्र के साथ संस्था की प्रगति की दिशा में नया अध्याय जुड़ गया है। सितंबर 2017 को महाविद्यालय ने राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन एवं प्रत्यायन का तीसरा चक्र सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए बी. प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। इसी क्रम में अगस्त 2018 को हिन्दी महाविद्यालय ने स्वायत्तता की द्वितीय प्रक्रिया पूर्ण कर ली है।

स्थापना के समय से जिन लक्ष्यों को लेकर यह शिक्षण संस्था आगे बढ़ी उन्हें प्राप्त करते हुए महाविद्यालय प्रबंध समिति के नेतृत्व में ज्ञान ज्योति से निरंतर प्रज्वलित हो रहा है। चेयरमैन एमिरेटस सुरेंद्र लूणिया, अध्यक्ष श्री लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, कार्यदर्शी श्री शीलकुमार जैन संयुक्त कार्यदर्शी सुरेशचंद लाहोटी, कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा एवं समिति के सक्रिय सदस्यों के दिशा-निर्देश में कई कीर्तिमान स्थापित कर रही है और हीरक जयंती की ओर अग्रसर है। राष्ट्र के प्रति सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का निर्वाह करते हुए विभिन्न वर्गों के छात्रों को अद्ययतन एवं शिक्षाजन्य हर संभव सहायता उपलब्ध कराना, तकनीकी ज्ञान प्रदान करना तथा महाविद्यालय में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराना समिति का ध्येय है। इसी को ध्यान में रखते हुए छात्र एवं छात्राओं के लिए हॉस्टल की व्यवस्था की गयी है।

हैदराबाद के भूतपूर्व वित्त मंत्री विनायक राव विद्यालंकार की इच्छा शक्ति का साकार रूप हिन्दी महाविद्यालय ने विगत 57 वर्षों में बार-बार यह सिद्ध किया है कि हिन्दी माध्यम से उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों का भविष्य उत्कृष्ट एवं उज्जवल बना है। सुप्रसिद्ध समाज सेवी पन्नालाल पित्ती जी का संस्था की स्थापना में जो अतुल्य योगदान है वह चिरस्मरणीय है। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय भवन का शिलान्यास आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीलम संजीव रेड्डी के करकमलों से हुआ था। संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त, पूर्व कार्यदर्शी गंगाराम, खंडेराव कुलकर्णी सहित अनेक हिन्दी सेवियों के निःस्वार्थ योगदान और समर्पण की यहाँ की हर शिला साक्षी है।

- डॉ. सुरभि दत्त एवं डॉ. रजनी धारी

सीएसआईआर - भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)
तारनाका, उप्पल रोड, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
सीएसआईआर - आईआईसीटी CSIR - IICT जीवन स्पर्शी Touching Lives
औद्योगिक दृष्टिकोण एवं अकादमिक उत्कृष्टता
विज़न
रसायन विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकी में एक उत्कृष्ट ज्ञान आधार तैयार कर समाज की सेवा करना ।
मिशन
सीएसआईआर-आईआईसीटी नवीन प्रौद्योगिकियों के साथ देश की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए रसायन विज्ञान में ज्ञान-गहन परिवर्तनशील अनुसंधान की दिशा में प्रयास करेगा ।
विश्लेषणात्मक एवं संरचनात्मक रसायन विज्ञान
अनुप्रयुक्त जीवविज्ञान
उत्प्रेरण एवं सूक्ष्म रसायन
ऊर्जा एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी
फ्लोरो एवं कृषि-रसायन
प्राकृतिक उत्पाद एवं औषधीय रसायन विज्ञान
तेल, लिपिड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
कार्बनिक संश्लेषण एवं प्रक्रिया रसायन विज्ञान
बहुलक एवं क्रियात्मक पदार्थ
रासायनिक अभियांत्रिकी एवं प्रक्रम प्रौद्योगिकी
व्यावसायीकरण की संकल्पना
विभिन्न दक्षताओं वाले वैज्ञानिक
युवा शोधकर्ताओं का व्यापक समूह
विश्लेषणात्मक समाधान / विनियामक अनुपालन
समृद्ध संसाधनों से युक्त महत्वपूर्ण पुस्तकालय
राष्ट्रीय मोल बैंक
पशु गृह
किलो लैब
एचआरएमएस एवं एमएएलडीआई-एमएस
एफईएसईएम, टीईएम, एएफएम, ईएससीए
एकल क्रिस्टल एवं पाउडर एक्सआरडी
S20 SCIENCE 2023 INDIA G20 भारत 2023 INDIA

संपर्क विवरण:
निदेशक
सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान
तारनाका, हैदराबाद – 500 007, तेलंगाना, भारत
दूरभाष: +91-40-2719-3030 : फैक्स: +91-40-2719-0387
ईमेल: director@iict.res.in
वेबसाईट: www.iict.res.in

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद- 500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of AYUSH, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 036, T.S. India.
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA
हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं
भारतीय परंपरागत चिकित्सा सम्पदा के संरक्षण व संवर्धन में सभी का योगदान जरूरी
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद विगत कई दशकों से "आयुष चिकित्सा संपदा' और "साहित्यिक अनुसंधान' के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। संस्थान में स्थित वैद्यकीय-ऐतिहासिक (मेडिको-हिस्टोरिकल) संग्रहालय हमारे देश का एक अनूठा संग्रहालय हैं, जहाँ भारत के विभिन्न चिकित्सा प्रणालीयों से जुड़े संपदा को संरक्षित करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस संग्रहालय में पुरातात्विक कलाकृतियाँ, पांडुलिपियाँ, विभिन्न लोक प्रचलित चिकित्सा प्रथाएं, और एतद् संबंधित अन्य सामग्रीयों का संरक्षण किया है । यह हमारे उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी है। यह वैद्यकीय-ऐतिहासिक अभ्यास में रुचि रखने वाले इतिहासकारों, वैज्ञानिकों और अन्य विद्वानों को मार्गदर्शक के स्वरूप कार्य कर रही है । साथ ही संग्रहालय को भेंट देने वाले विद्यार्थी, शिक्षकों और जनसमान्यों में हमारे चिकित्सकीय धरोहर के बारे में जागृती निर्माण कर उन्हे इसके संरक्षण प्रति प्रेरित भी कर रही हैं ।
संस्थान के ग्रंथालय में आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्धा, यूनानी, तथा आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों से संबंधित पांडुलिपियाँ, दुर्लभ ग्रंथ, पत्रिकायें आदि साहित्य सामग्री भी उपलब्ध है । साथ ही संस्थान में इनके अधिग्रहण, संरक्षण, डिजिटलीकरण, कैटलॉगिंग, संपादन, प्रतिलेखन, अनुवाद और प्रकाशन का कार्य भी निरन्तर रूप से चल रहा है। जिस कार्य को संस्थान के आयुष पांडुलिपियाँ उन्नत भंडार (अमर) नामक वेब पोर्टल https://niimh.nic.in/amar से भी समझ सकते है। इस सूचना प्रौद्योगिकी के प्रगत दौर में पांडुलिपियाँ, मूल ग्रंथों आदि के दस्तावेज़ीकरण और संरक्षण में उनका डिजिटलीकरण करना एक मात्र कारगर उपाय है। जिसके माध्यम से हम भविष्य की पीढ़ी को ज्ञान का विस्तृत भंडार प्रदान करने में सक्षम होंगे तथा इनका संग्रह कर उनकी सुरक्षा एवं संवर्धन करने के नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाहन कर सकते है।
पांडुलिपियों के संग्रह में हमारा देश संभवता विश्व में प्रथम स्थान ग्रहण करता है, क्योंकि हमारे देश के विभिन्न संग्रहालयों में अनुमानतः 1 करोड़ से भी ज्यादा पांडुलिपियाँ उपलब्ध है। फिर भी चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी ज्यादातर पांडुलिपियाँ, पुरानी किताबें और पुरातात्विक सामग्रीयाँ उनके अध्ययन तथा अनुसंधानात्मक कार्य हेतु उपलब्ध नहीं हैं यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है । ज्यादातर सामग्री लोगों के व्यक्तिगत संग्रहालय में कैद है और वे केवल शोभा बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। इसके सिवाय हमारे देश के कई ऐसे ग्रंथालय भी हैं जहाँ यह ग्रंथ सम्पदा उपलब्ध है पर न तो उनकी सूची पत्रिकायें तैयार की गयी हैं और न तो वे डिजिटल फॉर्म में उपलब्ध हैं। जिसके कारण चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी जानकारी को जनसमान्यों तक पहुंचाना एक दुष्कर कार्य हो जाता है।
इस लेख/विज्ञापन के माध्यम से आप सभी विद्वानों से विनम्रतापूर्व अनुरोध है कि यदि आपके पास भी कोई पांडुलिपियाँ अथवा पुरानी ग्रंथ-संपदा जैसे कि- आयुर्वेद, युनानी, सिद्धा, योग एवं प्रकृति चिकित्सा, पशु चिकित्सा, वृक्षायुर्वेद, होमियों कि पुरानी किताबें आदि या अन्य पुरातात्विक सामग्री जैसे कि - सिक्के, कलाकृतियाँ, मिट्टी/धातु के बर्तन, मूर्तियां, चिकित्सकीय यंत्र-उपकरण एवं शस्त्र आदि उपलब्ध हो तो उस सामग्री को जनकल्याण के उद्देश से हमारे संस्थान को भेंट कर सकते है ।आप इस विज्ञापन के प्रचार प्रसार हेतु इसे आपके स्वजनों के साथ भी साझा कर सकते हैं। आपके सहयोग एवं योगदान को इस संस्थान द्वारा यक़ीनन अभिस्वीकृत किया जाएगा। यह निश्चित रूप से हमारे उच्चकोटी के भारतीय चिकित्सा संपदा के संरक्षण में एक सराहनीय कार्य होगा और संपूर्ण भारतीय चिकित्सा विज्ञान आपका हमेशा आभारी रहेगा। इस परिपेक्ष में संस्थान द्वारा आपको प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा तथा आपके द्वारा भेंट की गयी सामग्री को आप के नाम के साथ ही संरक्षित किया जाएगा । आप हमारे संस्थान के वेब साईट https://niimh.nic.in को अवश्य भेंट करें या आप नीचे दिए पते और ईमेल पर भी हमसे संपर्क कर सकते हैं।
जय हिन्द, जय आयुर्वेद!!

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करे
Phone: 040-24067388, 9531830002
E mail: niimh.hyderabad@gmail.com

लीबिया में लाशों से भर गए अस्पताल, बाढ़ ने मचाई तबाही

5300 से ज्यादा मौत,10000 लोग लापता

डर्ना, 13 सितंबर (एजेंसियां)। लीबिया उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में विनाशकारी तूफान 'डेनियल' के बाद आई बाढ़ ने तबाही रखा है। अब तक बाढ़ के कारण करीब 5300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दस हजार से अधिक लोग अब भी लापता है। ऐसे में मृतकों की संख्या में अभी बढ़ोतरी हो सकती है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ का कहर लीबिया के पूर्वी इलाके में देखने को मिला है, जहां डर्ना शहर पूरी तरह तबाह हो गया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद अबू-लामोशा के मुताबिक, डर्ना में मरने वालों की संख्या 5300 से अधिक हो गई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पहले से ही बाढ़ग्रस्त इलाकों में दो बांध के टूट जाने से पानी का सैलाब आ गया,जिसमें हजारों लोग बह गए। जिनमें से अधिकांश लोग अब भी लापता हैं। बताया जा रहा है कि डर्ना शहर का एक चौथाई हिस्सा बर्बाद हो चुका है। इंटरनेशनल

बांध टूटने के बाद बाढ़ ने मचाई तबाही

पूर्वी लीबिया के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 1,000 से अधिक लाशें एकत्र की गईं, जिनमें से अब तक कम से कम 700 को दफनाया जा चुका है। डर्ना के एम्बुलेंस प्राधिकरण ने 2,300 लोगों की मौत की पुष्टि की है। गौरतलब है कि रविवार रात डेर्ना और पूर्वी लीबिया के अन्य हिस्सों में बाढ़ ने जमकर तबाही मचाई। रिपोर्ट के अनुसार, जैसे ही तूफान ने तट पर दस्तक दी, डर्ना निवासियों ने कहा कि उन्होंने जोरदार विस्फोटों की आवाज सुनी और महसूस किया कि शहर के बाहर के बांध ढह गए हैं।

शहर हो चुका है तबाह

रिपोर्ट के अनुसार, आपदा आने के 36 घंटे बाद भी राहत और बचाव कार्य जारी है।

मौजूदा हालत को देखते हुए देश के अन्य हिस्सों से राहत और बचाव कर्मियों को बुलाया गया है।

89,000 की आबादी वाले शहर की सड़कें बाढ़ के कारण बह गईं हैं,

ऐसे में रेस्क्यू अभियान में दिक्कतें आ रहीं हैं।

डर्ना के डिप्टी मेयर अहमद मद्रौद ने अल जज़ीरा को बताया कि शहर का कम से कम 20 प्रतिशत हिस्सा नष्ट हो गया है।

फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस और टेड क्रिसेंट सोसाइटीज के लीबिया के दूत टैमर रमदान ने बताया है कि बाढ़ के बाद से 10 हजार लोग लापता हैं।

चारों तरफ बिखरी पड़ी हैं लाशें

लीबिया के आपदा मामलों के मंत्री हिचेम चिकीओत ने बताया कि मैं डर्ना के विनाशकारी बाढ़ को देखकर लौटा हूं। जहां चारों तरफ लाश बिखरे पड़े हैं। अस्पतालों में शव रखने की जगह कम पड़ रही है। ऐसे में मृतकों की संख्या की सही पुष्टि कर पाना अभी मुमकिन नहीं है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को सैनिकों, सरकारी कर्मचारियों, स्वयंसेवकों सहित अन्य स्थानीय आपातकालीन अधिकारियों ने मृतकों की तलाश के लिए मलबे में खुदाई की। उन्होंने पानी में मौजूद परिवारों के शव को निकालने के लिए नावों का भी इस्तेमाल किया। बता दें कि यह तबाही डेनियल नाम के तूफान से आई है। इसने पिछले हफ्ते ग्रीस में भी काफी नुकसान किया था।

शिमला में आपदा प्रभावित परिवारों से मिलीं प्रियंका, बोलीं- हर संभव मदद करे केंद्र सरकार

शिमला, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बुधवार सुबह 9:00 बजे शिमला शहर के आपदा प्रभावित वार्डों का दौरा करने पहुंची। प्रियंका ने समरहिल के शिव बावड़ी क्षेत्र का दौरा किया और प्रभावित परिवारों से मिलकर उनका दुख दर्द बांटा। प्रियंका ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी प्रदेश में राष्ट्रीय आपदा घोषित करें। प्रदेश में यह न देखा जाए कि यहां कांग्रेस की सरकार है। बिल्कुल भी राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। केंद्र को हर संभव मदद करनी चाहिए। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। समरहिल के शिव बावड़ी क्षेत्र में 21 लोगों की मलबे में दबने से मौत हो गई थी।

गृहमंत्री मिश्रा के गृह जिले दतिया में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, गोलीबारी में पांच की मौत, कई घायल

दतिया, 13 सितंबर (एजेंसियां)। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के गृह जिले दतिया के एक गांव में बुधवार को खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जमकर फायरिंग की। इसमें पांच लोगों की मौत हुई है। कई लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों गुटों में जमीन का विवाद था। पंचायत करने दोनों पक्ष इकट्ठा हुए थे। जिनकी मौत हुई है, उनमें एक पक्ष के तीन और दूसरे पक्ष के दो लोग हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है। घटना दतिया जिला मुख्यालय से दस किलोमीटर दूर सिविल लाइन थाना इलाके के रेडा गांव में हुई। यह गांव दतिया से इंदरगढ़ जाने वाले मुख्य मार्ग पर है। गांव में दातर दांगी और पाल समाज के लोग रहते हैं। दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद है।इस विवाद को सुलझाने के लिए गांव में दोनो पक्षों की पंचायत बुलाई गई थी। इसमें दोनो पक्षों में विवाद हो गया। पंचों के समझाने के बावजूद विवाद बढ़ता गया और हिंसक हो गया।

गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में इमरान खान की बढ़ी मुश्किलें

26 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे

इस्लामाबाद, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने बुधवार को गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में इमरान खान की न्यायिक हिरासत 26 सितंबर तक बढ़ा दी है। अदालत के इस आदेश से इमरान खान की जल्द जेल से बाहर आने की उम्मीदों को झटका लगा है। गोपनीय दस्तावेज लीक मामले की सुनवाई सुरक्षा कारणों से अटक जेल में ही हुई। सुनवाई के दौरान जज अब्दुल हसनत जुल्कारनैन ने इमरान खान की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। गोपनीय दस्तावेज लीक मामले में

ही इमरान खान के करीबी सहयोगी और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी भी हिरासत में हैं। उनकी भी न्यायिक हिरासत 26 सितंबर तक बढ़ा दी गई। यह जानकारी तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) ने एक संक्षिप्त व्हॉट्सएप संदेश में दी है।

अटक जेल में हुई सुनवाई

बता दें कि इमरान खान पर आरोप है कि बीते साल एक रैली के दौरान इमरान खान ने सरकारी गोपनीय दस्तावेज लहराया था। हालांकि पूछताछ के दौरान इमरान खान ने जांच एजेंसियों के सामने कबूला है कि उनसे वह दस्तावेज गुम हो गया है। तोशाखाना मामले में इमरान खान बीती 5 अगस्त से पंजाब की अटक जेल में बंद हैं। 29 अगस्त को इस्लामाबाद हाईकोर्ट की दो सदस्यी पीठ ने इमरान खान की सजा को निलंबित करते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दिया था। हालांकि आदेश के बावजूद इमरान खान की रिहाई नहीं हो सकी क्योंकि गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में अदालत ने इमरान खान को जेल में ही रखने और 30 अगस्त को सुनवाई के दौरान पेश करने का आदेश दिया था। बता दें, इस मामले को सिफर मामले के नाम से भी जाना जाता है।

आईएमडी ने ओडिशा में भारी बारिश का अनुमान जताया

भुवनेश्वर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने के साथ ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र अगले 24 घंटों में और तीव्र होने की संभावना है और इसके प्रभाव से अगले 24 घंटों में भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि दक्षिण ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, राज्य में चार स्थानों पर अत्यधिक भारी और 16 स्थानों पर भारी बारिश हुई है। बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक जिन स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा दर्ज की गई है, उनमें कालाहांडी जिले में लांजीगढ़ (156।4 मिलीमीटर), कंधमाल जिले में दरिंगबाड़ी (128 मिलीमीटर), मलकानगिरी जिले में चित्रकोंडा (117 मिलीमीटर), बारगढ़ जिले में अताबिरा (116 मिलीमीटर), कंधमाल जिले में टिकाबली (114 मिलीमीटर) और गंजम जिले में भंजनगर (102 मिलीमीटर) शामिल हैं। इससे पहले आईएमडी ने बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक मलकानगिरी, कोरापुट, नबरंगपुर, कालाहांडी, बोलनगीर, कंधमाल जिलों में छिटपुट जगहों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (सात से 20 सेंटीमीटर) और अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी (20 सेंटीमीटर से अधिक) बरसात का 'रेड अलर्ट' जारी किया था। आईएमडी ने नुआपाड़ा, सोनपुर, बौध, नयागढ़, खोरधा, पुरी, रायगढ़ा, गंजम, गजपति जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी से

बहुत भारी वर्षा (सात से 20 सेंटीमीटर) होने का 'ऑरेंज अलर्ट' (तैयार रहें) भी जारी किया था। इसी तरह आईएमडी ने बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे से बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक कटक, ढेंकानाल, अंगुल, नयागढ़, बौध, सोनपुर, कंधमाल, गंजम जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश (सात से 20 सेंटीमीटर) के साथ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी (20 सेंटीमीटर से अधिक) की लाल चेतावनी जारी की। आईएमडी ने बुधवार को जाजपुर, जगतसिंहपुर, खोरधा, पुरी, गजपति, रायगढ़ा, नबरंगपुर, कालाहांडी, नुआपाड़ा, बोलनगीर, बरगढ़, संबलपुर जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (सात से 20 सेंटीमीटर) होने की 'ऑरेंज चेतावनी (तैयार रहें) जारी की। आईएमडी ने बृहस्पतिवार सुबह साढ़े आठ बजे से शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक कोरापुट, नबरंगपुर, नुआपाड़ा, बोलनगीर, कालाहांडी, कंधमाल, रायगढ़ा, गजपति, गंजम जिलों में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (सात से 20 सेंटीमीटर) होने की 'ऑरेंज' चेतावनी (तैयार रहें) का अनुमान जताया है।

चीन ने ताइवान में फिर की घुसपैठ की कोशिश, 28 लड़ाकू विमानों ने हवाई क्षेत्र में भरी उड़ान

बिजिंग, 13 सितंबर (एजेंसियां)। चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आए दिन वह ताइवान के इलाके में घुसपैठ की कोशिश करता है। साथ ही ताइवान को धमकाता भी है। ताइवान ने चीन की इस कारस्तानी की कई बार दुनिया के बड़े देशों और यूएन से शिकायत भी की है। लेकिन चीन है कि मानता नहीं है। वह ताजा मामले में ताइवान के इलाके में एक बार फिर चीनी विमानों की घुसपैठ की खबर है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बुधवार को एक बार फिर चीन ने ताइवान में घुसपैठ की कोशिश की। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी देते हुए कहा कि उसने बुधवार सुबह अपने वायु रक्षा क्षेत्र में 28 चीनी वायु सेना के विमानों को देखा। बीजिंग के द्वारा किए गए इस हरकत को ताइपे हमेशा से इसे नियमित उत्पीड़न कहता आ रहा है।

हांगकांग में भारतीय पुरुष पर दक्षिण कोरियाई महिला से छेड़छाड़ का आरोप

हांगकांग, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हांगकांग में एक दक्षिण कोरियाई महिला के साथ कथित तौर पर एक भारतीय व्यक्ति ने छेड़छाड़ की। जब महिला लाइव स्ट्रीमिंग कर रही थी तो यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस के मुताबिक ये घटना हांगकांग के सेंट्रल एमटीआर गेट पर हुई। भारतीय व्यक्ति बार-बार महिला को अपने साथ चलने को मजबूर कर रहा था। सोशल मीडिया पर महिला का वीडियो वायरल है, जिसमें वह असहज होती दिख रही हैं। वीडियो के अनुसार पहले पुरुष ने महिला से आकर मदद की मांग की, उसके बाद वह उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। महिला एक एक व्लॉगर हैं और वह हांगकांग में यात्रा कर रही थी, इस दौरान वह अपनी यात्रा को कैमरे में कैद कर रही थी।

कुमारी सैलजा ने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को निशाने पर लिया, प्रभारी के रवैये पर उठाए सवाल

हिसार, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हिसार में पहुंची कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा ने जिलाध्यक्ष के मुद्दे पर कई गम्भीर सवाल उठाए हैं। सैलजा ने कहा कि ये कोई सरकारी नौकरी थोड़ी थी, जो फार्म भरवाए गये है। उन्होंने पर्यवेक्षकों द्वारा सरे आम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को सीएम बनाये जाने के दिये गए बयानों पर भी ऐतराज जताया। कुमारी सैलजा से पूछा गया कि क्या दीपक बाबरिया से चूक हुई है, तो उन्होंने इस पर भी खुल कर बात कहीं, और कहा कि सबको पता हैं कि पर्यवेक्षक कौन थे। कुमारी सैलजा ने पहली बार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के बारे में कहा कि एक तरफ तो राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे सीधा मोदी की नीतियों को कोसते हुए सच्चाई जनता को बताते हैं तो दूसरी तरफ कुछ मित्रता निभा रहे है, मेहनतकश वर्करों की नज़र आन्दाजगी नहीं होने दी जाएगी। सैलजा ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा खुद को सीएम पद का प्रबल दावेदार बताए जाने पर कहा कि ये हाईकमान तय करता है, पब्लिकली बोलने की जरूरत ही क्या हैं? सैलजा ने खुद के बारे में कहा कि वैसे तो पार्टी सब तय करती हैं, लेकिन उनका मन है कि इस बार वो विधानसभा का चुनाव लड़े। सैलजा ने इस दौरान इंडिया को लेकर आप पार्टी और इनेलो द्वारा दिये जा रहे बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी, और कहा कि यह

वियतनाम के हनोई में नौ मंजिला अपार्टमेंट में लगी आग

30 लोगों की मौत की खबर; 50 घायल

हनोई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। वियतनाम की राजधानी हनोई में नौ मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक में भीषण आग लगने से तीस लोगों की जान गई है। न्यूज एजेंसी ने आधिकारिक समाचार एजेंसी का हवाला देते हुए कहा कि बुधवार को वियतनाम की राजधानी हनोई में नौ मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक में आग लगने से 30 लोगों के मारे जाने और पचास लोगों के घायल होने की आशंका है। वहीं, अबतक अधिकारियों ने मौतों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। आधिकारिक वियतनाम समाचार एजेंसी (वीएनए) ने कहा कि 150 निवासियों वाली इमारत में आधी रात को आग लगी। एजेंसी द्वारा दिए गए जानकारी में बताया गया कि आग लगने के बाद देर रात 2 बजे (1900 जीएमटी) तक उसपे काबू पा लिया गया था। न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से लगभग एक दर्जन लोगों के मरने की आशंका बताई जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया कि आग पर काबू पा लिया गया है लेकिन बचाव कार्य जारी है।

पुलिस कर रही आग लगने के कारणों की जांच

टेलीविजन में दिखाई जा रही तस्वीरों में रात में घटनास्थल पर सीढ़ी से लैस अग्निशामकों को दिखाया गया, जबकि दिन के दौरान इमारत से घने, गहरे धुएं का गुबार निकलता दिखाई दिया। एजेंसी ने कहा कि पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर में 3 लोगों के हत्याकांड के बाद बंदूकधारियों ने बमों से किया हमला

इंफाल, 13 सितंबर (एजेंसियां)। हिंसाग्रस्त मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले के एक गांव में अज्ञात बंदूकधारियों ने लोगों पर हमला किया और बम फेंके। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि संदेह है कि हमलावर प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों के सदस्य थे। इंफाल वेस्ट जिला कांगपोकपी से सटा है, जहां एक दिन पहले तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी।

अधिकारियों के मुताबिक, कौतरुक गांव में देर रात हथियारबंद लोगों ने कम से कम 10 बम फेंके। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बम फेंके जाने से गांववालों के बीच अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने कहा कि इलाके में तैनात भारतीय रिजर्व बटालियन के जवानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलीबारी की। इससे पहले, कांगपोकपी जिले के खारम वाईफेई जिले के पास मंगलवार सुबह अज्ञात हथियारबंद लोगों ने आदिवासी समुदाय के तीन सदस्यों की हत्या कर दी थी।

यूएस: पुलिस कार टकराने से हुई थी भारतीय मूल की महिला की मौत

कैमरे में मजाक करते रहे पुलिसकर्मी, बिठाई गई जांच

वॉशिंगटन, 13 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के सिएटल पुलिस के यूनियन लीडर के खिलाफ एक भारतीय मूल की महिला की मौत के बारे में मजाक करने के मामले में जांच शुरू की गई है। दरअसल, इस साल जनवरी में पुलिस की वाहन से टक्कर के बाद महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद कैमरे में सिएटल पुलिस यूनियन के लीडर को महिला की मौत पर हंसते और मजाक करते हुए रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार को सिएटल पुलिस विभाग ने अधिकारी जेनियल ऑडिरेर के बॉडी कैमरे की वीडियो फुटेज जारी की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब यह घटना घटी तब ऑडिरेर अपना बॉडी कैमरा ऑन रखा था। पुलिस वाहन चला रहे केविन डेव ने भारतीय मूल की महिला जाह्नवी कमडुला को टक्कर मारी, जिसमें महिला की मौत हो गई।

इस घटना के एक दिन बाद पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मी वाहन चलाते समय फोन कॉल में व्यस्त था। वीडियो फुटेज में वाहन चलाते समय उसे किसी से फोन पर बात करते हुए सुना गया। वीडियो में ऑडिरेर को हंसने से पहले यह कहते हुए सुना गया कि वह मर चुकी है। महिला को देखते हुए पुलिसकर्मी ने कहा कि यह एक आम व्यक्ति है। वीडियो के अंत मं उसे हंसकर यह कहते हुए सुना गया कि हां 11 हजार डॉलर का एक चेक लिखो। वह 26 की है, उसका मूल्य सीमित है।

महाभियोग के चक्र में फंसे जो बाइडन

कैसे और क्या होगी प्रक्रिया? झूठ बोलने का आरोप

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की बढ़ी मुश्किलें
अमेरिकी संविधान में महाभियोग को लेकर क्या है प्रक्रिया?
अगले साल 2024 में होगा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

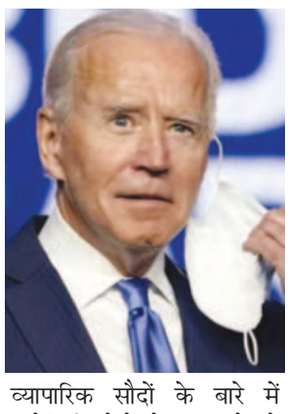

वाशिंगटन, 13 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति भारी मुसीबत में घिर गए है। रिपब्लिकन सांसदों ने जो बाइडन के खिलाफ महाभियोग की जांच शुरू कर दी है। रिपब्लिकन हाउस के सदस्यों ने डेमोक्रेट बाइडन पर अपने बेटे हंटर के विदेश में विवादास्पद व्यापारिक सौदों के बारे में अमेरिकी लोगों से 'झूठ' बोलने का आरोप लगाया है। बता दें कि अगले साल 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव होने है और इससे पहले ही जो बाइडन पर मुसीबतों को पहाड़ टूट पड़ा है। क्या और कैसे होगी प्रक्रिया? आइये जान लेते है।

क्या होगी प्रक्रिया?

अमेरिकी संविधान में प्रावधान है कि कांग्रेस 'देशद्रोह, रिश्वतखोरी या अन्य उच्च अपराधों और दुष्कर्मों' की स्थिति में राष्ट्रपति पर महाभियोग चला सकती है। इसकी जांच संसदीय समिति द्वारा की जाएगी। महाभियोग की प्रक्रिया दो चरण में चलाई जाती है। सबसे पहले, निचले प्रतिनिधि सभा में राष्ट्रपति के खिलाफ लगाए गए आरोपों का विवरण और महाभियोग पर साधारण बहुमत से मतदान होता है। इसके बाद सीनेट राष्ट्रपति पर मुकदमा चलाती है। बहस के बाद, 100 सीनेटर हर एक आर्टिकल पर वोट करता है। दोषी ठहराने के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, अगर ऐसा नहीं हो पाया तो राष्ट्रपति को बरी कर दिया जाता है। जानकारी के लिए बता दें कि किसी भी राष्ट्रपति को महाभियोग द्वारा कभी भी पद से हटाया नहीं गया है। जब डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर थे तब सदन ने 2019 में और फिर 2021 में उन पर महाभियोग आर्टिकल को मंजूरी दी थी। हालांकि, दोनों बार में ही सीनेट ने ट्रंप को बरी कर दिया था। वर्तमान में अमेरिकी सीनेट पर डेमोक्रेट्स का नियंत्रण है, जिससे बाइडन पर महाभियोग की जांच चलाना असंभव माना जा रहा है।

नीट की कोचिंग में छात्रा से अश्लील हरकत, परिजन ने टीचर को निर्वस्त्र करके पीटा

इंदौर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर की एक नीट कोचिंग के टीचर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत की। छात्रा ने यह बात परिजन को बताई तो परिजन भड़क उठे और सीधे कोचिंग पहुंच गए। कोचिंग से ही टीचर की कुटाई शुरू कर दी और पीटते हुए उसे थाने लाए। परिजन ने टीचर को निर्वस्त्र करके पूरे रास्ते पीटा। मामला तुकोगंज इलाके की कोचिंग का है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने छात्रा से बातचीत करने के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तुकोगंज थाना प्रभारी जितेंद्र यादव ने बताया कि खरगोन की रहने वाली 17 वर्षीय छात्रा इंदौर के एक कोचिंग इंस्टीट्यूट में नीट की तैयारी कर रही है।

राजगढ़ के अलावा इंदौर और सरदारपुर में भी होगी प्रियंका की सभा और रोड शो

इंदौर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने भी विधानसभा चुनाव में मालवा निमाड़ पर फोकस कर रखा है। चुनाव अभियान के पहले दौर में इस हिस्से में प्रियंक गांधी वाड्रा की तीन आमसभाएं और रोड शो हो रहे है। धार जिले के मोहनखेड़ा के अलावा सरदारपुर में प्रियंका की जनसभा होगी। प्रियंका गांधी वाड्रा विधानसभा के चुनावी अभियान की शुरुआत मालवा निमाड़ से करने जा रही है। दो ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा इंदौर में भी प्रियंका का रोड शो और आमसभा होगी, हालांकि इसकी तिथि अभी तय नहीं है। शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को 15 सितंबर को इसकी तैयारियों के सिलसिले में भोपाल बुलाया गया है। प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला बैठक लेकर आगे की रणनीति पदाधिकरियों को बताएंगे। बैठक में इंदौर में प्रियंका की सभा की तिथि व रुट फायनल होगा। माना जा रहा है कि 15 अक्टूबर के बाद ही इंदौर में उनकी सभा होगी। प्रियंका ने पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में इंदौर में रोड शो किया था। इसके अलावा मालवा निमाड़ में जब भारत जोड़ो यात्रा ने प्रवेश किया था तो प्रियंका अपने पति राबर्ड वाड्रा के साथ शामिल हुई थी और तीनों ने ओम्कारेश्वर में पूजा भी की थी। प्रियंका 5 अक्टूबर को जैन तीर्थ मोहनखेड़ा में जनसभा को संबोधित करेगी। इसके अलावा सरदारपुर में भी एक सभा में प्रियंका भाग लेंगी।

'गाड़ी में पेट्रोल खत्म,बीमार बच्चे को लेने स्कूल कैसे जाऊं'

पेट्रोल लेने के लिए भटक रहे लोग

बोले- सरकार को जनता की कोई फिक्र नहीं

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में वैट कम करने की मांग को लेकर आज 7000 से ज्यादा पेट्रोल पंप सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बंद है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है। लोग अपनी गाड़ियों में पेट्रोल और डीजल भराने के लिए अब दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर हो रहे हैं।

राजधानी जयपुर में भी हालात काफी बिगड़ गए हैं। सिरसी रोड, 200 फीट बाइपास, वैशाली नगर, एमआई रोड और मानसरोवर, राजा पार्क में बड़ी संख्या में वाहन चालक पेट्रोल पंप संचालकों से पेट्रोल और डीजल की मांग को लेकर परेशान होते नजर आए। इस दौरान कुछ पेट्रोल पंप पर महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ परेशान होती नजर आईं। वहीं कुछ जगहों पर आम जनता पेट्रोल पंप संचालकों से ही उलझ गई। इस दौरान बमुश्किल समझाइश कर मामला शांत करवाया गया।

पेट्रोल पंप संचालकों की हड़ताल आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन गई है। जयपुर के सिरसी रोड स्थित कालरा पेट्रोल पंप पर अशोक नागर अपनी बाइक लेकर पहुंचे थे। इसमें पेट्रोल खत्म हो गया था, लेकिन लाख मिन्नतें करने के बाद भी पेट्रोल पंप संचालकों ने उनकी बाइक में पेट्रोल नहीं भरा। बल्कि उनको शाम 6 बजे तक इंतजार करने की बात कही। यह बात बोलने पर नागर नाराज हो गए।

उन्होंने कहा कि मुझे किसी काम से जाना था, लेकिन बाइक में पेट्रोल खत्म हो गया और मुझे परेशान होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा- सरकार की लापरवाही का नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है। वैट के मुद्दों पर सरकार को समय रहते पेट्रोल पंप मालिकों से बात करनी थी, ताकि आम जनता को दर-दर की ठोकर नहीं खानी पड़े।

अपनी बाइक में पेट्रोल भराने के लिए परेशान होते जयपुर के सोनू शर्मा ने कहा कि मैं मार्केटिंग का काम करता हूं। आज पेट्रोल नहीं होने की वजह से मेरा काम पूरी तरह से ठप हो चुका है। जब तक पेट्रोल नहीं मिलेगा। मैं अपनी

आजीविका के लिए काम नहीं कर पाऊंगा। सरकार को इतने बड़े प्रदर्शन से पहले आम जनता के लिए जरूर सोचना चाहिए था। सरकार बेशर्म हो चुकी है

सोनू ने कहा- वैसे भी सरकार कभी नोट बंद कर देती है। कभी पेट्रोल बंद कर देती है। जनता की कोई फिक्र नहीं करती है। बड़े लोगों को तो सभी सुविधाएं आसानी से मिल जाती है, लेकिन गरीब लोगों को हर एक चीज के लिए घंटों लाइनों में लगना पड़ता है।

जयपुर के MI रोड पर पेट्रोल भराने के लिए परेशान होती दिखी रश्मि ने कहा- आज बच्चे की तबीयत खराब हो गई है। मुझे बच्चे को लेने स्कूल जाना था, लेकिन गाड़ी में पेट्रोल नहीं इस वजह से जगह-जगह परेशान हो रही हूं। पेट्रोल पंप संचालकों से मिन्नतें कर रही हूं, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पेट्रोल पंप संचालक शाम 6 बजे बाद आने की बात कह रहे हैं। आखिर उन्हें कैसे समझाऊं कि मेरा बच्चा बीमार है और स्कूल में परेशान हो रहा है।

मानसरोवर में कोचिंग करने वाले स्टूडेंट रमेश जाट ने कहा- सरकार और पेट्रोल पंप संचालकों की लड़ाई का सबसे ज्यादा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ रहा है। आज मैं पेट्रोल नहीं होने की वजह से कोचिंग नहीं जा पा रहा हूं। सिर्फ मैं ही नहीं बल्कि मुझ जैसे सैकड़ों स्टूडेंट इस परेशानी से जूझ रहे हैं, लेकिन इसका कोई समाधान नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा- ऐसे हालात पैदा होने से पहले ही सरकार को इस तरह की समस्याओं का समाधान करना चाहिए था। वक्त रहते पेट्रोल पंप संचालकों से बातचीत कर हड़ताल नहीं होनी देनी चाहिए थी, क्योंकि पेट्रोल रोजमर्रा के जीवन की ऐसी वस्तु बन चुका है। इसके बिना न सिर्फ गाड़ियों के पहिए बल्कि जीवन के पहिए भी रुक सकते हैं।

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि हमने हड़ताल से 2 सप्ताह पहले ही सरकार तक अपनी जायज मांगें पहुंचाई थी, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। इसलिए आज मजबूरन हमें 8 घंटे पंप बंद रखने का फैसला लेना पड़ा है। गुरुवार को भी इसी तरह सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक पेट्रोल पंप बंद रखेंगे। इस दौरान न तो पेट्रोल बेचा जाएगा और न ही पेट्रोल-डीजल खरीदा जाएगा। अगर इसके बाद भी सरकार ने हमारी मांगों को पूरा नहीं किया तो 15 सितंबर से प्रदेशभर के पेट्रोल पंप अनिश्चित कालीन वक्त के लिए बंद कर दिए जाएंगे।

जयपुर में कांग्रेस की बैठक में विवाद

पायलट समर्थक महासचिव बोले- मुझे किसके कहने पर पुलिस ने बैठक में आने से रोका?

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों में उम्मीदवारों को लेकर राय शुमारी चल रही है। इसमें अब ब्लॉक वार कांग्रेस की बैठकों में आपसी गुटबाजी सामने आने लगी है। कृषि मंत्री लालचंद कटारिया के विधानसभा क्षेत्र झोटवाड़ा में दो ब्लॉक की फीडबैक बैठक में सचिन पायलट समर्थक प्रदेश महासचिव राजेश चौधरी को रोके जाने पर विवाद बढ़ गया।

प्रदेश महासचिव राजेश चौधरी ने फीडबैक बैठक में पुलिस से रोके जाने का आरोप लगाते हुए खरी खोटी सुनाई। इससे बैठक में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि बैठक बीच में छोड़नी पड़ी।

पायलट समर्थक राजेश चौधरी झोटवाड़ा सीट से कांग्रेस में टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। कांग्रेस पर्यवेक्षक हर सीट पर ब्लॉक वार बैठकें करके फीडबैक ले रहे हैं। इस दौरान झोटवाड़ा और वैशाली नगर ब्लॉक की साझा बैठक रखी गई थी। इस बैठक में पर्यवेक्षक और मंत्री की मौजूदगी में जब आरोप लगाने शुरू किए तो विवाद हो गया। राजेश चौधरी ने कहा- मुझे किसके कहने पर पुलिस ने बैठक में आने से रोका? इसमें मंत्री की शह नहीं है क्या? अगर नहीं है तो मुझे रोकने वाले पुलिस अफसरों पर एक्शन लीजिए।

राजेश चौधरी के बोलते ही मंत्री लालचंद कटारिया के समर्थक भी भड़क गए। मंच पर चढ़ गए। विवाद इतना बढ़ा कि बैठक बीच में ही खत्म करनी पड़ी। धक्का मुक्की के हालात बन गए। हंगामा बढ़ने पर पर्यवेक्षक और मंत्री बैठक से चले गए। दोनों के समर्थकों में इसके बाद कहासुनी होती रही।

राजेश चौधरी बोले- मुझे ब्लॉक अध्यक्ष ने बैठक में बुलाया था, पुलिस ने किसके आदेश से रोका?

प्रदेश महासचिव राजेश चौधरी ने कहा- ब्लॉक अध्यक्ष ने मुझे ब्लॉक की बैठक के लिए फोन करके बुलाया था। मैं पार्टी का प्रदेश महासचिव हूं, हमारी ही पार्टी की बैठक में मुझे गेट पर रोक दिया। यह साधारण घटना नहीं है। बिना किसी प्रभावशाली व्यक्ति के पुलिस ऐसे किसी को कैसे रोक सकती है? मैंने बैठक में भी यही बात कही थी कि ब्लॉक अध्यक्ष ने जब मुझे बैठक के लिए बुलाया तो पुलिस ने कैसे रोका? मुझे रोकने का आदेश किसने दिया? हमें गेट पर पुलिस ने रोका, बड़ी मुश्किल से हम अंदर आ पाए। इस तरह की घटना को हल्के में नहीं लिया जा सकता। आप अपनी ही पार्टी के नेता की बेइज्जती करवा रहे हो। मैं इस बात को टॉप लेवल पर भी उठाऊंगा।

राजेश चौधरी के आरोपों के बाद विवाद बढ़ गया है। झोटवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष और मंत्री लालचंद कटारिया के समर्थक जितेंद्र कायथवाल ने कहा- यह सही है कि फीडबैक बैठक में मैंने प्रदेश महासचिव राजेश चौधरी को फोन करके आमंत्रित किया था। उनके समर्थक तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए बैठक में जाना चाहते थे। उनके समर्थकों को तख्तियां अंदर नहीं ले जाने देने के लिए गेट पर रोका था, क्योंकि फीडबैक बैठक का डेकोरम मेंटेन रहे।

इसके बाद उनके समर्थकों ने वहां हंगामा किया। हंगामा करने वालों को रोका गया था। विधानसभा चुनाव की फीडबैक बैठक में कुछ तो डिसेंसी मेंटेन करनी होती है, वहां अखाड़ा नहीं बनने दिया जा सकता।

राज्यवर्द्धन बोले- सीएम रिवर फ्रंट के उद्घाटन से बचते रहे

कहा- इन्हें तो छाती ठोंक कर जाना चाहिए था, लेकिन इन्होंने करोड़ों का घोटाला किया, इसलिए नहीं गए

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कोटा में रिवर फ्रंट के उद्घाटन के मौके पर सीएम अशोक गहलोत के नहीं पहुंचने पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने कहा- सीएम अशोक गहलोत को तो छाती ठोकर चंबल रिवर फ्रंट के उद्घाटन के मौके पर जाना चाहिए था। इन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए सेंचूरी एरिए में रिवर फ्रंट का निर्माण कराया है। ऐसे में अंत समय में सीएम गहलोत व इनके मंत्री गली से निकलकर उद्घाटन करने से बचते रहे।

सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने कहा- इनका वादा सौंदर्यकरण का और इरादा हजारों करोड़ के घोटाले का रहा है। यही वजह है कि सीएम अशोक गहलोत आज रिवर फ्रंट के तय उद्घाटन कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता को लुभाने के लिए उससे वादा करती है। लेकिन इनका इरादा जनता को लूटने का होता है। इन्होंने जनता को मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। लेकिन सरकार ने फिक्स चार्ज और फ्यूल सरचार्ज के नाम पर जनता से वसूली बराबर जारी रखी। 01 जून 2023 से मुफ्त बिजली की घोषणा की गई और लोगों से अगस्त 2023 तक फ्यूल सरचार्ज ले रहे थे। शहरी क्षेत्रों में वर्ष 2021-2022 और 2022-2023 के बजट में 83 करोड़ की बिजली सब्सिडी दी गई थी।

कैलाश मेघवाल बीजेपी से निलंबित: बोले- अर्जुन मेघवाल जैसा भ्रष्ट व्यक्ति देश का कानून मंत्री कैसे हो सकता है; वसुंधरा खेमे को खत्म करने की साजिश

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने बुधवार को विधानसभा के पूर्व स्पीकर कैलाश मेघवाल को पार्टी से निलंबित कर दिया। दरअसल, मेघवाल ने एक सभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल को भ्रष्ट बताते हुए सवाल उठाए थे।

इधर, कैलाश मेघवाल ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के नोटिस के दिए जवाब को सार्वजनिक किया। मेघवाल ने कहा- मुझे बीजेपी ने निकाला है, मैं चुनाव लड़ूंगा और बीजेपी उम्मीदवार को हजारों वोटों से हराऊंगा। उन्होंने कहा- मैंने पीएम नरेंद्र मोदी को लंबी-चौड़ी चिट्ठी लिखी है।

यही नहीं, विधायक कैलाश मेघवाल ने बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं पर हमला भी बोला है। मेघवाल ने कहा- अर्जुन मेघवाल जैसा भ्रष्ट व्यक्ति देश का कानून मंत्री कैसे हो सकता है। कैलाश मेघवाल ने यह भी कहा कि राजस्थान में भाजपा गुटों में बंटी हुई है। वसुंधरा राजे के खेमे को पूरी तरह समाप्त करने की साजिश की जा रही है।

कैलाश मेघवाल ने कहा- अर्जुन मेघवाल भ्रष्ट अफसर रहे हैं। उद्योग सेवा से लेकर कलेक्टर रहने तक अर्जुन मेघवाल ने कई भ्रष्टाचार किए। उन्होंने चूरू में कलेक्टर रहते हुए शहीद सैनिक की वीरांगना के कोटे की जमीन हाउसिंग बोर्ड से गलत लोगों को आवंटित की थी। इसकी शिकायत हुई और एसीबी ने मामला दर्ज किया। दो बार जांच हुई। दबाव में एफआर पेश की। सेशन कोर्ट जज ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि इस केस में दबाव बनाया जा रहा है।

मेघवाल ने कहा- मैंने पीएम मोदी को भी अर्जुन मेघवाल को हटाने के लिए चिट्ठी लिखी है। अर्जुन मेघवाल ने चुनाव आयोग को झूठा एफिडेविट दिया। मेघवाल ने कहा- अर्जुन मेघवाल ने चुनावी हलफनामे में अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के केस की जानकारी नहीं दी। चुनावी एफिडेविट में गलत जानकारी देना कानूनी अपराध है। इनके खिलाफ केस चल सकता है। मंत्री पद के साथ सांसदी जा सकती है।

कैलाश मेघवाल ने कहा- मैंने ये सारी बातें प्रधानमंत्री को लिख कर दी हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रधानमंत्री जी इस पर एक्शन लेंगे। अर्जुन मेघवाल जैसे भ्रष्ट व्यक्ति को देश का कानून मंत्री नहीं बनाया जाना चाहिए। जब ऐसे भ्रष्ट व्यक्ति को कानून मंत्री बनाया गया तो मैंने सबूत इकट्ठा करना शुरू किया और इसको हटाने के लिए प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है। एक भ्रष्ट व्यक्ति देश का कानून मंत्री कैसे हो सकता है।

कैलाश मेघवाल ने कहा- अर्जुन मेघवाल ने महाराष्ट्र के एक नेता से टिकट दिलवाने के लिए डेढ़ करोड़ रुपए लिए और उसे टिकट भी नहीं मिला। उसके बाद वह व्यक्ति कई पार्टी नेताओं के पास गया और पैसा वापस दिलवाने का आग्रह किया। ऐसे कई भ्रष्ट कारनामे अर्जुन मेघवाल ने किए हैं। मेघवाल ने कहा- मैं कभी इस पार्टी में हीरो था, आज मैं हीरो से जीरो हूं। आज बीजेपी चार यात्राएं निकाल रही है, कहीं एक भी जगह मुझे देख रहे हो। 2003 में और 2013 में जो यात्रा निकली, उसमें मुझे प्रमुखता दी गई थी। आज मुझे साइड लाइन कर दिया गया। मैं साइड लाइन नहीं रहूंगा।

उन्होंने कहा- अर्जुन मेघवाल की तुलना अंबेडकर जैसी महान हस्ती से की जा रही है जो पूरी तरह अनुचित है। कैलाश मेघवाल ने कहा- राजस्थान में भाजपा कई गुटों में बंटी हुई है और एक गुट है जो वसुंधरा राजे को पूरी तरह अनदेखा कर रहा है। भाजपा ऊपर से लेकर नीचे तक पूरी तरह गुटों में बंटी है। वसुंधरा राजे के समर्थकों को चुन-चुन कर बाहर किया जा रहा है। मैं वसुंधरा जी के खेमे में माना जाता हूं और वसुंधरा जी के खेमे को पूरी तरह समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। वसुंधरा राजे क्या निर्णय लेती हैं, वह जानें, लेकिन मैंने अपना स्टैंड ले लिया है। सीपी जोशी, राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनिया गुटबाजी कर रहे हैं। मैंने पीएम को लिखी चिट्ठी में विस्तार से सब कुछ लिखा है। मैंने लिखा है, कौन गुटबाजी कर रहा है कैसे कर रहा है, सब कुछ लिखा है। पार्टी को गड्ढे में डाला गया है। कैलाश मेघवाल ने कहा- बीजेपी में आयातित नेता हावी हैं। सीपी जोशी एनएसयूआई से आए हुए हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ जनता पार्टी से आए हैं। दोनों का ही भाजपा की विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है। ये सुविधा की राजनीति करने आए हुए लोग हैं।

मेघवाल ने कहा- यह सीपी जोशी पुराना कांग्रेसी है। वल्लभनगर सीट पर वह अपना कैंडिडेट लाया और उसकी जमानत जब्त हुई।

भरतपुर में हादसा, 12 की मौत: बस सड़क किनारे खड़ी थी ट्रक ने पीछे से टक्कर मारी और लोगों को कुचलता चला गया

भरतपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर में बुधवार सुबह एक बस और ट्रक की टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 12 से ज्यादा लोग घायल हैं। पुलिस और प्रशासन के मुताबिक, मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बस में 57 से ज्यादा लोग सवार थे।

यह हादसा लखनपुर थाना क्षेत्र के आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे-21 पर हंतारा के पास सुबह 5:30 बजे हुआ। मरने वालों में 7 महिलाएं और 5 पुरूष हैं। सभी मृतक गुजरात के भावनगर के रहने वाले थे।

खराब होने की वजह से सड़क किनारे खड़ी थी बस

पुलिस के अनुसार, बस भावनगर से मथुरा होते हुए हरिद्वार जा रही थी। सुबह भरतपुर-आगरा हाईवे पर अचानक बस का डीजल पाइप फट गया। करीब 10-12 यात्री ड्राइवर के साथ बस से उतर गए।

ड्राइवर और उसके साथी पाइप रिपेयर करने के बाद डीजल लेने के लिए चले गए। तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मारी और पास खड़े लोगों को कुचलता

हुए निकल गया।

इस दौरान वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों के ड्राइवर ने सड़क पर पड़े बेसुध लोगों को देखा तो पुलिस को कॉल किया और एम्बुलेंस को बुलाया। सभी के शवों को भरतपुर जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया है।

सड़क पर बिखरे शव, हाईवे पर लगा रहा जाम

हादसे के बाद शव हाईवे पर बिखर गए। वहां मौजूद लोगों ने एक-एक शव को बीच सड़क से हटाकर साइड में रखवाया। वहीं, हाईवे पर जाम भी लग गया। पुलिस ने बताया कि अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि किस वाहन ने टक्कर मारी। घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। होश में आने पर उनसे पूछताछ की जाएगी।

धार्मिक यात्रा पर निकले थे

लखनपुर पुलिस के अनुसार, मृतकों में अन्तुभाई पुत्र लालजी (55), नंदराम पुत्र मयूर (68), कल्लो बेन (60) भरत पुत्र भीखा, लल्लू पुत्र दयाभाई, लालजी पुत्र मनजीभाई, अम्बा पत्नी झीणा, कम्बू बेन पत्नी पोपट, रामू बेन पत्नी ऊदा, मधु बेन पत्नी अरविंद दागी, अंजू पत्नी थापा, मधु पत्नी लालजी चूड़ासमा शामिल हैं। सभी गुजरात के भावनगर जिले के डीहोर निवासी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का ऐलान किया है।

बोलेरो-बस में टक्कर, मां-बेटे सहित 4 की मौत

हनुमानगढ़, 3 सितंबर (एजेंसियां)। हाईवे पर अचानक आए गोवंश को बचाने के प्रयास में बोलेरो कार सामने से आ रही लोक परिवहन की बस से टकरा गई। हादसा इतना भंयकर था कि कार के परखच्चे उड़ गए और मां-बेटे सहित 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा हनुमानगढ़ जिले में हनुमानगढ़-जयपुर मेगा हाईवे पर हुआ।

इलाज के दौरान घायल युवक की मौत

टाउन CI वेदपाल ने बताया कि शाम करीब 5:30 बजे हनुमानगढ़-जयपुर मेगा हाईवे पर लखूवाली से नौरंगदेसर के बीच गोवंश को बचाने के चक्कर में

बोलेरो जीप और लोक परिवहन बस की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी की बोलेरो जीप में सवार मां-बेटे सहित 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 2 युवकों को हनुमानगढ़ से श्रीगंगानगर रेफर किया गया है, जहां एक घायल की मौत हो गई। शवों को हनुमानगढ़ जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। बोलेरो जीप रावतसर से हनुमानगढ़ की तरफ आ रही थी और लोक परिवहन की बस हनुमानगढ़ से रावतसर की तरफ जा रही थी।

एक युवक हॉस्पिटल में भर्ती

टाउन सीआई वेदपाल ने बताया- सड़क हादसे में नीतू (40) पत्नी उदाराम जाट निवासी भेरूसरी, विष्णु (15) पुत्र उदाराम जाट निवासी भेरूसरी, नन्दराम (65) पुत्र लाधुराम गोदारा निवासी भेरूसरी मौके पर दम तोड़ दिया। अर्जुन (40) पुत्र ख्यालीराम गोदारा निवासी भेरूसरी की मौत इलाज के दौरान हॉस्पिटल में हुई। जयमल पुत्र मनीराम निवासी 15 चक जाखड़ावाली का इलाज चल रहा है।

बिजनेस वुमेन की हत्या कर शव जलाया: बाइक से निकली थी दूध कारोबारी से उधार के रुपए वसूलने, सड़क किनारे मिला शव

सूरतगढ़, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बिजनेस वुमेन (महिला कारोबारी) की पहले हत्या की, फिर पेट्रोल डालकर उसका शव जला दिया। वह बाइक से उधार के पैसे की वसूली के लिए निकली थी। अधजले शव के पास पेट्रोल की खाली बोतल, मोबाइल और बाइक मिली है। पति ने एक दूध कारोबारी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। मामला श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ का है। थाना

प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया- शव की शिनाख्त निर्मला (30) पत्नी वकील कुम्हार के रूप में हुई है। वह सूरतगढ़ के बड़ोपल रोड, होमलैंड सिटी वार्ड नंबर 16 की रहने वाली थी। भोजेवाला रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी के सामने निर्मला की किराने की दुकान है। इसके पति वकील कुम्हार (32) पुत्र साहबराम बिजली फिटिंग का काम करते हैं। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में कुम्हार ने कहा है कि 11 सितंबर की शाम 5 बजे मैं अपने पिता साहब राम और साले राजकुमार को बाइक से पैतृक गांव खारिया (हरियाणा) छोड़ने के लिए गया था। घर पर मेरे रिश्तेदार रायसिंह पुत्र मनीराम निवासी गोदीका, सिरसा (हरियाणा) आए हुए थे। पत्नी दुकान पर ही थी। पति ने बताया कि शाम 7 और 7:30 बजे के बीच पत्नी ने दुकान से घर आने के लिए मेरे रिश्तेदार रायसिंह को फोन किया। रायसिंह घर में खड़ी मेरे साले की बाइक लेकर दुकान पर गया।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवक की हत्या: पांच हमलावरों ने चाकू सरिए से किया था हमला, जांच में जुटी पुलिस

गंगापुर सिटी, 3 सितंबर (एजेंसियां)। गंगापुर जिला मुख्यालय पर बंदरिया के बालाजी के पास 5 लोगों ने युवक पर चाकू और सरिए से हमला कर दिया। हमले में घायल हुए युवक को गंभीर हालत में गवर्नमेंट हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सपोटरा थाना पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंपा। मृतक के मामा के लड़के रसपाल मीना ने सपोटरा थाने में लिखित शिकायत देते हुए बताया कि सपोटरा थाना के लुलोज की झोपड़ी निवासी मृतक पिंटूलाल मीना (27) पुत्र पृथ्वीराज मीणा उसकी बुआ का लड़का है। वो दोनों बंदरिया के बालाजी के पास किराए के कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। करीब एक बजे पिंटूलाल किसी काम से मकान के बाहर गया था। थोड़ी देर बाद वह लहूलुहान हालत में बचाओ, बचाओं चिल्लाता हुआ मकान में घुस गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर मैं और मेरा मौसा मकान में बने चौक में पहुंचे तो देखा कि पिंटूलाल घायल हालत में, कुछ लोगों द्वारा उसका मोबाइल छीनने की बात कह रहा था। रसपाल मीना ने शिकायत में बताया कि हम पिंटूलाल को संभाल ही रहे थे कि इतने में ही वेदप्रकाश, राहुल, विवेक, अन्ना उर्फ अनीश और अंगुल पुत्र डूंगरमल हरिजन, चाकू और सरिया लेकर मकान में घुस आए।उन्होंने पिंटूलाल मीना पर चाकू और सरिए से जान से मारने की नीयत से घातक वार करना शुरू कर दिया। जिससे पिंटूलाल गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहोश होने लगा। कुछ लड़कों साथ मिलकर जब मैंने बीच बचाव किया तो आरोपियों ने हमारे साथ भी मारपीट की और धमकाते हुए कहा कि अंदर चले जाओ नहीं तो जान से खत्म कर देंगे।

'हिंदी के प्रचार प्रसार में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा अग्रणी'

श्रीमती ए.जानकी
प्रभारी सचिव

भारत देश के दक्षिण प्रांतों में हिंदी के प्रचार प्रसार में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा ने अहम भूमिका निभाई है। सच्चाई तो यह है कि सभा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के सपनों को साकार करने, देश को एक सूत्र में बांधने में हर संभव प्रयास किया है। इसका श्रेय हिंदी महासंग्राम में कर्णधार रहे आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के हिंदी प्रेमी, हिंदी सेवी एवं हिंदी प्रचारकों को जाता है। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की स्थापना 1936 में विजयवाड़ा में हुई। कालांतरण में इसका मुख्य कार्यालय हैदराबाद में स्थानांतरित किया गया।

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना हर वर्ष हिंदी का प्रचार-प्रसार के लिए प्राथमिका से लेकर राष्ट्रभाषा प्रवीण तक विभिन्न परीक्षाओं का संचालन कर रही है और इन परीक्षाओं में हजारों विद्यार्थी उत्तीर्ण हो रहे हैं। दिन-ब-दिन विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने के कारण परीक्षा केंद्रों में भी वृद्धि हो गई है। हैदराबाद और विजयवाड़ा के साथ-साथ विशाखापट्टनम, गुंतकल, गुंटूर, तिरुपति, एलुरु, राजमंड्री, जनगाँव, काकीनाड़ा, नेल्लूर और कडपा में भी सभा की शाखाएँ हैं जो इन परीक्षाओं को सुचारू रूप से संचलित कर रही है। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास द्वारा दक्षिण के चारों प्रांतों में प्रांतीय शाखाओं का संचालन किया जा रहा है। हिंदी प्रचार-प्रसार के कार्य में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा हमेशा अग्रणी रही है। सभा की विभिन्न गतिविधियों को देखकर भारत सरकार ने संसदीय अधिनियम 14, 1964 द्वारा "राष्ट्रीय महत्व की संस्था' घोषित कर दी। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा स्वतंत्र स्वायत्त संस्था के रूप में उभरी। राष्ट्रीय महत्व की संस्था बनने के बाद सभा के कंधों पर हिंदी प्रचार-प्रसार के साथ-साथ उच्च शिक्षा और अनुसंधान का भी दायित्व आ गया। अतः 1964 में ही उच्च स्तरीय अध्ययन-अध्यापन के लिए चेन्नई में विश्वविद्यालयीन विभाग खोला गया, जिसका नाम उच्च शिक्षा और शोध संस्थान रखा गया। 1978 में हैदराबाद में उच्च शिक्षा और शोध संस्थान का उद्घाटन हुआ, तब से लेकर आज तक यह विभाग हिंदी के उच्चतर अध्ययन-अध्यापन में अपनी भूमिका बखूबी निभा रहा है। उच्च शिक्षा और शोध संस्थान के अंतर्गत बी.ईडी, एमए, पीए.डी, डी.लिट, स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा, स्नातकोत्तर पत्रकारिता डिप्लोमा जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम संचलित हैं, जिससे छात्र और शोधार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों को एन.सी.टी.ई. और यू.जी.सी. की मान्यता प्राप्त है।

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा ने 2018 में शतमानोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया,जिसका उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने "विज्ञान भवन' नई दिल्ली में किया। उस समय चारों प्रांतों के प्रचारक उपस्थित रहे। इस शुभ अवसर पर वयोवृद्ध हिंदी प्रेमी प्रचारकों को सम्मानित किया गया। वर्तमान समय में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना हिंदी परीक्षाओं के साथ-साथ बी.ईडी एवं पीजी केंद्र के पाठ्यक्रमों का संचालन सफलतापूर्वक कर रही है। अंत में मैं श्रीमती ए.जानकी, प्रभारी सचिव के नाते सभी पाठकों से निवेदन करती हूँ कि हिंदी को हर घर हर व्यक्ति तक पहुँचाए और राष्ट्रीय महत्व की संस्था के साथ हिंदी का प्रचार एवं प्रसार करें। हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

दक्षिण भारत में राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार क्यों आवश्यक है?

डॉ.गोलि पेंचल प्रसाद
प्रभारी सहायक निदेशक
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद

यह गर्व का विषय है कि राजभाषा हिंदी विश्व में चौथीं सबसे ज्यादा बोली जानेवाली भाषा है। लेकिन ये एक विडंबना है कि हमारे भारत में आजादी के 77 वर्षों के बाद भी हिंदी का व्यापक प्रचार- प्रसार न होना, यह सबसे बड़ी विडंबना है। इसके पीछे सरकारी कामकाज में हमारी द्विभाषिक कार्यप्रणाली भी कारण हो सकती है। क्योंकि हम जब द्विभाषीक रूप में पत्राचार करते है तब उसमें ज्यादातर अंग्रेजी के साथ हिंदी का अनुवाद प्रस्तुत किया जाता है। इसके कारण पढ़ने वालों को हिंदी के साथ साथ अंग्रेजी भी उपलब्ध होती है तो उसकी स्वाभाविक प्रवृत्ति अंग्रेजी अनुवाद के प्रति रहती है और वह हिंदी को उतनी अहमियत नहीं देता है जिसके चलते हिंदी का सुचारु रूप से प्रचार प्रसार होने में अवरोध उत्पन्न हो जाता है। जहां हिंदी मातृभाषा है वहां अंग्रेजी को द्विभाषी में शामिल कर सकते है। लेकिन जिस क्षेत्र में क्षेत्रीय भाषा प्रथम भाषा है वहां इसके विकल्प में इस बात पर विचार करने कि आवश्यकता है कि द्विभाषी पत्राचार में हिंदी के साथ क्षेत्रीय भाषा का ही प्रयोग किया जाय जिससे अंग्रेजी उपलब्ध न होने के कारण लोग हिंदी को अपने क्षेत्रीय भाषा के साथ अधिक सहजता से समझ पाएंगे और हिंदी सीखने के प्रति उनकी रुचि उत्पन्न होगी । साथ ही दक्षिण भारत के राज्यों में कार्यरथ कर्मचारी हिंदी के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं को जानने की कोशिश करेंगे। जब दक्षिण राज्यों में पत्राचार कि बात आती है तो हिंदी के साथ अंग्रेजी के स्थान पर क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग कर सकते है। जिससे कर्मचारियों को विशेष कर सी और डी ग्रेड के कर्मचारी जो हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं कि समझ नहीं रखते है। उनका उत्साहवर्धन के साथ साथ हिंदी भाषा को जाननेके प्रति रुचि बढ़ेगी। जिससे उनकी हिंदी में कार्य करने कि क्षमता और कार्यशैली में भी सुधार होगा। इसके अलावा भारत में बहुत से राज्य ऐसे है जिनकी अपनी मातृभाषा है वो ना तो अंग्रेजी समझ सकते है और ना ही हिंदी। अत: उन राज्यों कि मातृभाषा का भी उपयोग किया जा सकता है। द्विभाषी पत्र में क्षेत्रीय भाषा का समावेश करना आज के संगणक युग में सहज ही संभव है। मेरा यह मानना है कि द्विभाषी पत्राचार नीति में जब तक अंग्रेजी का प्रयोग होता रहेगा तब तक हिंदी के विकास/प्रचार-प्रसार में बाधा उत्पन्न होगी। जाने-अनजाने में हम इसके तहत अंग्रेजी भाषा को बढ़ावा दे रहे हैं और हमारे हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषाओं को नजर अंदाज कर रहे है। जिससे हमारे सांस्कृतिक धरोहर लुप्त हो रही है। अत: पिछले 7 दशकों से हम हिंदी के प्रचार प्रसार हेतु कार्य कर रहे है, परंतु आज भी हम शत प्रतिशत उसमें सफल नहीं हुए है। इसके चलते दक्षिण भारत के कार्यालयों में हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषाओं का प्रयोग द्विभाषिक पत्राचार के दौरान करना हिंदी के उन्नति एवं प्रचार प्रसार में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

अंधेरो में रोशनी तलाशें : साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञाजी

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ सभा, सिकन्दराबाद के तत्वावधान में राजा-राजेश्वरी गार्डन के विशाल एवं भव्य प्रांगण में साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञाजी के सान्निध्य में सम्पूर्ण श्रावक समाज हर्षोल्लास के साथ पर्युषण की आराधना में सलग्न है। महापर्व आराधना का दूसरा दिन स्वाध्याय-दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विशाल धर्म परिषद को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री जी ने कहा कि भगवान बुद्ध ने भी आत्मदीप बनने की बात कही। पर्युषण पर्व भी अध्यात्म का प्रकाश-दीप स्वयं जलाने की बात कहता है। दूसरे के भरोसे मत रहो। अंधेरों में रोशनी तलाशों और खुद पर विश्वास करो। प्रसंगवश साध्वीश्री जी ने कहा कि जैनों की एक मात्र विश्वविद्यालय, जैन विश्व भारती संस्थान में चल रहे अध्ययन से भी जुड़ने का लक्ष्य हो। जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन जरूरी है, ब्रेन के लिए भी स्वाध्याय जरूरी है। चतुदर्शी हाजरी का वाचन करते हुए कहा। तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री रविप्रकाश कोटेचा अठाई तप का प्रत्याख्यान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी सिद्धियशा जी ने किया।

हिन्दी हिंदुस्तान की धड़कन

रमेश कुमार बंग
चेयरमैन, एपी महेश को-ऑप. अर्बन बैंक लि.

हिंदी पूरे हिंदुस्तान की आन-बान और शान है। यह हिंदुस्तान की धड़कन है। सच्चाई तो यह है कि प्राचीन काल से हमारे देश में कई उन्नत भाषाएँ हैं, जिनमें कुछ काफी प्राचीन भी हैं जिनकी सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों वर्षों की विरासत है। इतनी समृद्ध भाषाओं के बीच हिन्दी हमारे देश की सर्वाधिक बोली तथा समझी जानेवाली भाषा के रूप में सैकड़ों वर्षों से देश के सुंदर स्थलों व तीर्थों तथा पर्यटन की भाषा बनी हुई है। हम जानते हैं कि हिन्दी का सूत्र भारत की स्वतंत्रता आंदोलन से जुडी हुई है। स्वाधीनता संघर्ष के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा इन तीन पहलुओं पर बल दिया गया था। गाँधीजी ने जिस अहिंसा और खादी प्रचार का कार्यक्रम बनाया हिन्दी उसका एक अभिन्न अंग रही थी। सन् 1947 में भारत में स्वाधीनता सूर्य का उदय हुआ। राष्ट्रीय स्वाभिमान एवं लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक सम्पर्क भाषा के होने की आवश्यकता पुनः जागृत हुई। इसी चिंतन के फलस्वरूप 1949 में 14 सितम्बर के दिन संविधान सभा ने संविधान के अनुच्छेद 343 में लिखा गया था 'देवनागरी में लिखी हिन्दी संघ की राजभाषा होगी।'

14 सितम्बर को हिन्दी दिवस का इतिहास 60 वर्ष पुराना है। यह बात और है कि कालांतर में राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा नियम 1976 पारित किये गये ।

इन दोनों अधिनियमों एवं नियमों के अंतर्गत पंडित नेहरु के इसी आश्वासन को संवैधानिक रूप दिया गया कि अंग्रेजी सहायक भाषा के रूप में बनी रहेगी जबतक कि हिन्दीतर भाषी राजभाषा मानते हुए सखी भाषा के रूप में अंग्रेजी को निकाल देने के निर्णय का अधिकार हिन्दी तर राज्यों पर रखा गया है। संवैधानिक स्थिति से हटकर देखा जाय तो हिन्दी संघ की राजभाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में मान्यता तथा सर्वप्रियता कभी की प्राप्त कर चुकी है। हिन्दी का प्रचार विश्व के अनेक बड़े-बड़े राष्ट्रों में प्रेमपूर्वक जोर-शोर से चल रहा है। यह क्या कम महत्व का विषय है कि हिन्दी को अमेरिका के 24 विश्व विद्यालयों में अध्ययन करने की व्यवस्था है और कई यूरोपीय राष्ट्रों में भी हिन्दी का शिक्षण देने की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

आज से 71 वर्ष पहले यानि 1952 में हिन्दी का स्थान पाँचवा था और 1980 के बाद चीनी तथा अंग्रेजी के बाद यह द्वितीय स्थान पर आयी। 1991 की जनगणनानुसार हिन्दी को मातृभाषा के रूप में घोषित करने वालों की संख्या अंग्रेजी भाषियों की अपेक्षा अधिक हुई है। संख्यापरक बहुमत से हटकर भी हिन्दी दिनों दिन अनन्य प्रचार प्राप्त करने लगी है। राजभाषा घोषित किये जाने के पश्चात् उसकी भूमिका बहुमुखी और दायित्व विशाल हो गया है। उदारीकरण और वैश्वीकरण की लहर के बाद हम आशंकित हुए थे कि अब पुनः अंग्रेजी का बोलबाला होगा। हिन्दी ने अपनी मौलिक लचरदार प्रकृति के कारण अन्य भाषाओं से यहाँ तक कि अंग्रेजी भाषा से भी शब्दों को निःसंकोच लेते हुए यह सिद्ध कर दिखाया है कि हिन्दी अत्यधिक जीवंत भाषा है और अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करने की उसमें मूलभूत सुविधा है। उदारीकरण के पश्चात बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ भारत में बडी संख्या में उभरी और स्वभाषाभिमानियों ने सोच कि अंग्रेजी हिन्दी पर पुनः हावी होगी, लेकिन वे अपना व्यापार-व्यवसाय बढाने के लिए हिन्दी को अपनाने पर विवश हुई है। हिन्दी को समृद्ध करने में अनुवाद एक अहम् भूमिका निभा सकता है यह निर्विवाद विषय है। भारत की सभी प्रादेशिक भाषाओं में उच्च कोटि का साहित्य भरा पडा है।

उस साहित्य सम्पदा को अनुवाद के माध्यम से हिन्दी में लाने और हिन्दी साहित्य को भारतीय भाषाओं में ले जाने की परम आवश्यकता है । हिन्दी द्वारा आदान-प्रदान की परम्परा बनाये रखने से प्रादेशिक भाषाओं का लाभ तो होगा ही, किन्तु हिन्दी के अभिव्यक्ति कौशल में विविधता तथा एक प्रकार का अनूठापन आयेगा।

हिन्दी दिवस मनाने का ढंग तभी सार्थक होगा जब हम मिथ्या घोषणाओं में समय जाया करने की बजाय सत्य निष्ठा के साथ पग-पग पर हिन्दी की सुधि रखेंगे और उसे हर क्षेत्र में पसरने के लिए आवश्यक सारी सुविधाएँ उपलब्ध करेंगे।

'उत्तर और दक्षिण की भाषा है हिंदी'

श्रुतिकान्त भारती
संचालक मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद

'दक्षिण भारत में हिन्दी' के पद का प्रयोग जब भी हम करते हैं तो हमारे मन में कई प्रकार के विचार आने लगते हैं। हिन्दी तो उत्तर भारत के कुछ राज्यों में बोली जाने वाली भाषा है। तब फिर दक्षिण भारत में हिन्दी का क्या अर्थ हुआ? वास्तव में हिन्दी मात्र उत्तर भरत की ही भाषा नहीं है। यह दक्षिण की भी भाषा है। इसका पहले का रूप आज से थोड़ा भिन्न था। इसे तंजाऊरी हिन्दी, कर्नाटकी हिन्दी या फिर दक्खिनी हिन्दी आदि के नामों से अभिहित किया जाता था। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह हिन्दी, हिन्दवी या हिन्दुस्तानी आदि के रूप में संपूर्ण भारत में फैलती गयी। महात्मा गांधी के आह्वान से यह दक्षिण में तेजी से फैलने लगी। लोग स्वतंत्रता आंदोलन, महात्मा गांधी, हिन्दी का प्रचार- प्रसार, देशाटन, इन सभी को एक दूसरे का पर्याय और जनता के हृदय से निकले 'राष्ट्र सेवा' के उद्गार मानते थे। इन जीवनोत्सर्ग की भावनाओं को लेकर वे, गांधी जी के नेतृत्त्व में आज़ादी के लिए आगे ही आगे बढ़ने में अपने-आपको और अपने जीवन को कृतार्थ समझते थे। कहीं पर भी, किसी में भी, लेश मात्र भी 'तेरी-मेरी' की भावना नहीं थी। सभी का एक मात्र लक्ष्य था 'हमें विदेशी राज से आजादी पाना है। इसके लिए चाहे हमें अपनी आहुति ही क्यों न देना पड़े, हम उसके लिए भी तैयार हैं।' मुक्त कंठ से संपूर्ण भारतीय जन मानस की यह वाणी थी। यह वाणी अखंड थी। तभी तो हम आजाद हो पाए।

आजादी के बाद जब हमारा अपना भारतीय संविधान बनने लगा, तब स्वतंत्रता आंदोलन को सुचारू रूप से चलाने में, सभी को एक सूत्र में ले आने में सफल, भारतीय 'जन-जन में फैली जनता की वाणी देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली खड़ी बोली हिन्दी को, केन्द्र सरकार के सरकारी क्रिया-कलापों को चलाने के लिए तथा अपने-अपने प्रान्तों में अपनी-अपनी प्रान्तीय भाषाओं को राजकाज चलाने वाली 'राजभाषा' का दर्जा प्रदान किया गया। सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक धरातल पर कहीं-कहीं, छुट-पुट संघटनाओं के अतिरिक्त संपूर्ण दक्षिण भारत में हिन्दी का विकास, शिक्षा, साहित्य, व्यवसाय, प्रौद्योगिकी आदि जैसे जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रोत्साहनजनक रहा है। हिन्दी की ऐसी सबल स्थिति के आधार पर उदारीकरण, वैश्वीकरण, कंप्यूटरीकरण, प्रोद्योगिकीकरण के बढ़ते चरणों के चलते हिन्दी की गति न केवल दक्षिण भारत में अपितु भारत में, विश्वस्तरीय एवं विश्वव्यापी भाषाओं में द्वितीय स्थान से भी आगे अव्वल बनने के लिए अपनी सार्वभौम क्षमताओं के आधार पर दिन दूनी रात चौगुनी के रूप में बढ़ती जा रही है। अस्तु।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.WCEPRSAMCWAT0823

कार्य का नाम: 02(दो) वर्षों की समयावधि हेतु वाल्टियर मण्डल में यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS) चार्ट प्रिन्टर का व्यापक वार्षिक रख-रखाव ठेका।

विज्ञापित मूल्य (रुपये में): 2,25,120/-, EMD (रुपये में): 4,500/-, निविदा दस्तावेज की लागत (रुपये में): 1,180/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक 21.09.2023, निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 05.10.2023 को 1100 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/
PR-578/O/23-24 वाल्टियर

जी-20 सम्मेलन ने हिंदी व हिंदुस्तान की मांग बढाई

मोहन गुप्ता
वरिष्ठ चिकित्सक

हिंदी ने वैश्विक स्तर पर परचम लहराया है। हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में हमारे पीएम मोदीजी का हिंदी में दिये भाषण अभूतपूर्व रहा है। पीएम मोदी ने हिंदी में भाषण देकर वैश्विक स्तर पर एक लहर पैदा कर दी है। विश्व को उन्होंने हिंदी की ताकत बता दी है, क्योंकि भाषा ही देश की पहचान है। भाषा ही देश की धडकन है। जैसे गांधीजी ने स्वतंत्रता के दौर में हिंदी की धडकन सुनी थी, आज वही धड़कन हमारे पीएम ने सुन ली है। इतिहास साक्षी है कि 1980 और 1990 के दशक में भारत में उदारीकरण, वैश्वीकरण तथा औद्योगीकरण की प्रक्रिया तीव्र हुई। इसके परिणामस्वरूप अनेक विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं तो हिन्दी के लिए एक खतरा दिखाई दिया था, क्योंकि वे अपने साथ अंग्रेजी लेकर आई थीं। 1991 में यह पाया गया कि हिन्दी बोलने वालों की संख्या पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषियों की संख्या से अधिक है, जो मध्यम वर्ग के एक विशाल क्षेत्र को अपने में समेटे हुए है। इस मध्यम वर्ग की क्रय-शक्ति पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ी है। आज अपने माल के प्रचार-प्रसार, पैकिंग, गुणवत्ता आदि के लिए हिन्दी को अपनाना बहुराष्ट्रीय कंपनियों की विवशता है और उनकी यही विवशता आज हिन्दी की शक्ति बन गई है।

हिन्दी फिल्मों तथा फिल्मी गानों ने भी हिन्दी के प्रचार-प्रसार में अपना अहम योगदान दिया है। सन् 1995 के बाद से टी.वी.के चैनलों से प्रसारित कार्यक्रमों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि जिन सेटेलाइट चैनलों ने भारत में अपने कार्यक्रमों का आरम्भ केवल अंग्रेजी भाषा से किया था उन्हें अपनी भाषा नीति में परिवर्तन करना पड़ा है। हिन्दी भाषा और इसमें निहित भारत की सांस्कृतिक धरोहर इतनी सुदृढ और समृद्ध है कि इस ओर अधिक प्रयत्न न किए जाने पर भी इसके विकास की गति बहुत तेज है। ध्यान,योग,आसन और आयुर्वेद विषयों के साथ-साथ इनसे संबंधित हिन्दी शब्दों का भी विश्व की दूसरी भाषाओं में विलय हो रहा है। भारतीय संगीत, हस्तकला,भोजन और वस्त्रों की विदेशी मांग जैसी आज है पहले कभी नहीं थी।

पाक बनाम श्रीलंका : 'करो या मरो' मुकाबले से पहले पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका, दो गेंदबाज हो सकते हैं बाहर

कोलंबो, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2023 में पाकिस्तान के दिन कुछ ठीक नहीं चल रहे हैं। पहले तो भारत से 228 रन की करारी हार टीम को मिली, अब जब श्रीलंका के साथ 14 सितंबर को करो या मरो का मुकाबला है तो खबर आ रही है कि दो बड़े गेंदबाज टीम से बाहर हो सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो टीम के लिए ये किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा।

दरअसल हुआ ये कि भारत के मुकाबले में हारिस रऊफ और नसीम शाह को चोट लग गई थी, जिसकी वजह से ये दोनों ही खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतर सके थे। अब कहा जा रहा है कि श्रीलंका के साथ होने वाले मुकाबले में भी ये खेल पाएं या नहीं, इसके बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है।

पाकिस्तान की ताकत हैं हारिस

रऊफ और नसीम शाह

हारिस रऊफ और नसीम शाह की बात करें तो पाकिस्तान के लिए कमाल की तेज गेंदबाजी करते हैं, और ये सभी जानते हैं कि पाकिस्तान की मजबूती इनकी तेज गेंदबाजी ही है। अगर टीम के साथ ये प्रमुख खिलाड़ी नहीं खेलते हैं तो फिर टीम की गेंदबाजी कमजोर हो ही जाएगी। साथ में कल होने वाला मुकाबला पाकिस्तान को जीतना ही होगा।

अगर टीम नहीं जीत सकी तो श्रीलंका फाइनल का टिकट कटा लेगी। इसलिए कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के लिए आने वाले मुकाबले में मुश्किल हो सकती है। हालांकि अभी इनके ना खेलने पर पीसीबी या टीम की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पाकिस्तान को करना होगा बी प्लान पर काम

हारिस रऊफ और नसीम शाह ने पहले मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को परेशान किया था। साथ में दूसरे मुकाबले में भी टीम के लिए पहले 10 ओवर में कमाल की गेंदबाजी की थी। पिच पर जब भी नमी होती है तो हारिस रऊफ और नसीम शाह खतरनाक गेंदबाजी करते हैं। इसलिए कहीं ना कहीं अगर ये टीम में नहीं होंगे तो पाकिस्तान के लिए अपने बी प्लान पर काम करने की जरूरत रहेगी। लेकिन एक दिन ही इस बड़े मुकाबले को बचा है। वहीं दूसरी तरफ श्रीलंका की बात करें तो टीम भले ही कल भारत के साथ मुकाबले में हार गई पर टीम ने जिस तरह से लड़ाई लड़ी, उसे देखकर यही कहा जा सकता है कि पाकिस्तान के लिए आसान को कतई नहीं होने वाला है।

विश्व की नंबर एक रैंकिंग की खिलाड़ी बनी सुहाना सैनी, भारत में अंडर-19 में नंबर एक पर

रोहतक, 13 सितंबर (एजेंसियां)। आर्य नगर निवासी विकास सैनी ने बताया की बेटी सुहाना सैनी अपने शानदार खेल के चलते यूथ स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस वर्ल्ड रैंकिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। बेंगलुरु की यशस्वी घोरपडे के साथ जोड़ी बनाकर यह उपलब्धि हासिल की है।

टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी सुहाना सैनी ने अपनी सहयोगी यशस्वी घोरपड़े के साथ जोड़ी में विश्व में पहला रेंक हासिल कर नया कीर्तिमान रच दिया है। इंटरनल टेबल टेनिस फेडरेशन की ओर से मंगलवार को जारी ताजा वर्ल्ड रैंकिंग में इन्हें यह स्थान प्राप्त हुआ है। इसके लिए पिछले दिनों हुए मुकाबले में इस जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया।

भारत में सुहाना अंडर 19 में नंबर एक पर

आर्य नगर निवासी विकास सैनी ने बताया की बेटी सुहाना सैनी अपने शानदार खेल के चलते यूथ स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस वर्ल्ड रैंकिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। बेंगलुरु की यशस्वी घोरपडे के साथ जोड़ी बनाकर यह उपलब्धि हासिल की है। इससे पूर्व यह जोड़ी 22 अक्तूबर 2022 से 7 मार्च 2023 तक भी वर्ल्ड रैंकिंग नंबर एक रह चुकी है। अभी सुहाना का अंडर 17 सिंगल्स में वर्ल्ड रैंक 15 व अंडर 19 सिंगल्स में वर्ल्ड रैंक 28 है। भारत में सुहाना अंडर 19 में नंबर एक पर है।

जडेजा एशिया कप में टॉप इंडियन बॉलर बने

एशिया कप में टॉप इंडियन बॉलर

प्लेयर	मैच	विकेट	इकोनॉमी
रवींद्र जडेजा	18	24	4.27
इरफान पठान	12	22	5.54
कुलदीप यादव	10	19	3.96

कोलंबो, 13 सितंबर (एजेंसियां)। रवींद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ 2 विकेट लिए। इसी के साथ उनके वनडे एशिया कप में 24 विकेट हो गए और वे टूर्नामेंट इतिहास में भारत के सबसे सफल गेंदबाज बन गए।

उन्होंने लेफ्ट आर्म पेसर इरफान पठान का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 22 विकेट लिए हैं।

कुलदीप यादव इस रिकॉर्ड में तीसरे नंबर पर पहुंचे। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट लिए, अब उनके वनडे एशिया कप में 19 विकेट हो गए हैं।

उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 17 विकेट हैं।

राहुल बोले- रिकवरी के दौरान अपनी विकेटकीपिंग पर काम किया

मुझे अपनी तैयारी पर भरोसा था; विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कुलदीप की तारीफ की

कोलंबो, 13 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा, 'जब मैं रिकवरी के दौरान नेशनल क्रिकेट एकेडमी में था, तो मुझे थोड़ा समय मिला और मैंने अपनी विकेटकीपिंग पर काम किया।'

श्रीलंका के खिलाफ सुपर-4 मैच के बाद कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में और क्या कहा, आइए जानते हैं उनकी अहम बातें...

मैं पिछले दो मैचों में अपने प्रदर्शन से खुश हूं। शुरू में मैं थोड़ा नर्वस था लेकिन कुछ गेंदों का सामना करने के बाद मैं नॉर्मल महसूस करने लगा था।'

केएल राहुल ने चार महीने बाद चोट से वापसी करते हुए पहला वनडे पाकिस्तान के खिलाफ खेला। उन्होंने पाक के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारी खेली। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ 39 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। राहुल और ईशान ने 89 गेंद पर 63 रन की पार्टनरशिप की।

'पहली कुछ गेंदें खेलने के बाद मैंने ये जानने की कोशिश की कि मैं कौन से शॉट्स खेल सकता हूं। मैं दबाव कम करना चाहता था। मैं आगे भी अपने शॉट्स खेलना

चाहता था, लेकिन पिच और बॉलर्स को ध्यान में रखते हुए।'

'चोट से पहले भी मैं विकेटकीपिंग करता था। मैं पिछले दो सालों से विकेटकीपर कर रहा हूं। इसलिए मेरे लिए यह नई चीज नहीं है। मैंने 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विकेटकीपिंग शुरू की थी जब ऋषभ पंत चोटिल हो गए थे। टीम मैनेजमेंट ने मुझसे यह भी कहा था कि मेरा रोल मिडिल ऑर्डर में टिके रहने और खेलने का होगा।'

'कुलदीप वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। जब मैं विकेटकीपिंग करता हूं तो मुझे उन्हें गेंदबाजी करते हुए देखने में मजा आता है। वह जिस तरह से गेंदबाजी कर रहे हैं, वह शानदार है। उसने नई टेक्नीक डेवलप की हैं और आप देख सकते हैं कि उसका रिजल्ट दिख रहा है।'

'उन्होंने (दुनिथ वेल्लालागे) पांच विकेट लिए और अपनी टीम के लिए अच्छा खेला। जब तक मैं खेल रहा था तब तक वो श्रीलंका के बॉलिंग अटैक में सबसे खतरनाक गेंदबाज दिख रहे थे। आज उनका दिन था, उन्होंने पांच विकेट लिए और 42 रन की नाबाद पारी भी खेली। शायद अगली बार जब हम खेलेंगे तो उनके पर अटैक करने की कोशिश करेंगे।'

श्रीलंका के 20 साल के ऑलराउंडर दुनिथ वेल्लालागे ने 5 विकेट लिए। उन्होंने दूसरी पारी में 42 रन की नॉट आउट पारी भी खेली। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

साउथ अफ्रीका ने तीसरा वनडे 111 रन से जीता

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्करम का नाबाद शतक; वार्नर की 78 रन की पारी बेकार गई

ब्लूमफॉन्टेन, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एडेन मार्करम के नाबाद शतक की बदौलत साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 111 रनों से हराया। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका ने 5 वनडे मैचों की सीरीज में वापसी कर ली है।

पोटचेफस्ट्रूम में खेले गए तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 6 विकेट के नुकसान पर 338 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 34.3 ओवर में 227 रन पर ढेर हो गई।

वहीं कप्तान टेम्बा बावुमा और क्विंटन डी कॉक के बीच दक्षिण अफ्रीका के लिए 21 मैच में पहली शतकीय पार्टनरशिप की। दोनों ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। साउथ अफ्रीका का पहला विकेट

146 रन पर गिरा। क्विंटन डी कॉक 22.5 ओवर में ट्रेविस हेड की गेंद पर डेविड वार्नर को कैच देकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने 77 गेंदों में 82 रन की पारी खेली।

डी कॉक के जाने के बाद टेम्बा बावुमा भी ज्यादा देर विकेट पर टिक नहीं सके और वे भी 150 के टीम स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। बावुमा ने 62 गेंदों में 57 रन की पारी खेली। वहीं मीडिल ऑर्डर में एडेन मार्करम ने नाबाद 102 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने 2 और तन्वीर सांघा, नाथन एलिस ने 1-1 विकेट लिए।

वार्नर रहे ऑस्ट्रेलिया के टॉप स्कोरर

टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा रन डेविड वार्नर ने बनाए। उन्होंने 56 गेंदों पर 10 चौके और 3 छक्के की मदद से 78 रन की पारी खेली। ट्रेविस हेड ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 24 गेंदों पर 38 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान मिचेल मार्श ने 26 गेंदों पर 29 रन बनाए।

गेराल्ड कोएट्जी ने लिए चार विकेट

साउथ अफ्रीका की ओर से गेराल्ड कोएट्जी ने 6.3 ओवर में 50 रन देकर 4 विकेट लिए। तबरीज शम्सी और केशव महाराज ने 2-2 विकेट लिए।

दिल्ली हाफ मैराथन: केन्या के डेनियल और इथियोपिया की अयाना होंगी मुख्य आकर्षण, 15 अक्तूबर को होगी प्रतियोगिता

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पुरुष वर्ग में केन्केया रोन्सर कोंगा (59:08), लियोनार्ड बारसोटन (59:09), इसाक किपकेमबोई (59:17) और इसैयाह लासोई (59:27) तथा इथियोपिया के टेसफहुन अकालन्यू (59:22) भी खिताब के लिए अपनी कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

विश्व चैंपियनशिप में 10,000 मीटर में रजत पदक जीतने वाले केन्या के डेनियल एबेन्यो और इथियोपिया की रियो ओलंपिक चैंपियन अल्माज अयाना 15 अक्तूबर को यहां होने वाली दिल्ली हाफ मैराथन में आकर्षण के केंद्र होंगे। आयोजकों की विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रतियोगिता की इनामी राशि 268,000 डॉलर है और इसे विश्व एथलेटिक्स की तरफ से एलीट लेवल की रोड रेस की मान्यता हासिल है।

इस हाफ मैराथन में हजारों एमेच्योर धावकों के भाग लेने की संभावना है। अयाना ने 2016 ओलंपिक खेलों में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2015 में विश्व चैंपियनशिप में 5,000 मीटर और 2017 में 10,000 मीटर दौड़ का खिताब जीता था। एबेन्यो का हाफ मैराथन में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 59.04 मिनट का है जो दिल्ली हाफ मैराथन की 58.53 मिनट के रिकॉर्ड के काफी करीब है।

पुरुष वर्ग में केन्केया रोन्सर कोंगा (59:08), लियोनार्ड बारसोटन (59:09), इसाक किपकेमबोई (59:17) और इसैयाह लासोई (59:27) तथा इथियोपिया के टेसफहुन अकालन्यू (59:22) भी खिताब के लिए अपनी कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

महिला वर्ग में अयाना को अपनी युवा साथी बेतेलिहेम अफेनिगस और केन्या की वियोला चेप्नगेनो से कड़ी चुनौती मिलेगी। पुरुष और महिला वर्ग के अंतरराष्ट्रीय विजेताओं को समान 27,000 डॉलर की इनामी राशि मिलेगी।

एएफसी अंडर-23 एशियाई कप:

क्वालिफिकेशन राउंड में यूएई ने भारत को 3-0 से हराया, ग्रुप में टीम आखिरी स्थान पर रही

डेलियान, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और यूएई दोनों ने मैच में तेज शुरुआत की और कुछ अच्छे मूव बनाए। यूएई ने 26वें मिनट में मोहम्मद अब्बास अलबलूशी के गोल से बढ़त दिलाई।

भारत को यहां डेलियान सुओयुवान स्टेडियम में यूएई के खिलाफ 0-3 की हार का सामना करना पड़ा और लगातार दूसरी शिकस्त के साथ एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2024 क्वालीफिकेशन में उसका अभियान समाप्त हो गया। भारत ग्रुप जी में अंतिम पायदान पर रहा। इससे पहले उसे चीन के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। यूएई की टीम चार अंक और बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर रही। चीन के भी चार अंक हैं। चीन के पास अब दूसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीम में से एक के रूप में अगले दौर में जगह बनाने का मौका है।

भारत और यूएई दोनों ने मैच में तेज शुरुआत की और कुछ अच्छे मूव बनाए। यूएई ने 26वें मिनट में मोहम्मद अब्बास अलबलूशी के गोल से बढ़त दिलाई। भारतीय डिफेंडर इस दौरान भ्रम की स्थिति में दिखे और रैफरी ने अपने सहायक के साथ लंबी चर्चा के बाद गोल करार दिया। मैच के 33वें मिनट में यूएई ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया। टीम के लिए दूसरा गोल सुल्तान आदिल अलामीरी ने दागा। दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तेजी दिखाई। भारतीय खिलाड़ियों ने कुछ अच्छे मौके बनाए लेकिन यूएई के रक्षण को भेदने में नाकाम रहे। मध्यांतर तक यूएई की टीम 2-0 से आगे थी। दूसरे हाफ में भारत ने यूएई के डिफेंस पर दबाव डाला। पार्थिव गोगोई ने दाएं छोर से मूव बनाया लेकिन उनका क्रॉस भारतीय स्ट्राइकरों की पहुंच से दूर रहा। भारत के मुख्य कोच क्लिफोर्ड मिरांडा ने संजीव स्टालिन और गोगोई की जगह रबीह अंजुकानदन और सौरव को उतारा लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही। यूएई ने इस बीच पलटवार करते हुए एशा खलफान के गोल की बदौलत स्कोर 3-0 किया जो विजयी स्कोर साबित हुआ।

बैडमिंटन: किरन जॉर्ज हॉन्ग-कॉन्ग ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह नहीं बना पाए

क्वालिफिकेशन के दूसरे दौर में हारे

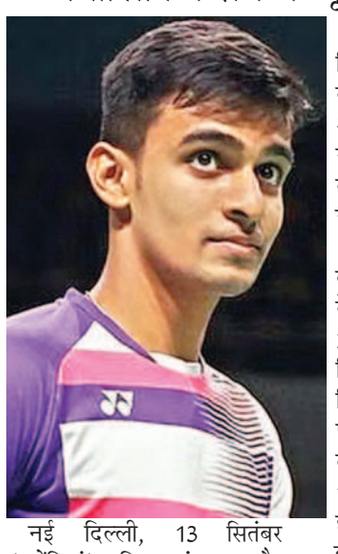

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मिथुन मंजूनाथ और रवि भी पुरुष एकल के क्वालिफायर्स से ही बाहर हो गए। महिलाओं के एकल मुकाबले में, मालविका बनसोड़ टूर्नामेंट के मुख्य दौर में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी पिचमोन ओपट्निपुट ने मैच को बीच में ही छोड़ दिया था।

इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीतने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किरन जॉर्ज अपनी शानदार लय को जारी नहीं रख पाए। किरन हॉन्ग-कॉन्ग ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने से चूक गए।

उन्हें क्वालिफिकेशन के दूसरे दौर के मैच में मलयेशिया के हाओ ल्योंग से 20-11, 21-14, 14-21 से हार मिली। इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने क्वालिफिकेशन के पहले दौर के मैच में चीनी ताइपे के यू जेन चेई को 21-15, 21-17 से सीधे गेमों में हराया था।

वहीं, मिथुन मंजूनाथ और रवि भी पुरुष एकल के क्वालिफायर्स से ही बाहर हो गए। महिलाओं के एकल मुकाबले में, मालविका बनसोड़ टूर्नामेंट के मुख्य दौर में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी पिचमोन ओपट्निपुट ने मैच को बीच में ही छोड़ दिया था।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में महिला हॉकी टीम का पहला मैच थाईलैंड से

27 अक्तूबर को होगा मुकाबला

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में दक्षिण कोरिया, मलयेशिया, थाईलैंड, जापान, चीन और भारत की टीमें भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता पांच नवंबर तक चलेगी। भारतीय टीम अभी अच्छी फॉर्म में है।

भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 27 अक्तूबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी। हॉकी इंडिया ने इस प्रतियोगिता के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार टूर्नामेंट की शुरुआत मलयेशिया और जापान के बीच होने वाले मैच से होगी जबकि भारत का सामना पहले दिन ही थाईलैंड से होगा। यह दिन का तीसरा मैच होगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में दक्षिण कोरिया, मलयेशिया, थाईलैंड, जापान, चीन और भारत की टीमें भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता पांच नवंबर तक चलेगी। भारतीय टीम अभी अच्छी फॉर्म में है। उसने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था जबकि पिछले साल स्पेन में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप में खिताब हासिल किया था। भारत ने 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी जबकि 2018 में वह उप विजेता रहा था।

तेलंगाना सरकार के गठन के तुरंत बाद शुरू हुआ पेयजल के लिए पीआरएलआईएस पर काम

सूखाग्रस्त क्षेत्र में दिखने लगा हरियाली का असर, कृषि क्षेत्र का दायरा बढ़ा

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा बेसिन का दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र, विशेष रूप से महबूबनगर, रंगारेड्डी और नलगोंडा जिले (तत्कालीन) अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित सबसे संकटग्रस्त और सूखा प्रवण क्षेत्र हैं, जहां कम और अनियमित वर्षा होती है और भूजल में फ्लोराइड की मात्रा अधिक होती है। परिणामस्वरूप लोग पारंपरिक रूप से देश के अन्य हिस्सों की ओर पलायन कर रहे थे और उपरोक्त जिलों के गांवों में सिंचाई और पीने के पानी की सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें 'पलामुरू श्रमिक क्षेत्र' के रूप में जाना जाता था। पूर्ववर्ती हैदराबाद राज्य ने इन जिलों को गुरुत्वाकर्षण नहरों के माध्यम से सिंचित करने के लिए परियोजनाओं की योजना बनाई थी, जो 1956 में राज्य पुनर्गठन के बाद वंचित हो गए थे और ये क्षेत्र लिफ्ट सिंचाई योजनाओं पर निर्भर रहने के लिए बाध्य हो गए हैं। यद्यपि कृष्णा नदी तेलंगाना राज्य में महबूबनगर जिले से होकर गुजरती है, 17.60 टीएमसी के उपयोग के लिए प्रियदर्शिनी जुराला प्रोजेक्ट नाम से केवल एक छोटी परियोजना का निर्माण केवल 42,392 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई प्रदान करने के लिए किया गया था। तीन पूर्ववर्ती जिलों महबूबनगर, रंगारेड्डी और नलगोंडा में खेती योग्य क्षेत्र 29,28,403 हेक्टेयर है, जिसमें से केवल 14,85,017 हेक्टेयर के लिए सिंचाई सुविधाएं बनाई गई हैं, जिससे एक बड़ा क्षेत्र बिना किसी जल सुविधा के रह गया है। ये क्षेत्र गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से सिंचाई सुविधा से वंचित थे। आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार ने पीआरएलआईएस के लिए विस्तृत सर्वेक्षण, जांच और डिजाइन करने के लिए 6.91 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी है। महत्व को देखते हुए, तेलंगाना सरकार ने 2014 में सरकार के गठन के तुरंत बाद पेयजल घटक के लिए पीआरएलआईएस का काम शुरू किया। पलामुरुरंगारेड्डी एल,आई योजना में कृष्णा नदी पर श्रीशैलम जलाशय के तट से 60 दिनों में 90 टीएमसी बाढ़ का पानी उठाने का प्रस्ताव है। लाभान्वित क्षेत्र में सूखे की स्थिति और पुनर्गठित नए जिलों में भूजल में उच्च फ्लोराइड सामग्री की समस्याओं को देखते हुए, लिफ्ट सिंचाई परियोजना को चरणबद्ध तरीके से निष्पादित करने की योजना बनाई गई थी। पहले चरण में 06 जिलों यानी नगरकुर्नूल, महबूबनगर, नारायणपेट, विकाराबाद, रंगारेड्डी और नलगोंडा जिलों के 1226 गांवों को पीने के पानी के लिए, जिसमें हैदराबाद शहर को पीने का पानी भी शामिल है। सरकार ने 35,200 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। येल्लूर (वी), कोल्लापुर (एम) में श्रीशैलम जलाशय के अग्रभाग से प्लस 240.00 मीटर की ऊंचाई से के.पी. पर प्लस 670.00 मीटर की ऊंचाई तक पंपिंग स्टेशनों के माध्यम से पानी पांच चरणों में उठाया जाता है। दूसरे चरण में 12.30 लाख एकड़ और औद्योगिक उपयोग के लिए सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए जलाशयों से नहर नेटवर्क विकसित किया जाएगा। पीआरएलआई योजना में पीने, औद्योगिक उपयोग और सिंचाई के लिए पंपिंग स्टेशन, सुरंगें और भंडारण जलाशय शामिल हैं। परियोजना के निर्माण के लिए आवश्यक कुल भूमि 66064 एकड़ है। पहले चरण में 27047 एकड़ है और भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में 39017 एकड़ है और भूमि अधिग्रहण प्रगति पर है। उदंदापुर जलाशय तक मुख्य नाली, यानी पंप हाउस, नहरें, जलाशय और सुरंगों का काम ठेका एजेंसियों को सौंप दिया गया है और काम प्रगति पर है।

"श्रीशैलम जलाशय के अग्रभाग से के.पी. लक्ष्मीदेवीपल्ली जलाशय तक मुख्य नाली कार्यों को 21 पैकेजों में विभाजित किया गया था। 18 पैकेजों के लिए उदंदापुर जलाशय तक 34295.734 करोड़ रुपये का अनुमान तकनीकी रूप से स्वीकृत किया गया था। " पैकेज 1 से 18 तक यानी उदंदापुर जलाशय तक के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं और एजेंसियों को सौंपी गई हैं और कार्य प्रगति पर हैं। 18 पैकेजों का अनुबंध मूल्य 29183.39 करोड़ रुपए है। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) ने 10,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। आईडीसी (निर्माण के दौरान ब्याज) सहित पीआरएलआईएस पंप हाउस (पैकेज 1,5, 8 और 16 के ईएम और एचएम घटक) के लिए है। निष्पादन के लिए उपलब्ध शुद्ध राशि 6160.46 करोड़ रुपये है।

टीडीपी समर्थकों ने बाबू की गिरफ्तारी के विरोध प्रदर्शन किया

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू के समर्थकों ने आंध्र प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी और रिमांड की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। समर्थक गच्चीबोवली में विप्रो सर्कल के पास तख्तियां लेकर एकत्र हुए और श्री नायडू के समर्थन में नारे लगाए। किसी भी विरोध को विफल करने के लिए तैनात की गई पुलिस ने आईटी कंपनियों में काम करने का दावा करने वाले कुछ समर्थकों को हिरासत में लिया और उन्हें पुलिस स्टेशनों में स्थानांतरित कर दिया। टीडीपी प्रमुख को इस सप्ताह की शुरुआत में कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में एपी सीआईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था और रिमांड पर लिया गया था।

महेश बैंक ESTD. 1978
आन्ध्र प्रदेश महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि.
(मल्टी-स्टेट शेड्यूल्ड बैंक)
प्रधान कार्यालय : 8-2-680/1&2, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद - 500 034
फोन: 24615296 / 99 फैक्स: 040-24616427 E-mail : info@apmaheshbank.com Website: www.apmaheshbank.com
बैंक का प्रधान कार्यालय ISO 9001 : 2015 से प्रमाणित
राष्ट्र भाषा हिन्दी है अपना मूलाधार ।
इससे ही जोडिये सारा जीवन-व्यापार ।।
हिन्दी दिवस
की शुभकामनाएँ
निदेशक मण्डल
रमेश कुमार बंग
चेयरमैन
लक्ष्मीनारायण राठी, वाईस चेयरमैन
श्रीमती अनिता सोनी, अरुणकुमार भांगडिया, बद्रीविशाल मून्दड़ा, भगवान पंसारी, श्रीमती भगवती देवी बल्दवा, बृजगोपाल असावा, गोविन्द नारायण राठी, कैलाश नारायण बी, CA मुरली मनोहर पलोड, प्रेम कुमार बजाज, श्रीमती पुष्पा बूब, रामप्रकाश भण्डारी, रमाकान्त इन्नाणी LLB, CS सुमन हेडा LLM
वी.के. खण्डेलवाल, प्रबन्ध निदेशक एवम् मुख्य कार्यकारी अधिकारी
बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट
CA रामदेव भूतड़ा, चेयरमैन
CA किशनगोपाल मणियार, CA लक्ष्मीनारायण बांगड़, CA मुरली मनोहर पलोड, Er प्रवीण कुमार बाहेती, रामप्रकाश भण्डारी, CA एस.बी. काबरा
वी.के. खण्डेलवाल, प्रबन्ध निदेशक एवम् मुख्य कार्यकारी अधिकारी
"FESTIVAL BONANZA CAMPAIGN"
16-08-2023 TO 15-11-2023
Various Loans at Attractive Rate of Interest
GOLD LOAN @8.00%* P.A. (Overdraft facility also available for Business purpose)
HOUSING LOAN @8.50%* P.A. Onwards
*Conditions apply
50% Concession in Processing Fee Hassle Free Sanction Easy Documentation
For further details, please contact the nearest Branch

एनएमडीसी NMDC जिम्मेवार खनन
G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव
हिन्दी दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ
नई पहचान
उच्च आकांक्षाएं
असीम संभावनाएं
1958 में स्थापना के बाद से ही हमने खनन के नए मानदंड स्थापित किए हैं और भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक बन गए हैं। जिम्मेवार खनन कंपनी के हमारे दर्शन से हमारी परियोजनाओं के आस-पास के लोगों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति हुई है।
एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालयः खनिज भवन, 10-3-311/ए, कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद - 500028
सीआईएनः L13100TG1958GOI001674
nmdc.co.in
/nmdclimited

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.